



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 25] नई दिल्ली, शनिवार, जून 19, 1976 (ज्येष्ठ 29, 1898)

No. 25] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 19, 1976 (JYAISTA 29, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 मई 1976

सं० पी० 1765-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंबंधक अधिसूचना दिनांक 2-4-76 के अनुक्रम में महानिदेशक, डाक और तार, नई दिल्ली के कार्यालय में स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री के० एन० बोहरा को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 1-4-76 से तीन मास की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, प्रतिनियुक्ति आधार में अनुसंधान अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

प्रभात नाथ मुखर्जी,
अवर सचिव
हृते अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 मई 1976

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III (I)—इस कार्यालय की समसंबंधक अधिसूचना दिनांक 24-3-76 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी

116GI/76

सहायक श्री जी० के० सामन्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 1-4-76 से 15-4-76 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III (II)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० एन० संगभीश्वरन को, राष्ट्रपति द्वारा 17-4-76 से 1-6-76 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III (III)—मंथ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री वी० वी० दास सरमा को, राष्ट्रपति द्वारा 17-4-76 से 1-6-76 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III (IV)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० के० सामन्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 17-4-76 से 1-6-76 तक 46 दिन की अवधि के लिए आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा०-III (V)—इस कार्यालय की समसंब्यक अधिसूचना दिनांक 19-3-76 से अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० डी० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 23-4-76 से 23-5-76 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III (VI)—इस कार्यालय की समसंब्यक अधिसूचना दिनांक 19-3-76 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० पी० माथुर को, राष्ट्रपति द्वारा 2-5-76 से 31-5-76 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 20 मई 1976

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 17-4-76 से 1-6-76 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्रभात नाथ मुखर्जी,
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय
(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)
प्रबंतन निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 मई 1976

सं० ए०-11/20/76—श्री आर० डी० गुप्ता, निरीक्षक, आयकर, कानपुर को प्रबंतन निदेशालय के जालंधर क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 6-4-76 से आगले आदेशों तक के लिए प्रबंतन अधिकारी के पद पर (प्रतिनियुक्ति पर) स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

जे० एन० अरोड़ा,
उप-निदेशक

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 मई 1976

सं० टी०-3/7/76-प्रशासन-5—श्री टी० एस० राव, पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मद्रास ने दिनांक 30-4-76 के अपराह्न में पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कंध, मद्रास शाखा के पद का कार्यभार स्थान दिया।

उनकी सेवाएं आंध्र प्रदेश राज्य सरकार को वापस सी दी गई।

दिनांक 21 मई 1976

सं० ए० 20014/82/76-प्रशासन-1—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री एस० के० पाण्डे, उप-निरीक्षक को, प्रोफ्रेट हो जाने पर, दिनांक 12 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न से आगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अहमदाबाद शाखा के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग में अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 मई 1976

सं० ए० 19036/12/76-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, गुजरात राज्य के अधिकारी श्री डी० बी० पटेल को दिनांक 10-4-76 के पूर्वाह्न से आगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सी० आई० ए० (II) शाखा में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय
महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 मई 1976

सं० ई०-38013(3)/7/76-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, निरीक्षक आर० जानकीरामन को दिनांक 12 अप्रैल 76 के अपराह्न से आगामी आदेश जारी होने तक, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बेलाडिला आयरन और प्रोजेक्ट, डिपाजिट 5, बेलाडिला का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं और उन्होंने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 20 मई 1976

सं० ई०-16013(2)/7/74-प्रशा०-1—अपने मूल संवर्ग में प्रवर्याचर्तन होने पर, श्री टी० कामन, आई० पी० एस० (केरल-1962) ने दिनांक 12 अप्रैल 76 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, कोचीन पोर्ट ट्रस्ट, कोचीन, के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ली० सि० बिष्ट,
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय
नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 मई 1976

सं० 25/4/74 म० पं० (प्रशा०-एक) —राष्ट्रपति, समाज कल्याण विभाग में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त श्री एन० जी० नाग के परावर्तन हो जाने के परिणामस्वरूप उन्हें तारीख 1 मई, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक भारत के महापंजीकार के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री नाग का मुख्यालय दिल्ली में होगा।

रा० अ० चारी,
भारत के महापंजीकार एवं
पदेन संयुक्त सचिव

वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
बैंक नोट मुद्रणालय
देवास, दिनांक 20 मई 1976

सं० बी० एन० पी०/सी०/6/76—क्रमशः प्रतिभूति कागज कारखाना, होशंगाबाद तथा भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड के निम्नलिखित दो स्थायी नियन्त्रण निरीक्षक (वर्तमान में उप नियन्त्रण अधिकारी, बैंक नोट मुद्रणालय, देवास के पद पर प्रतिनियुक्त हैं) भर्ती नियमों के स्थानान्तरण संवर्ग के अधीन स्थायी रूप से नियोजित किए जाते हैं तथा नीचे दिखाई गई वरीयतः के क्रम में दिनांक 3-4-76 से बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880 40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उप नियन्त्रण अधिकारी के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किए जाते हैं:—

- श्री एम० एस० देशपाण्डे
- श्री के० सी० हिन्दौल

सं० बी० एन० पी०/सी०/24/76—वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग में श्री सी० सी० उणिकृष्णन अनुभाग अधिकारी को दिनांक 2-5-76 (पूर्वाह्न) से दिनांक 24-4-79 तक बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) में कनिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है।

डी० सी० मुखर्जी,
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा-परीक्षा एवं लेखा विभाग
कार्यालय महालेखाकार
केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 मई 1976

सं० प्रशासन-I/कार्यालय आदेश 139—श्रीमान महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व ने इस कार्यालय के निम्नांकित स्थायी-अनुभाग अधिकारियों को उनके नाम के समक्ष अंकित की गई

तिथियों से समय-वेतनमान रु० 840-40-1000-द० रो० 40-1200 में अन्य आदेश होने तक लेखा अधिकारी के रूप में स्थानान्तर रूप से कार्य करने हेतु नियुक्त किया है:—

नाम	लेखाअधिकारी के रूप में पदोन्नति की तिथि
1. श्री एस० आर० सेठ	17-5-1976 (पूर्वाह्न)
2. श्री के० के० मेहरा	17-5-1976 (पूर्वाह्न)

ह० अष्टमीय
वरिष्ठ उप-महालेखाकार
(प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र

बम्बई-400020, दिनांक 17 अप्रैल 1976

सं० प्रशासन-आय/आय० ए० डी०/5(115-Vol. II)/2—
श्री एस० आर० वेंकटसुब्रमण्यम्, इस कार्यालय के स्थानान्तर लेखा अधिकारी को मझगांव डाक लिमिटेड, बम्बई में दिनांक 1-10-1975 से स्थायी रूप से समा लेने के फलस्वरूप केन्द्रीय नागरी सेवा (निवृत्ति वेतन) नियमावली—1972 के नियम 37, जो भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन, क्र० सं० 44 (1)—इह्वी/71 दिनांक 13-4-1973 के साथ पढ़ा जाए, के अन्तर्गत दिनांक 1-10-1975 से सेवा निवृत्त समझा जाएगा।

भारत के राष्ट्रपति, भारत सरकार वित्त मंत्रालय के पत्र दिनांक 23-3-1976 संलग्न विवरण में निर्धारित शर्तों पर जन सेवा के हित में, श्री एस० आर० वेंकटसुब्रमण्यम् को मझगांव डॉक लिमिटेड में दिनांक 1-10-1975 से स्थायी रूप से समा लेने को अपनी मंजूरी प्रदान करते हैं।

ए० बी० पालेकर,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश-I

हैदराबाद-500004, दिनांक 17 मई 1976

सं० ई० बी०-I/8-312/76-77/49—श्री एम० बी० शम्भूगम लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश I/II में सेवा से निवृत्त हुए—दिनांक 30-4-76 अपराह्न।

एस० आर० मुखर्जी,
वरिष्ठ उप-महालेखाकार
(प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, गुजरात

अहमदाबाद-1, दिनांक 21 मई 1976

सं० एस० (ए०)/जी० ओ०/2 (177)/727—महालेखाकार, गुजरात ने आधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्य श्री आर०

जे० नाइक को दिनांक 19-5-1976 के पूर्वाह्न से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार, गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

दिनांक 22 मई 1976

सं० एस्ट० (ए०)/जी० ओ०/२ (175)/734—महालेखाकार, गुजरात ने अधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्य श्री सी० के० विश्वनाथन को दिनांक 10 मई 1976 के पूर्वाह्न से लेकर अगला आदेश मिलने तक अपर महालेखाकार गुजरात, राजकोट के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

सं० एस्ट० (ए०)/जी० ओ०/२ (176)/736—महालेखाकार गुजरात ने अधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्य श्री ए० एन० वैद्यनाथन को दिनांक 15 मई 1976 के पूर्वाह्न से लेकर अगला आदेश मिलने तक अपर महालेखाकार गुजरात, राजकोट के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

कौ० ही० छाया,
उप महालेखाकार (प्रशासन)
गुजरात

कार्यालय निदेशक
लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 मई 1976

सं० ए० प्रशासन/130/76—भारत हैवी इलैक्ट्रिकल लिमिटेड में स्थाई रूप से अन्तर्लयन के परिणामस्वरूप श्री एस० कृष्णस्वामी स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवाएं का ग्रहणाधिकार अवसान हस विभाग में 13-4-76 से हो गया है।

गिरिजा ईश्वरन
वरिष्ठ उप निदेशक,

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक,
नई दिल्ली-22, दिनांक 18 मई 1976

सं० 40011(2)/75-प्रशा० ए०—वार्षिक निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा:

क्रम सं०	नाम रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
1	सर्वश्री 1. श्री एम० वी० सीतारामन (पी०/130)	3	31-10-76 रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास।	5

1	2	3	4	5
2.	सर्वश्री एस० अर्वामुदन (पी०/158)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-8-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ (राष्ट्रीय कैडेट कोर मध्य प्रदेश—इंदौर में प्रतिनियुक्ति पर)
3.	आर० के० शंकर नारायणन (पी०/229)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
4.	जी० के० अभ्यंकर (पी०/233)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-8-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना।
5.	जी० सुन्दरेसन (पी०/374)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
6.	पी० शकरन (पी०/424)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-7-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ (डी० जी० बी० एस० एफ०, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर)।
7.	डी० डी० नैयर (पी०/439)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक), उत्तर, मेरठ
8.	बी० एस० राजहंस (पी०/627)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
9.	एन० सुश्रद्धान्यन (पी०/661)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-8-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर), पूना।
10.	एम० जी० रामवर्मा (ओ०/76)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना), बम्बई।
11.	बी० एल० भाटिया (ओ०/145)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), उत्तर, मेरठ।
12.	बी० के० आंग्रा (ओ०/164)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-9-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), उत्तर, मेरठ।
13.	एन० पद्मनाभन (ओ०/231)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।

श्री एन० सुश्रद्धान्यन, स्थायी लेखा अधिकारी को उनकी सेवा निवृत्ति पूर्व 5-11-75 से 17-12-75 तक अर्जित छुट्टी एवं 18-12-75 से 31-8-76 तक अद्वैतन की गई है।

दिनांक 19 मई 1976

सं० 18349/प्रशा०-11—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री बी० के० जगन्नाथचारी, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक (रक्षा मंत्रालय आर० एण्ड डी० संगठन नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर हैं) को 31-7-76 (अपराह्न) से पेंशन स्थानापन्न को अन्तरित कर दिया जाएगा और उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा।

सी० बी० नागेन्द्रा,
रक्षा लेखा उप महा नियंत्रक
(प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डनेन्स फैक्ट्रीयां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 17 मई 1976

सं० 35/76/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री एस० कृष्णास्वामी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन), दिनांक 31 अक्टूबर, 1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 36/76/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री जे० एन० मलहोवा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 जनवरी, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

सं० 37/76/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री एन० सी० दे, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 29 फरवरी, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

दिनांक 19 मई 1976

सं० 38/76/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को अस्थायी उप प्रबन्धक/डी०ए०डी०जी०के पद पर उनके सामने दर्शायीं गई तारीख से शागमी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

1. श्री महेश्वरनाथ कौल,	30 अप्रैल, 1975
लेवर अधिकारी	
2. श्री मधुकर हर्रन रन्नरकर,	11 अगस्त, 1975
लेवर अधिकारी	
3. श्री मौली धोप,	15 जुलाई 1975
लेवर अधिकारी	
4. श्री उदयबर्मा विश्वनाथन मेनन,	26 जुलाई 1975
स्टोर अधिकारी	
5. श्री तपन कुमार चट्टोपाध्याय	23 अप्रैल 1975
6. श्री विश्वनाथन सुदम हस्ती,	14 अप्रैल 1975
सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)	
7. श्री करीदुल लजारस मोहन राव,	20 मई, 1975
लेवर अधिकारी	
8. श्री वूमानडिसिंग बेंकटा सुब्बा राव,	5 जून, 1975
लेवर अधिकारी	
9. श्री पी० के० चिन्नादोराइ,	12 मई, 1975
लेवर अधिकारी	

दिनांक 20 मई 1976

सं० 39/76/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर श्री एन० चन्द्रन, स्थानापन्न उप प्रबन्धक (स्थायी स्टोरहोल्डर) दिनांक 29 फरवरी, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

सं० 40/76/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर श्री डी०ए० खेतपाल, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन/टेक्नीकल) दिनांक 31 जनवरी, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

दिनांक 24 मई 1976

सं० 41/76/जी०—एक वर्ष की सेवा वृद्धि की समाप्ति पर श्री डी० संथानम्, स्थायी सहायक प्रबन्धक 31 जनवरी, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

सं० 42/76/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर, श्री वी० सी० वी० राव, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन), 31 मार्च, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

सं० 43/76/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर, श्री एम० एन० भण्डारी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी स्टोरहोल्डर), 31 मार्च, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

एम० पी० आर० पिलाय,
सहायक महानिदेशक, आईनैस फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1976

आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1135/76-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशालय (अनुसन्धान सांख्यिकी और प्रकाशन) में भारतीय सांख्यिकी सेवा के स्थायी वर्ग-3 के अधिकारी और सांख्यिक (आई०टी०) श्री आर० सदाशिवन को 30-4-76 के दोपहर पूर्व से इस कार्यालय में निदेशक, सांख्यिकी के रूप में नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 20 मई 1976

सं० 6/488/58-प्रशा० (राज०) /—राष्ट्रपति, श्री आर० एस० अरोरा, नियंत्रक (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) को इस कार्यालय में 15-1-76 से 31-5-76 की अवधि तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं ।

सं० 6/1105/75-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग एक के स्थानापन्न अधिकारी, श्री राजिन्दर सिंह को दिनांक 1-3-76 से अगला आदेश होने तक, इस कार्यालय में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं ।

पी० के० कौल,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 19 मई 1976

सं० ई० एस० टी०-1-2 (662)—वस्त्र आयुक्त, श्री अशोक कुमार चौधरी को 29 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई में सहायक निदेशक द्वितीय श्रेणी (नान टेक्नीकल) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं ।

का० रा० नीलकंठन,
उप-निदेशक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1976

सं० ए०-17011/15/71-प्र-6—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-I के ग्रेड-III की इंजीनियरों शाखा में निरीक्षण अधिकारी श्री ए० के० बजाज को दिनांक 17 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न से उसी सेवा के ग्रेड-II की इंजीनियरी शाखा में उप निदेशक निरीक्षण के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बजाज ने उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली में दिनांक 8 अप्रैल, 1976 के अपराह्न को निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 17 अप्रैल, 1976 (पूर्वाह्न) को कलकत्ता निरीक्षण मंडल, कलकत्ता में उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक 21 मई 1976

सं० ए०-17011(16)/71-प्र०-6—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण, सेवा, श्रेणी I के ग्रेड III की इंजीनियरी शाखा में निरीक्षण अधिकारी श्री टी० एस० संधू को दिनांक 22 अप्रैल, 1976 से सेवा के ग्रेड-II की इंजीनियरी शाखा में उपनिदेशक निरीक्षण के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री संधू ने निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पद भार छोड़ दिया और 22 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न से बम्बई निरीक्षण मंडल, बम्बई में उपनिदेशक (इंजी०) का पद भार सम्भाल लिया।

दिनांक 22 मई 1976

सं० प्र०-6/247(206)/59/II—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन कलकत्ता निरीक्षण मंडल में स्थायी भौतिकी सहायक तथा स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (इंजी-नियरी) ग्रेड III भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए श्री एस० आर० चक्रवर्ती दिनांक 30-4-76 (अपराह्न) से एफ० आर० 56(जे) के अधीन सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिए गए।

दिनांक 24 मई 1976

सं० प्र०-6/247(328)/II—पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशालय के अधीन उत्तरी निरीक्षण मंडल में स्थायी भंडार परीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) श्री एस० सी० करमाकार दिनांक 30-4-76 (अपराह्न) से एफ० आर०-56 (जे०) के अधीन सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिए गए।

सूर्य प्रकाश
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1976

सं० प्र०-1/1(654)—स्थायी अवर क्षेत्र अधिकारी तथा पूर्ति निदेशक (बस्टर) बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक

(ग्रेड-II) श्री एम० टी० गिडवानी दिनांक 30 अप्रैल, 1976 के अपराह्न से निवृत्तन आयु (58) वर्ष होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र०-1/1(952)-स्थायी अधीक्षक (अधीक्षण स्तर-II) और पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड II) श्री वी० पद्मन दिनांक 30-4-76 (अपराह्न) से निवृत्तन आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 22 मई 1976

सं० प्र०-1/1(968)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतदू-द्वारा संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों पर श्री आलोक कुमार गुहा को दिनांक 1 मई, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड II) (प्रशिक्षण आरक्षित) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 18 मई, 1976

सं० ई० 1-12(94)/75—लोहा और इस्पात नियंत्रक श्री एस० वी० बासु अधीन लेखा सेवा लेखापाल को वरिष्ठ उपमहा लेखापाल, वाणिज्य, कार्य तथा विविध, कलकत्ता के कार्यालय से लेखा अधिकारी के पद पर एतद्वारा 2-12-76 से प्रतिनियुक्ति नियुक्त किया जा रहा है।

ई० 1-12(95)/76—लोहा और इस्पात नियंत्रक श्री जे० एल० देव, अधीन लेखा सेवा लेखापाल को वरिष्ठ उपमहा लेखापाल, वाणिज्य, कार्य, विविध कलकत्ता के कार्यालय से लेखा अधिकारी के पद पर एतद्वारा 2 अप्रैल 1976 के द्विप्रहर से प्रतिनियुक्ति नियुक्त किया जा रहा है।

ए० सी० चट्टोपाध्याय
उप निदेशक (प्रशासन)

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 18 मई 1976

सं० 2181 (वी० के० एम०)/19वी—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्स्प्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री वी० के० मुखर्जी ने सहायक रसायनज्ञ के पद का कार्यभार, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 1 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से संभाल लिया।

दिनांक 25 मई 1976

सं० 40/59/सी०/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री एस० एम० द्वास को उसी विभाग में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, तदर्थं आधार पर, 31-3-1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

वी० के० एस० वरदन
महानिदेशक

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-700016, दिनांक 3 मई 1976

सं० 4-124/76/स्था०—निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, श्री साधन सैन गुप्त की इस सर्वेक्षण में सहायक मानव विज्ञान विशेषज्ञ (सांस्कृतिक) के पद पर अस्थायी आधार पर 3 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न से आदेशों तक नियुक्ति करते हैं।

सी० टी० थामस
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1976

सं० फा० 11/2-5/75-ए-१—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अभिलेख निदेशक, भारत सरकार, एतद्वारा कुमारी शांता इवनाती, वरिष्ठ अन्वेषक (हिन्दी) केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन नई दिल्ली को राष्ट्रीय अभिलेखागार नई दिल्ली में दिनांक 6 मई 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अस्थायी आधार पर हिन्दी अधिकारी (वर्ग-II राजपत्रित) नियुक्त करते हैं।

नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1976

सं० एफ० 20 (बी०-३) 11/61-ए-१—अधिवार्षिकी प्राप्त होने के परिणामस्वरूप श्री एस० आर० मित्रा दिनांक 31 मार्च, 1976 के अपराह्न से राष्ट्रीय अभिलेखागार में पुरालेखाधिकारी (सामान्य) के रूप में सरकारी सेवा से सेवानिवृति हो गये हैं।

श्री नंदन प्रसाद,
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1976

शुद्धि-पत्र

सं० 2/5/76-एस०-तीन—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या 2/5/76-एस०-तीन, दिनांक 3-5-76 में कृपया निम्नलिखित शुद्धि की जाय।

क्रम संख्या 5, 6 और 12 में “पूर्वाह्न” की बजाय “अपराह्न” कर दिया जाए।

हो/- अपठित
अनुभाग अधिकारी,
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 मई 1976

सं० 2/44/60-एस० दो०—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एच० एस० बैट्टीस, वरिष्ठ लेखाकार, केन्द्रीय विक्रम एकक, आकाशवाणी, बम्बई को दिनांक 14-5-76 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी, इस्काल में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर, तदर्थं आधार पर, नियुक्त करते हैं।

इन्हें सेवा पांधी,
अनुभाग अधिकारी,
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1976

सं० 2/5/76-एस० तीन०—महानिदेशक, आकाशवाणी, निम्नलिखित अधिकारियों को वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक से पदोन्नत करके उनके नाम के सामने लिखे आकाशवाणी के केन्द्रों/कार्यालयों में वीर्य तारीख से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न/तदर्थं आधार पर नियुक्त करते हैं:—

सं०	नाम	जहां तैनात किया गया	नियुक्ति की तिथि	अध्युक्तियां
1.	श्री श्री० पी० चूग	योजना व विकास एकक, आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली।	3-5-76 (पूर्वाह्न)	स्थापनापन्न
2.	श्री पूर्ण अन्द्र पांडे	आकाशवाणी, इन्डौर	29-4-76 (पूर्वाह्न)	तदर्थ
3.	श्री एस० के० उप्पल	आकाशवाणी, नागपुर।	27-4-76 (पूर्वाह्न)	तदर्थ

हरजीत सिंह,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1976

सं० 2/4/68-स्टाफ-दो—श्री एम० डी० द्विवेदी, प्रशासनिक अधिकारी (तदर्थ) समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली वार्धक्य आयु प्राप्त होने पर 31 मार्च, 1976 से सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

2. श्री द्विवेदी की 1-4-76 से एक वर्ष की अवधि के लिए समाचार सेवा प्रभाग में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पुनर्नियुक्ति की जाती है।

एम० एल० टंडन,
प्रशासन उपनिदेशक (एम)
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 24 मई 1976

सं० 4(80)/75-स्टाफ-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री जे० टी० जिरदो को 4 मार्च, 1976 से अपने आदेश होने तक अस्थायी रूप से आकाशवाणी तबांग में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

(फिल्म प्रभाग)

बम्बई-26, दिनांक 12 मई 1976

सं० ए०-31014/3/75-सिवन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री के० पी० श्रीचरण स्थायी प्रोजेक्शन रूम आपरेटर और स्थानापन्थ टेक्नीकल अपसर (फिल्म) को दिनांक 29-11-73 से स्थायी टेक्नीकल अपसर (फिल्म) के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 24 मई 1976

सं० ए०-31014/1/75-सिवन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री एम० एम० वैध, स्थायी केमरामैन और स्थानापन्थ प्रमुख केमरामैन को स्थायी प्रमुख केमरामैन के पद पर दिनांक 1 जुलाई, 1970 से नियुक्त किया है।

श्रार० एस० शर्मा,
प्रशासकीय अधिकारी,
कृते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1976

सं० 16/35/75-भंडार-1—श्री बी० आर० दीवान ने 20 अप्रैल, 1976 (पूर्वाह्न) से चिकित्सा सामग्री भंडार डिपो, गोहाटी के उप सहायक महानिदेशक (चिकित्सा सामग्री) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

संगत सिंह,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1976

सं० ए०-31013/1/76-(जिप)एडमिन-I—राष्ट्रपति ने श्री एन० एस० परमार को 12 दिसम्बर, 1975 से जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में श्रीधर-प्रभाव विज्ञान (फार्मेसी) के प्राध्यापक के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 18 मई, 1976

सं० 48-25/75-सी० एच० एस०-I—केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-I की एक अधिकारी डा० (श्रीमती) बी० चौला ने अपने तबादले पर 15-4-1976 के अपराह्न को जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 17-4-76 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 21 मई 1976

सं० 38-1/74-सी० एच० एस०-1—केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-I के एक अधिकारी डा० आर० सी० साहा ने अपने तबादले के परिणामस्वरूप 19 अप्रैल, 1976 के अपराह्न को पत्तन स्वास्थ्य संगठन बम्बई में उप-पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 27 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न को पत्तन स्वास्थ्य संगठन, मार्गोवा, गोवा में उप-पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

रवीन्द्र नाथ तिवारी,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1976

सं० ए०-22013/1/76-एडमिन-14—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सहायक ग्रेड के एक स्थायी अधिकारी श्री हरी कृष्ण को 5 अप्रैल 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 24 मई 1976

सं० 15-5/75-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने मानसिक रोग अस्पताल, रांची के लेखा अधिकारी श्री बी० बी० नाग को पहली अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक उसी अस्पताल में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. श्री ए० वेदाचलम् ने अपने मूल कार्यालय को प्रत्यावर्तन पर पहली अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न को मानसिक रोग अस्पताल, रांची, में प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 1-20/74-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने श्री महावीर सिंह को 23 अप्रैल 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में मनोविज्ञान के सहायक प्राध्यापक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

डा० डी० बनर्जी ने, सहायक अनुसंधान अधिकारी (मनो-विज्ञान) के पद पर ग्राने प्रत्यावर्तन पर 23 अप्रैल 1976 के पूर्वाह्नि को अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में मनोविज्ञान के सहायक प्राध्यापक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

गुरु-पत्र

सं० 10-8/74-एडमिन-1—इस निदेशालय की दिनांक 8-3-76 की अधिसूचना सं० 10-8/74-एडमिन-1 में “19 दिसंबर, 1975” शब्दों के स्थान पर “12 फरवरी, 1976” पढ़े।

सं० 19-14/75-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पांडिचेरी के सहायक जीव-रसायनज्ञ डा० आर० राजन को 24 अप्रैल 1976 के पूर्वाह्नि से श्रागामी आदेशों तक उसी संस्थान में जीव-रसायन के रीडर के पद पर तदर्थं आधार पर नियुक्त किया गया है।

2. डा० आर० राजन ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में जीव-रसायन के रीडर के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप उसी संस्थान में 24 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्नि से सहायक जीव-रसायन के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 26 मई 1976

सं० 12-1/71-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्थायी प्रनुभाग अधिकारी श्री हरि चन्द शर्मा अधिवार्षिकी वय की प्राप्ति पर 30 अप्रैल, 1976 के अपराह्नि से सेवा निवृत्त हो गए।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1976

मि० सं० 2-3/75-स्थापना (1)—श्री ग्रो० पी० गुप्त विस्तार निदेशालय, कृषि एवं सिचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) में सहायक सम्पादक (हिन्दी) द्वितीय श्रेणी (राजपत्रित) (अलिपिक वर्गीय) के पद पर 31 मार्च, 1976 से अगले आदेश तक तदर्थं स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहेंगे।

निर्मल कुमार दत्त,
प्रशासन निदेशक

उत्काठन प्रशिक्षण केन्द्र, परियोजना

देहरादून, दिनांक 25 मई 1976

सं० 6-160/76-ल०० प्र०—श्री जी० पी० पान्डे, उत्तर प्रदेश वन विभाग के अधिकारी जो कि प्रकाष्ठ निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना, देहरादून में प्रति नियुक्ति पर प्रकाष्ठ निष्कासन अनुदेशक के पद का कार्य कर रहे थे दिनांक 18-5-76 (अपराह्नि)

से उनको कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है तथा उसी समय से उनकी सेवायें भूटान सरकार को समर्पित कर दी गयी हैं।

रमेश चन्द्रा,
प्रधान अधिकारी अधिकारी

(सिचाई विभाग)

महाप्रबन्धक, फरक्का बांध परियोजना का कार्यालय

फरक्का, दिनांक 20 मई 1976

सं० पी० एफ०-II/225/5182 (8)—श्री मधु सूदन साहा, ओवरसियर, फरक्का बांध परियोजना, कृषि और सिचाई मंत्रालय, (सिचाई विभाग) को पदोन्नति कर उसी संस्था में दिनांक 10-5-1976 के पूर्वाह्नि से अगले आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त किया गया। श्री साहा द्वोर्धे तक परिवीक्षाधीन रहेंगे।

बिगेडियर डी० आर० कथूरिया,
महा प्रबन्धक
फरक्का बांध परियोजना

परमाणु ऊर्जा विभाग

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक 3 अप्रैल 1976

सं० आर० आर० सी०/पी० एफ०/410/73-3752—परमाणु ऊर्जा विभाग के स्थायी सहायक तथा इस केन्द्र के स्थानापन्न सहायक प्रशासन अधिकारी श्री कृष्ण वेंकटकृष्णन ने परमाणु ऊर्जा विभाग, बम्बई में प्रनुभाग अधिकारी के पद के लिए चुने जाने पर 18 फरवरी, 1976 के अपराह्नि से कलपक्कम में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 12 मई 1976

सं० आर० आर० सी०-II-13 (11)/76-5280—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, इस अनुसंधान केन्द्र के अस्थायी वैज्ञानिक सहायक ‘सी०’ श्री रंगराजन गोविन्दराजन तथा नक्षानक्षीस (बी०) श्री गोविन्द चोकलिंगम को 1 मई, 1976 के पूर्वाह्नि से अगले आदेश तक उसी केन्द्र में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

दिनांक 26 अप्रैल 1976

सं० टी० ए० पी० एस०/प्रशासन/735-ए०—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, श्री आर० आर० बन्दूनी की सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर तदर्थं आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि को 7 अप्रैल, 1976 से 1 मई, 1976 तक बढ़ाते हैं।

दिनांक 13 मई 1976

सं० टी० ए० पी० एस०/प्रशासन/1380—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, स्थायी सहायक प्रशासन अधिकारी श्री ए० डी० भाटिया को, संवर्ग प्राधिकारी द्वारा तीनांत किए जाने पर, 10 मई, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक तारापुर परमाणु बिजलीघर में अस्थायी रूप से कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० टी० ए० पी० एस०/प्रशासन/673-ए० (XIII)—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, तारापुर परमाणु बिजलीघर के अस्थायी वैज्ञानिक सहायक (सी०) सर्वश्री डी० सी० तरफदार तथा आर० एस० नारायणन को 1 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से उसी बिजलीघर में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर “एस० बी०” नियुक्त करते हैं।

के० बी० सेतुमाधवन,
मुख्य प्रशासन-अधिकारी

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

(नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना)

बम्बई-5, दिनांक 3 मई 1976

सं० एम० ए० पी० पी०/18 (140)/76-प्रशासन—निदेशक, विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई, राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायीवत् उच्च श्रेणी लिपिक तथा नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न प्रवरण कोटि लिपिक श्री एम० ए० राजन को, श्री पी० वेणुगोपालन, सहायक कार्मिक अधिकारी, नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना, के अवकाश पर जाने के कारण रिक्त हुए स्थान पर 17 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न से 5 जून, 1976 के अपराह्न तक उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर० जे० भाटिया,
प्रशासन अधिकारी

परमाणु विद्युत प्राधिकरण

बम्बई-400039, दिनांक 18 मई 1976

सं० ए० पी० ए० प्रशासन/16/5/73—परमाणु विद्युत प्राधिकरण के अध्यथ व मुख्य कार्यपालक, स्थानापन्न वैयक्तिक सहायक श्री कोलतारा कोन्कुट्टन केलूकुट्टि को 10 मई, 1976 से 25 जून, 1976 तक श्री बी० बी० सभरदाल, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर तदर्थ आधार पर निजी सचिव नियुक्त करते हैं।

आर० वीरराधवन,
प्रशासन अधिकारी

सिविल इंजीनियरिंग वर्ग

कलपक्कम-603102, दिनांक 12 मई 1976

सं० सी० ई० जी०/1(6)/76-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के कलपक्कम स्थित परियोजनाओं के मुख्य इंजीनियर

(सिविल), निम्नलिखित अस्थायी पर्यवेक्षकों को 1 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक सिविल इंजीनियरिंग वर्ग, कलपक्कम में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर “एस० बी०” नियुक्त करते हैं:—

1. श्री टी० एम० भट्टाचार्य,
2. श्री बराथन मन्नारी
3. श्री डी० रामभूति
4. श्री आर० रामानुजम
5. श्री ए० वनमाली
6. श्री वाई० वेंकट सुभ्रह्मण्यम

बी० एस० वेंकटेश्वरन,
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

अणुशक्ति दिनांक 24 मई 1976

सं० रापविष्प/04621/प्रशासन/स्थ०/170:— राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर तामिलनाडु राज्य के सार्वजनिक निर्माण विभाग के स्थायी कनिष्ठ सहायक तथा मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न प्रवरण कोटि लिपिक श्री सी० स्टेपन बालासुन्दरम को इस परियोजना में दिनांक 31 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 20 मई 1976

सं० ई० (1) 07161—वेदशालाओं के महानिदेशक, वेदशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री ओंकारी प्रसाद जिन्हें इस विभाग की अधिसूचना सं० ई० (1) 07161, दिनांक 11-3-76 द्वारा 31-3-76 तक स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया था, को 1-4-76 के पूर्वाह्न से 7-5-76 तक सैतीस दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री ओंकारी प्रसाद, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ, वेदशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 21 मई 1976

सं० ई० (1) 03727—निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में सहायक मौसम विज्ञ श्री ए० के० दास

निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 30 अप्रैल, 1976 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

दिनांक 24 मई 1976

सं० ई० (1) 05485—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एम० डी० कुंद्रा को जिन्हें इस विभाग की अधिसूचना सं० ई० (1) 05485, दिनांक 2-4-76 द्वारा 30-4-76 तक स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया था, 1-5-76 के पूर्वाह्न से 31-5-76 तक 31 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री एम० डी० कुंद्रा, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ वेधशालाओं के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

गुरुमुख राम गुप्त,
मौसम विज्ञ,
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 20 मई 1976

सं० ई० (1) 04262—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के अधीन मौसम केन्द्र गोहाटी में व्यावसायिक सहायक श्री बी० बी० राय को 1-4-1976 के पूर्वाह्न से 28-6-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री बी० बी० राय, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के अधीन मौसम केन्द्र गोहाटी में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 26 मई 1976

सं० ई० (1) 04318—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान तथा भू-भौतिकी), पूना के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एच० आर० गणेशन को 17-5-76 के पूर्वाह्न से 13-8-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री एच० आर० गणेशन, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ वेधशालाओं के उपमहानिदेशक (जलवायु विज्ञान तथा भू-भौतिकी) पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 27 मई 1976

सं० ई० (1) 04267—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के उपमहानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री पी० के० ई० राजन 17-5-76 के पूर्वाह्न से 13-8-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री राजन, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ वेधशालाओं के उपमहानिदेशक (पूर्वानुमान) पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 06680—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, कृषि मौसम विज्ञान, पूना के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० सी० द्वारे को 10-5-76 के पूर्वाह्न से 6-8-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री द्वारे, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ निदेशक, कृषि मौसम विज्ञान, पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 05554—वेधशालाओं के महानिदेशक, नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ श्री एन० आर० सेत गुप्ता का 16-4-76 को स्वर्गवास हो गया।

एम० आर० एन० मणियन,
मौसम विज्ञ,
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 मई 1976

सं० ए०-12025/1/75-हिन्दी—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री अनिल कुमार द्वारे को 7 मई, 1976 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है श्री और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास के कार्यालय में तैनात किया है।

हरबंस लाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन,
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1976

सं० ए०-32014/2/75-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री डी० एन० विश्वास, तकनीकी सहायक को 20 अप्रैल, 1976 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेश होने तक, नियमित आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता में तैनात किया है।

सं० ए०-32013/5/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एन० के० पुरी, संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, जोधपुर को 15-4-1976 से तथा अगले आदेश होने तक, नियमित आधार पर वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा उन्हें महानिदेशक नागर विमानन, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

हरबंस लाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1976

सं० ए०-३२०१३/१/७६-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री वी० एस० प्रभला, सहायक निदेशक उपस्कर को 2 मार्च, 1976 से नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर उपनिदेशक उपस्कर के पद पर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति की अवधि श्री एस० मुखोपाध्याय द्वारा, जिन्हे 2 मार्च, 1976 से 20 सप्ताह की अवधि के लिए अध्यवाश्री एस० वेंकास्वामी, निदेशक उपस्कर के, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के प्रबोधिक कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षण पाने के लिए भेजा गया है, प्रतिनियुक्ति-अवधि समाप्त होने पर कार्यभार ग्रहण करने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उपनिदेशक उपस्कर के पद का कार्यभार ग्रहण किए जाने तक रहेगी।

दिनांक 20 मई 1976

सं० ए०-३२०१४/१/७६-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एन० सुश्रृत्याण्णन को 26 अप्रैल, 1976 से 6 महीने की अवधि के लिए अध्यवाश पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इन में से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० के बेतनमान में नागर विमानन विभाग में सहायक विद्युत् एवं यांत्रिक अधिकारी (ग्रुप वी पद) के पद पर नियुक्त किया है। श्री सुश्रृत्याण्णन को दिल्ली एयरपोर्ट, पालम में तैनात किया जाता है।

विश्व विनोद जीहरी,
सहायक निदेशक, प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 21 मई 1976

सं० १६/१९२/७०-स्थापना-१—पादप रक्षण, संगरोध एवं भण्डारण निदेशालय में कोट विज्ञानी के पद पर नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एस० पी० मिश्रा को दिनांक 23-३-१९७६ के अपराह्न से, दक्षिणी बनराजिक महाविद्यालय एवं वन अनुसंधान केन्द्र, कोयम्बटुर में उनके अनुसंधान अधिकारी पद के कार्यभार से मुक्त किया गया।

दिनांक 25 मई 1976

सं० १६/१७३/६९-स्थापना-१—वन संसाधनों का निवेश-पूर्व सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में उद्योग अधिकारी के पद पर नियुक्ति के लिए चुन लिए जाने पर डा० जीत सिंह नेहीं को उनके अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून पद के कर्तव्यों से 28 अप्रैल, 1976 के अपराह्न से मुक्त किया गया।

पी० आर० के० भटनागर,
कुलसचिव
वन अनुसंधान संस्थान एवं महा-
विद्यालय

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-२२, दिनांक 20 मई 1976

सं० क०-३२०१२/१/७०-प्रशा० पांच—इस आयोग के कार्यालय आदेश सं० क०-३२०१२-१/७०-प्रशा० पांच (जिल्द-२) दिनांक 30-१२-१९७५ के अनुसरण में श्री एम० जोशी, अनुसंधान सहायक ने दिनांक 10 मई, 1976 के पूर्वाह्न से श्री एम० पी० नम्बूद्धी, जो उसी समय तथा तिथि अर्थात् 10-५-७६ (पूर्वाह्न) से अनुसंधान सहायक के रूप में परावर्तित हो गए हैं, से सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) परिचमी गेजिंग प्रभाग, केन्द्रीय निस्सरण बूत का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

जसवंत सिंह,
अवर सचिव,

हृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

प्रमुख इंजीनियर का कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1976

सं० २७-ई०/के० (८)/६९-ई० सी०-II—राष्ट्रपति, श्री आर० वी० कानेकल निर्माण सर्वेक्षक का, जो अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (भा० स० मि० राजपथ परियोजना) काठमांडू (नेपाल) के साथ लगे थे, त्यागपत्र स्वीकार करते हैं; जो तुरन्त प्रभावी होगा।

2. श्री कानेकल का अब इस विभाग से कोई भी सम्बन्ध नहीं रह गया।

दिनांक 25 मई 1976

सं० २७-ए ई० ई०/एस० (४)/७४-ई० सी०-II—राष्ट्रपति, विद्युत् उप-मण्डल, बोमिला, अरुणाचल प्रदेश में लगे हुए श्री ए० के० श्रीवास्तव, अस्थायी सहायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत्) का त्यागपत्र जो उन्होंने दिसम्बर, 1975 में पेश किया था दिनांक 15-३-१९७६ (अपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

2. उस दिन से श्री श्रीवास्तव का इस विभाग से कोई भी सम्बन्ध नहीं रह गया।

पी० एस० पारबानी,
प्रशासन उपनिदेशक।

केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण

नई दिल्ली-११००२२, दिनांक 26 मई 1976

सं० ६/२/७६-प्रशासन-२—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण, श्री एस० एस० ओबराय, स्नातक सुपरवाइजर को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरिंग—वर्ग-२ सेवा में, अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में ६-५-७६ (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

एस० विस्वामी,
अवर सचिव

रेल मन्त्रालय

अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन

लखनऊ-11, दिनांक 10 मई 1976

सं० ए०/ई० पी०-५००—श्री जी० एस० सेठी, सहायक को दिनांक ९-२-१९७६ से २५-३-१९७६ तक अनुभाग अधिकारी/सिविल, अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन के रूप में पदोन्नत किया गया।

रा० पी० सांबूर्ति,
महानिदेशक

दक्षिण पूर्व रेलवे

कार्यालय, महाप्रबन्धक

फलकता-७०००४३, दिनांक १७ मई १९७६

सं० पी०/जी०/१४ डी०/झी कान्फ०/पार्ट II—लेखा विभाग के श्रेणी II के निम्नांकित स्थानापन्थ प्रधिकारियों का पुष्टी-करण इस रेलवे के उक्त विभाग में सहायक लेखा अधिकारी (श्रेणी II) के रूप में प्रत्येक के सामने उल्लिखित तारीख से किया जा रहा है:—

क्रम सं०	नाम	पुष्टीकरण की तारीख
1.	श्री एस० पी० बोस	१०-८-१९७३
2.	श्री बी० रामाराव	१-२-१९७५
		पी० के० मुखर्जी, महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

(कम्पनी विधि बोर्ड)

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स लोक योजना फाईनान्शीर्यस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक ५ मई १९७६

सं० ५६०/१६८८—कम्पनी, अधिनियम 1956 की धारा ५६० की उप-धारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स लोक योजना फाईनान्शीर्यस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स पी० इंजीनीयरिंग एन्ड इंडस्ट्रीयल कोर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक ५ मई १९७६

सं० ५६०/९५५—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उप-धारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान

पर मेसर्स पी० इंजीनीयरिंग एन्ड इंडस्ट्रीयल कोर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स किसान रबर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक ५ मई १९७६

सं०/५६०/१७९२—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उप-धारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स किसान रबर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स खरीदीया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक २० मई १९७६

सं० ५६०/२६७—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उप-धारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स खरीदीया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स प्रजाबन्धु बेनी-फिट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक २० मई १९७६

सं० ५६०/१९६०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उप-धारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स प्रजाबन्धु बेनीफिट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जै० गो० गाथा,
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य

बम्बई-४००००२, दिनांक १९ मई १९७६

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं जनता मोटर सर्विस कारपरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० १०७९८/५६०(५)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उप-धारा (५) के अनुसरण में एतद्-

द्वारा सूचना दी जाती है की जनता मोटर सर्वीस कारपोरेशन प्रायंक्षेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ए० नारायणन,

कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र

ब्रम्हई-400002, दिनांक 21 मई 1976

यतः अवधुल महाराष्ट्र शुगरकेन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय जुनीपेठ, पंढरपुर (महाराष्ट्र) में है का समापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं हो रहा है।*

और यह कि कंपनी के दिं 25-2-1969 तथा उसके पश्चात के खातों का विवरणपत्र समापक द्वारा दिये जाने के लिए अपेक्षित है, छह क्रमवर्ती मास के लिये नहीं दी गई है।

सं० 5688/560(4)---यतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसरण में, एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर अवधुल महाराष्ट्र शुगरकेन इंडस्ट्रीज लिमिटेड का नाम, यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और खूबचन्द एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

शिलांग-1, दिनांक 2 मार्च 1976

सं० 1051/560/5792---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से 3 मास के अवसान पर “खूबचन्द एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड” का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० पी० वशिष्ठ,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, शीलांग

कम्पनी अधिनियम 1956 और अरुनिमा पिक्चर्स

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता-700001, दिनांक मार्च 1976

सं० एस०/23202/छी०-1107---यतः अरुनिमा पिक्चर्स प्रा० लिमिटेड, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 57/1 राजा

दीनेन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता में है, का समापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक है कि कोई समापक कार्य नहीं कर रहा है।

और यह कि स्टेटमेंट, आफ एकाउन्टेस जो समापक द्वारा दिये जाने के लिए अपेक्षित है, छह क्रमवर्ती मास के लिए नहीं दी गई हैं।

यतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसरण में, एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इससूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर अरुनिमा पिक्चर्स प्रा० लिमिटेड का नाम, यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एन० एन० मौलिक,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कार्यालय आयकर आयुक्त

लखनऊ, दिनांक 29 अप्रैल, 1976

आयकर विभाग

सं० 28---श्री बी० बी० सक्सेना, आयकर अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) सी० वार्ड, बरेली, का निधन 15-4-76 को हो गया।

एस० क० लाल
आयकर आयुक्त
लखनऊ-1

नई दिल्ली-2 दिनांक 1 मई 1976

सं० जुरि०/दिल्ली/2/76-77/2485---आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वा०) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में जारी किए गए पिछले सभी आदेशों/अधिसूचनाओं का अधिकमण करते हुए आयकर आयुक्त, विल्ली-2, नई विल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम-3 में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों और मामलों या मामलों के वर्गों के संबंध में अपने कार्य करेंगे। इनमें वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग, मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो उक्त अधिनियम

की धारा 127 के अंतर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाएँ:—

क्रम आयकर अधिकारी का नाम प्रधिकार-क्षेत्र
संख्या

1. आयकर अधिकारी,
बकील संकिल-1
नई दिल्ली।

(क) ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग, मामले या मामलों के वर्ग जो आयकर अधिकारी बकील संकिल, दिल्ली के अधिकार-क्षेत्र में आते हों तथा जिनके नाम श्रैंग्रेजी के 'ए' से लेकर 'के' (दोनों अक्षरों को मिलाकर) तक के अक्षरों से शुरू होते हों।

(ख) उपर की मद (क) के अंतर्गत आने वाली फर्मों के सभी साझेदार व्यक्ति।

2. आयकर अधिकारी,
बकील संकिल-2
नई दिल्ली।

(क) ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग, मामले या मामलों के वर्ग जो आयकर अधिकारी बकील संकिल, नई दिल्ली के अधिकार-क्षेत्र में आते हों तथा जिनके नाम श्रैंग्रेजी के 'एल' से लेकर 'जेड' (दोनों अक्षरों को मिलाकर) तक के अक्षरों से शुरू होते हों।

(ख) उपर की मद (क) के अंतर्गत आने वाली फर्मों के सभी साझेदार व्यक्ति।

यह अधिसूचना 1-5-1976 से लागू होगी।

जगदीश चन्द्र,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-2
नई दिल्ली

संगठन व प्रबन्धक सेवा निदेशालय (आयकर)

नई दिल्ली, विनांक 31 मार्च 1976

सं० 20—श्री टी० श्री० चावला, सहायक प्रोग्रामर, महानिदेशालय पूर्ति और निपटान, नई दिल्ली, की नियुक्ति हेतु चयन होने पर उन्होंने स्थानान्तरण से प्रतिनियुक्ति रूप में संगठन व प्रबन्धक सेवा निदेशालय (आयकर) नई दिल्ली में दिनांक 31 मार्च, 1976 को प्रोग्रामर के पद का कार्य भार संभाला।

एच० श्री० बहल,
निदेशक

कार्यालय आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-20, दिनांक 14 मई 1976

सं० एफ० 48 एडी (एटी)/76—श्री के० बी० श्रीवास्तव, वरीय अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई, जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में स्थानापन्थ रूप से 15-11-1975 (अपराह्न) से 15-5-1976 (अपराह्न) तक अर्थात् छह महीने की अवधि के लिए नियुक्त किया गया था, देखिये, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० एफ०-48 एडी (एटी)/75-पी० II दिनांक 14-11-1975; को आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में उसी क्षमता में तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 16-5-1976 से 15-11-1976 (अपराह्न) तक या तबतक के लिए जबतक कि उक्त पद हेतु लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री के० बी० श्रीवास्तव को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगी। उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदस्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोत्त दिये जाने की पात्रता प्रदान करेगी।

दिनांक 19 मई 1976

सं० एफ० 48-एडी (एटी)/76—श्री जी० एस० शेटे, सहायक अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई को नियमित आधार पर (प्रोन्ति यथांग में) आयकर अपील अधिकरण, बंगलोर न्यायपीठ, बंगलोर में सहायक पंजीकार के पद पर रु० 650-30-740-35-810 द० अ०-35-880-40-1000-द० अ०-40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 10-5-1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्थ रूप से नियुक्त किया जाता है।

श्री जी० एस० शेटे दिनांक 10-5-1976 (पूर्वाह्न) से दो वर्षों के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

दिनांक 22 मई 1976

सं० एफ० 48-एडी (एटी)/1976—श्री एस० जयरमण, तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार, आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई, अधिवर्ष आयु को प्राप्त होने पर दिनांक 30 अप्रैल, 1976 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

हरनाम शंकर,
अध्यक्ष

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, 156, सैक्टर 9-बी, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 19 अप्रैल 1976

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/1702/75-76—यतः,
मुझे, जी० पी० सिंह,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़ आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 163 कनाल 4 मरले भूमि का 1/6 भाग है
तथा जो गांव कका, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3—116 GI/76

1. (i) श्री बीरपाल सिंह
(ii) श्री अमरपाल सिंह } पुत्र श्री जगपाल सिंह
(iii) श्री हरी पाल सिंह } निवासी मार्छीबाड़ा, जिला लुधियाना। (आन्तरक)

2. श्री गिरधारी लाल, पुत्र श्री चांदी राम, निवासी खुड़ मोहल्ला, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी दरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

163 कनाल 4 मरले भूमि का ही भाग जोकि [गांव कका, तह० लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 19 अप्रैल, 1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 150, संक्षिप्त 9-वी, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 19 अप्रैल 1976

निदेश सं० एल० डी० एच०/सी०/1699/75-76—अतः,
मुझे, जी० पी० सिंह,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269वा के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 163 कनाल 4 मरले भूमि का 1/6 भाग है तथा
जो गांव कका, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावढ़
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण से
में, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) श्री बीरपाल सिंह,
(ii) श्री अमरपाल सिंह, } पुत्र श्री जगपाल सिंह
(iii) श्री हरी पाल सिंह, } निवासी मार्छीवाड़ा, जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री दीवान कृष्ण लाल, पुत्र श्री अमीर चन्द, निवासी
गांव मेहरबान, तहसील लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

163 कनाल 4 मरले भूमि का हु भाग जोकि गांव कका,
तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 6941 जनवरी, 1976
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 19-4-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, 156, सैक्टर 9-बी, चंडीगढ़
चंडीगढ़, दिनांक 19 अप्रैल 1976

ਚੱਣੀਗੜ੍ਹ, ਦਿਨਾਂਕ 19 ਅਪ੍ਰੈਲ 1976

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/1700/75-76--
अतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक
आपकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन्त रेंज चण्डीगढ़, आपकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 163 क्वानल 4 मरले भूमि का 1/6 भाग है
तथा जो गांव कक्षा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जनवरी, 1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के सिए आरया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ध को उपधारा (1) के अधीन, तिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री बीरपाल सिंह, }
 (ii) श्री अमरपाल सिंह, } पुत्र श्री जगपाल सिंह
 (iii) श्री हरी पाल सिंह, }

निवासी गांव माळीवाडा, जिला लधियाना। (अन्तरक)

2. श्रीमती परमजीत कीर, पत्नी श्री हरभजन सिंह एडवोकेट, निवासी 149-एल, माडल टाउन, लूधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित, है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम सच्ची

163 कनाल 4 मरले भूमि का $\frac{1}{6}$ भाग जो कि गांधी कक्षा, तहसील लधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 6942, जनवरी 1976 में रजिस्ट्रीकृत अधिकारी लघियाना के कार्यालय में सिखा है)।

जी० पी० सिंह,
संस्थापना प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायकता (निर्दिष्टकाण्ड)
श्रावण रेजे, चण्डीगढ़

तारीख : 19 अप्रैल, 1976

मोहर :-

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, 156-सेक्टर 9 बी, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 19 अप्रैल 1976

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/1701/75-76—अतः,
मुझे, जी० पी० सिंह,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० 163 कनाल 4 मरले भूमि का $\frac{1}{6}$ भाग
है तथा जो गांव कका, तहसील लुधियाना, में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, 1961 के अधीन वर देने के अन्तरक
के वायित्व में कभी करने या उसस बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम;
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) श्री वीरपाल सिंह,
(ii) श्री अमरपाल सिंह,
(iii) श्री हरीपाल सिंह, } } पुत्रान श्री जगपाल सिंह,
निवासी मालीवाड़ा, जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह, एचबोकेट पुत्र श्री शेर सिंह, निवासी
149-एल, माडल टाउन, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

163 कनाल 4 मरले भूमि का 1/6 भाग जोकि गांव कका,
तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत के विलेख नं० 6943, जनवरी 1976
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 19 अप्रैल, 1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

156, सेक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 19 अप्रैल 1976

निम्नें सं० एल० डी० एच०/सी०/1703/75-76—अतः,
मुझे, जी० पी० सिंह,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269व, के
अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है और जिसकी सं० 163 कनाल 4 मरले भूमि का 1/6
भाग है तथा जो गांव कका, तहसील लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व को उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) श्री वीरपाल सिंह,
(ii) श्री अमरपाल सिंह, } पुत्रान् श्री जगपाल सिंह
(iii) श्री हरीपाल सिंह } निवासी माछीवाड़ा, जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्रीमती विमला कुमारी, पत्नी श्री लेख राज, निवासी
गांव मेहरबान, तहसील लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त
होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

163 कनाल 4 मरले भूमि का 1/6 भाग जोकि गांव कका,
तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत के विलेख नं० 6945, जनवरी 1976
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 19 अप्रैल 1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 19 अप्रैल 1976

निदेश सं० एल० डी० एच०/सी०/1704/75-76—यतः
मुझे, जी० पी० सिंह,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा, 269व के
अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और जिसकी सं० 163 कनाल 4 मरले भूमि का 1/6
भाग है तथा जो गांव कका, तहसील लुधियाना, में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिति-
यों) के बीच ऐसे अन्तरण के तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) श्री बीरपाल सिंह
(ii) श्री अमरपाल सिंह;
(iii) श्री हरीपाल सिंह } पुत्र श्री जगपाल सिंह,
निवासी माठीवाड़ा, जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री जरनेल सिंह, पुत्र श्री बलबीर सिंह निवासी गांव
मेहरबान, तहसील लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

163 कनाल 4 मरले भूमि का 1/6 भाग जोकि गांव कका,
तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण के विलेख नं० 6946 जनवरी, 1976
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 19 अप्रैल 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

156, सैकटर 9-वी,

चण्डीगढ़, दिनांक 19 अप्रैल 1976

निदेश सं० बी० जी० आर०/1252/75-76—अतः मुझे, जी० पी० सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1-एफ/94 का अगला भाग है तथा जो एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रत्युम्भी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मोतिया कुमारी पत्नी श्री सन्त राम, निवासी 7-ए, मार्केट नं० 1, टाउनशिप, फरीदाबाद। (अन्तरक)
2. मै० विजय आटो एण्ड मैटल इण्डस्ट्रीज, 1-ई/1, एन० आई० टी०, फरीदाबाद, द्वारा श्री गुलबहार भाटिया पुत्र श्री कृष्ण लाल भाटिया, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी अवित वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1-एफ/94, एन० आई० टी०, फरीदाबाद का अगला भाग।

(जिसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2514 सितम्बर 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बल्लबगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० मिह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 19 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़ 156, सैकटर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 19 म्रैल 1976

निदेश सं० सी० एच० डी०/977/75-76—अतः, मुझे,
जी० पी० सिंह,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन
सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक
है

और जिसकी सं० मकान नं० 3025, सैकटर 27 डी० है तथा जो
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रव्यति:—

1. श्रीमती सतवंत कौर, विधवा श्री अर्जन सिंह, मकान
नं० 1043, सैकटर 8-सी०, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. (i) श्री गुरबख्श सिंह, पुत्र श्री हजारा सिंह,

(ii) श्रीमती बलवन्त कौर, पत्नी की गुरबख्श सिंह,
निवासी मकान नं० 3025, सैकटर 27-डी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधीन अध्याय 20क में
परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3025, सैकटर 27-डी०, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 19 म्रैल 1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, चण्डीगढ़ 156, सैकटर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 19 अप्रैल 1976

निदेश सं० पी०एन०आई०/(ची०एस०आई०)/1508/75-76—

अतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट नं० 0/3 है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया पानीपत, में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—116GI/76

1. मै० न्यू हिन्दुस्तान आई० मिल्ज लिमिटेड, पानीपत द्वारा श्री जे० डी० खोसला, कम्पनी डायरेक्टर, 16/9, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-८

(अन्तरक)

2. मै० जय भारत सर्पिनरस, O/3, इण्डस्ट्रीयल एरिया, पानीपत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० O/3, इण्डस्ट्रीयल एरिया, पानीपत ।
क्षेत्रफल 4.379 एकड़ ।

पूर्व : प्लाट नं० टी०/11

पश्चिम : प्लाट नं० O/2 और O/8 ।

उत्तर : सड़क 1

दक्षिण : सड़क 1

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 1036 नवम्बर, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में लिखा है) ।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 19 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्रारूप ० आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, 156, सैक्टर 9-बी, चण्डीगढ़
चण्डीगढ़, दिनांक 23 मार्च 1976

निदेश सं० सी० एच० डी०/975/75-76—अतः मुझे
विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, चण्डीगढ़,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इस के पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान नं० 145, सैक्टर 9-बी है तथा जो
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावन्द्र अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं कियागिया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्द्र नारायण रामना, पुत्र श्री कनवर नारायण रामना
मकान नं० 22, सैक्टर 11-ए,
चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्री नगिन्द्र सिंह (एच० य० एफ०),
द्वारा उसकी पत्नी श्रीमती जसमेर कौर,
निवासी गांव और डाकघर धर्मकोट, तहसील जीरा,
जिला फिरोजपुर ।
मार्फत श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह,
564, सैक्टर, 8-बी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची
मकान नं० 145, सैक्टर 9-बी, चण्डीगढ़ ।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 23-3-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज,
60/61, एरंडवना, कर्बं रोड, पूना-411004
पूना-411004, दिनांक 19 अप्रैल 1976

निर्देश सं० सी० आ०/५/हवेली/II/(पूना)/सितम्बर/ 75/
280/76-77—यतः, मुझे, एच० एस० औलख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1076 है तथा जो भांबुर्डा
शिवाजी नगर, (पूना) में स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 12-९-७५ को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे, अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री चिमनलाल हरगोवनदास शहा
20, नागेश पेठ, पूना-11
(2) मंसरे पाहा भायानी बिल्डर्स,
18/365, मिरा कालोनी, शंकर गेट रोडपूना-9
(अन्तरक)
- शितलकुंज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
17/25, गोखले रोड, पूना-16
(अन्तरिती)
- शिलाकुंज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड,
17/25, गोखले रोड, पूना-16
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फो होल्ड जमीन का टुकड़ा उस पर बिल्डिंग स्थित है। जिसका
सब प्लॉट क्रमांक 17,25 और टाउन प्लॉनिंग स्कीम फायनल प्लॉट
क्रमांक 428 का भाग, 1 है, जिसका सि० टी० एस० सर्वे क्रमांक
1076 है और भांबुर्डा, शिवाजी नगर पूना में है।
कुल क्षेत्रफल 13325 वर्ग फीट है। बिल्डिंग 1973-74 में
बांधी हुई। तीन इमलेकी बिल्डिंग जिसमें 3 फ्लेट्स् 743.50
वर्ग फीट के और 12 फ्लेट्स् 714 वर्ग फीट के हैं। बिल्डिंग
क्षेत्रफल 4450.62 वर्ग फीट।

(जैसी कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख क्रमांक 2082 सितम्बर,
1975 में सब रजिस्ट्रार हवेली-II, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

एच० एस० औलख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना
तारीख: 19-4-76
मोहर:

प्रारूप ० आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1976

निर्देश सं० 373/अर्जन/कानपुर/75-76—अतः, मुझे, एफ०
जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति में जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय कानपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 29-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति में का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और) अन्तरित (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे, भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री असुधा मल
(2) लक्ष्मी मल
(3) फलतूमल साकिनान मकान नं० 88/467,
नाला रोड, कानपुर

(अन्तरक)

2. (1) श्री मो० यूसफ
(2) मो० जमाल याकूब साकिन 90/237,
ईफतखाराबाद, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अन्तरण सम्पत्ति नं० 90/237, ईफतखाराबाद कानपुर में
स्थित है और 75,000 रु० मूल्य में वस्ताअन्तरित की गई है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 2-2-76

मोहर :

प्रालूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मई 1976

निदेश सं० 922/अर्जन/मुजफ्फर नगर/75-76—अतः मुझे
विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

20 सितम्बर, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाथा गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उगाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री कुंज बिहारी पुत्र श्री केशव दास
निवासी जानसठ हाल, मेरठ रोड, मुजफ्फर नगर
सगा भाई व मुख्तयार आम ।

(2) श्री बांके बिहारी पुत्र केशव दास
निवासी जानसठ हाल, निवासी मेरठ रोड,
मुजफ्फरनगर ।

(अन्तरक)

2. डा० मेहेन्द्र कुमार बन्सल पुत्र ला० लक्ष्मी चन्द
निवासी 25 सिविल लाईन, मुजफ्फरनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राद्धेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति एक किता प्लाट (1/2 भाग) क्षेत्रफल
511 1/3 वर्ग गज, बां के सिविल लाईन, मुजफ्फर नगर जो
20,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है ।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-5-76

मोहर:

प्र० र० प्र० आ० ई० टी० ए० ए० स०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्त्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मई 1976

निदेश सं० 923/अर्जन/मुजफ्फरनगर/75-76—अतः मुझे
विजय भार्गवा,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
20-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से बुर्झ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने हूके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और /या

(ख) दुसों किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कुंज विहारी पुत्र श्री केशव दास
निवासी जानसंद हाल, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ति बंसल जौजे, श्री महेन्द्र कुमार बंसल
25, सिविल लाईन, मुजफ्फरनगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति एक किता प्लाट (1/2 भाग) क्षेत्रफल
511 1/3 वर्ग गज वाकै सिविल लाईन, मुजफ्फरनगर, जो
20,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्त्ता, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-2-76

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निरेण सं० 924/अर्जन/मुजफ्फरनगर/75-76—अतः मुझे विजय भार्गवा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

22-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

1. श्री कुंज विहारी पुत्र श्री केशव दास निवासी जानसठ, जिला मुजफ्फरनगर, हाल निवासी मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश चन्द्र स्थानी, पुत्र श्री रामानन्द स्थानी, निवासी ग्राम खरखोदा, परगना, सलाला, हापुड़, जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मैन्दी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट का 1/2 भाग क्षेत्रफल 625 वर्ग गज जो सिविल लाइन्स, (सरकुलर रोड), जिला मुजफ्फरनगर में स्थित है, 22,500 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 7-4-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निवेश सं० 925/अर्जन/मुजफ्फरनगर/75-76—अतः, मुझे, विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के प्रनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 सितम्बर 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कुंज बिहारी पुत्र केशव दास निं० जानसठ मुख्तारअम मजाज मिन जानिब बांके बिहारी पुत्र केशव दास निं० जानसठ हाल निं० मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर। (अन्तरक)

2. श्री जगदीश चन्द्र त्यागी पुत्र श्री रामा नन्द त्यागी निं० ग्राम खरखोदा, परगना सलाला हापुड़ जिला मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट का 1/2 भाग क्षेत्रफल 625 वर्ग गज जो सिविल लाईंस (सरकुलर रोड) जिला मुजफ्फरनगर में स्थित है, 22,500 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक: 7 अप्रैल 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर
 कानपुर दिनांक 8 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 905-ए/अर्जन/देहरादून/75-76—अतः मुझे,
 विजय भार्गवा,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम', कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
 मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
 और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
 के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1098 का
 16) के अधीन दिनांक 3 सितम्बर 1975
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
 प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
 (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
 अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
 से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या
 (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए।

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
 5—116 GI/76

1. श्री शरदुल मिक्रम शाह पुत्र ले० कर्तल हिस हाईन्स
 महाराजा सर नरेन्द्र शाह आफ देहरी। (अन्तरक)

2. श्री ठाकुर बादाम सिंह पुत्र स्व० ठाकुर प्रिथी सिंह,
 (2) श्री दिग्विजय सिंह और (3) श्री राजेन्द्र सिंह पुत्रगण
 ठाकुर बादाम सिंह निरंजनपुर दी एस्टेट, देहरादून।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की वधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त हृषावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय यें दिया
 गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जमीन क्षेत्रफल 3 1/2 बीघा जो बलबीर
 एवन्यू रोड, मौजा धर्मपुर, महल राजा रणबीर सिंह और
 कुंवर तेग बहादुर सिंह, परगना पक्कवां, जिला देहरादून में
 स्थित है, 45,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक 8 अप्रैल 1976

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 907-ए/अर्जन/देहरादून/75-76/53—अतः, मुझे,
विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 11 सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान
प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गणेश प्रसाद झल्डियाल, प्रभारी अधिकारी,
संग्रह, देहरादून (2) श्री एन० एस अन्सारी, कलकटा,
देहरादून।
(अन्तरक)

2. श्री गिरधारी लाल सलूजा एन्ड सन्स निवासी नं० 9,
3 भगवान दास क्वार्टर, देहरादून।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के रापजन्म में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 57 जो राजपुर रोड, देहरादून
में स्थित है, 1,19,000 रु. मूल्य में हस्तान्तरित किया गया
है।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक: 8 अप्रैल 1976।

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निदेश सं० 884—ए०/अर्जन/गाजियाबाद/75-76/55—अतः, मुझे, विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-9-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स डालमिया एजेन्सीज प्राइवेट लिमिटेड, 4, सिन्धिया हाउस, नई दिल्ली द्वारा श्री जय दयाल डालमिया पुत्र हाजीमल डालमिया 4, सिन्धिया हाउस, नई दिल्ली, मैनेजिंग डायरेक्टर (अन्तरक)

2. मेसर्स मोहन मैकिन ब्रेवरीज लिमिटेड, मोहन नगर, गाजियाबाद, द्वारा श्री जमना शंकर भटनागर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य शक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्तरण संपत्ति एक किला प्लाट क्षेत्रफल 11 बीघा, 9 विस्वा और 13 बिस्वांसी (34, 734, 56 वर्ग गज) है और जो ग्राम पहलादगढ़ी परगना लोनी तहसील गाजियाबाद, जिला मेरठ में स्थित है, 2,90,880 रु० मूल्य में हस्तांतरित किया गया है।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 7-4-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1976

निदेश सं० 365/अर्जन/कानपुर/75-76/134—अतः मुझे,
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1861 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20-9-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269—ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269—घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री रजनीश कुमार श्रीरोड़ा पुत्र श्री ओम प्रकाश
निवासी 122/50, कबाड़ी मार्केट कानपुर, (2) आत्मजीत
सिंह पुत्र सरदार नानक सिंह निवासी बम्बा रोड़, कानपुर
(3) सविभूषन घोष पुत्र अविनाश चन्द्र सा० जे० के० फालोनी,
जाजमऊ, कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री अजीज जावेद (नाबालिंग) पुत्र श्री यास्म जावेद सा०
जाजमऊ, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति खुली जमीन क्षेत्रफल 13 बिस्वा नम्बर 265—ए
जिसमें पक्का कुआं और कोठरी शामिल है और जो वाजीवपुर
जाजमऊ, कानपुर में स्थित है, 13,000/- रु० मूल्य में हस्तांतरित
किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-4-1976

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1976

निवेश सं० 366/अर्जन/कानपुर/75-76/135—अतः मुझे
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
20-9-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिष्ठत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री रजनीश कुमार अरोड़ा पुत्र श्री ओम प्रकाश
निं० 122/50 कबाडी मार्केट, कानपुर (2) आत्मजीत सिंह
पुत्र सरदार नानक सिंह निं० बाम्बा रोड़, कानपुर (3) सपी
भूषण धोष पुत्र अविनाश चन्द्र सा० जे० के० कालोनी,
जाजमऊ, कानपुर।
(अन्तरक)

2. श्री सर्वेद जावेद (नाबालिंग) पुत्र श्री शम्सजावेद, साकिन
जाजमऊ, कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वांधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति खुली जमीन थेत्रफल 12 बिस्ता प्लाट नम्बर
265-ए जो मौजा बाजीदपुर जाजमऊ कानपुर में स्थित है,
12,000/- रु० मूल्य में हस्तांतरित किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 14-4-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1976

निदेश सं० 367/अर्जन/कानपुर/75-76/136—अतः, मुझे,
विजय भार्गवा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269—घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है

और जिसकी सं० ३० जैसा कि अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर,
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 20-9-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269—के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269—घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री रजनीश कुमार अरोड़ा पुत्र श्री ओम प्रकाश
निं० 122/50 कबाड़ी बाजार, कानपुर (2) आत्मजीत सिंह
पुत्र सरदार नानक सिंह, बम्बारोड़, कानपुर (3) श्री सचीभूषन
ओष पुत्र अविनाश चन्द्र सा० जे० के० कालोनी, जाजमऊ,
कानपुर। (अन्तरक)

2. श्री हामिद जावेद (नाबालिंग) पुत्र श्री शम्स जाबेद,
साकिन जाजमऊ, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्न
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20—क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्तरण संपत्ति खुली जमीन का हिस्सा खेतफल 13 बिस्वा
प्लाट नम्बर 265—ए और 265—एस, जो मौजा बाजिदपुर,
जाजमऊ, कानपुर में स्थित है, 13,000/- रु० मूल्य में हस्तांतरित
किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 14-4-1976

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1976

निदेश सं० 368/अर्जन/कानपुर/75-76/137—अतः मुझे,
विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20-9-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269- के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री रजनीश कुमार श्रोडा पुत्र श्री ओम प्रकाश
निं० 122/50 कवाड़ी मार्केट, कानपुर (2) प्रात्मजीत सिंह
पुत्र सरदार नानक सिंह बम्बा रोड़, कानपुर। (3) सचीभूषन
घोष पुत्र अविनाश चन्द्र सा० जे० के० कालोनी, जाजमऊ,
कानपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती नुजहत आरा जोजा शम्स जावेद, साकिन वाजिदपुर,
जाजमऊ, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सम प्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति खुली जमीन का हिस्सा क्षेत्रफल 10 बिस्वा
प्लाट नं० 265-बी०, जो मौजा वार्जिदपुर जाजमऊ, कानपुर
में स्थित है, 10,000/- रु० मूल्य में हस्तांतरित किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 7 फरवरी 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० सं० 308/ ज० न०-१ (156)/
 प० गो०/75-76--यतः मुझे, बी० बी० सुन्दराव,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
 रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० आर० ए० सं० 221/8 है, जो इल्लपूडी गांव में
 स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भीमवरम में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख 30-9-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
 शत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
 नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (या 1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

1. श्रीमती वि० वेंकट लक्ष्मी पत्नी सोमसुंदरम, भीमवरम
 (अन्तरक)

2. (1) श्रीमति पी० सीता महलक्ष्मी, पत्नी अप्पल राज,
 (2) कोसरि लक्ष्मीकांतम्मा, पत्नी सीतारामराजु,
 अंकिदेह। (अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
 लिए कायवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वहीं अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया
 है।

अनुसूची

भीमवरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-9-75
 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1882/75 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

बी० बी० सुन्दराव
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख: 7-2-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलिय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 20 अप्रैल 1976

निवेश सं. भार० ए० सी० सं० एक्य० 333/एम० ई० सं० 295—यतः मुझे, बि० वि० सुख्खाराव, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको सं— है जो— में स्थित है
 (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख 15-9-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाए।

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) गंटी सेवगीरस
- (2) जी० लक्ष्मनाराय
- (3) सूस्यप्रकास
- (4) श्रीनिवास
- (5) गंटी रामलिंगम पुत्र रामलिंगम
- (6) नारायणकसन्ता
- (7) वाया प्रब्राकर्द
- (8) नागेष
- (9) गंटी लक्ष्मि

२. श्री सीराम सूरयनारायण मूरति पुत्र नारायण मूरति,
आमलापुरम् (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया था।

अम सची

अमलापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से 15-9-75 पाकिस्तान में पंजीकृत दस्तावेज नं. 3270/75 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

विं विं सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक : 20-4-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 मई 1976

निर्देश सं० ए०-७/७५(१८)/१०१/राज०/सहा० आ० अर्जन/३३०—यतः, मुझे, सी० एस० जैन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3257.6 वर्गज जमीन है तथा जो अलवर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलवर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-10-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

1. मैसर्स गोपालदास एण्ड सन्स, अलवर (अन्तरक)

2. मैसर्स बंस्टर्न इण्डिया स्टेट्स मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड, जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में छिप जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अलवर से देखली जाने वाली मड़क पर कस्बे से लगभग 2 मील की दूरी पर जंकशन पर स्थित 3257.6 वर्गज जमीन, जो और विस्तृत रूप से उप पंजियक, अलवर द्वारा 24-10-1975 को पंजीबद्ध विक्रय-पत्र में वर्णित है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 12-5-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 मई 1976

निर्देश सं० जे०-१७/७५(१८)/४/राज०/सहा० आ०
अर्जन/३३।—यतः, मुझे, सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 54000 वर्गफीट जमीन है तथा जो जोधपुर
में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 27-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लालूसिंह पुत्र श्री रामनाथ, निवासी ग्राम लीलावास,
तहसील जोधपुर, जिला जोधपुर (अन्तरक)

2. (1) श्री मंगल सिंह पुत्र श्री बक्तावर सिंह (2) क्रमसिंह
पुत्र श्री मंगल सिंह (3) श्री चिमन सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह,
निवासी बागर मोहल्ला महामंदिर, जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस पूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जोधपुर शहर के महामन्दिर क्षेत्र में 54000 वर्गफीट जमीन
जो और अधिक विस्तृत रूप से उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा
27-9-1975 को पंजीबद्ध विक्रय-पत्र में वर्णित है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-5-1976

मोहर :

प्रूप श्राई० टी० एन० एस०————

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 मई 1976

निर्वेश सं० जे०-३/७५(१८७) २४३/राज०/सहा० आ०
अर्जन ३३२—पतः, मुझे, सी० एस० जैन,श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० दुकान नं० 4074 है तथा जो जयपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-9-1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बावल, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, विपाने में सुविधा
के लिए;अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. श्री रामस्वरूप महेश्वरी पुत्र श्री किशनलाल महेश्वरी,
साबू निवासी निकट सीकर हाउस, चान्दपोल दरवाजे के बाहर,
जयपुर
(अन्तरक)2. श्री राम किशोर खण्डेलवाल पुत्र श्री मूलचन्द महाजन,
खण्डेलवाल, निवासी सोकियो का रास्ता—किशनपोल बाजार,
चौकड़ी तोपखाना देश, जयपुर
(अन्तरित)3. श्री भगवान सहाय पुत्र श्री मोती लाल वैश्य, निवासी
झोट बाड़ा, जयपुर (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यकाहिंगा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितभूद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4074 उत्तर मुखी स्थित चान्दपोल बाजार,
चौकड़ी तोपखाना देश, जयपुर जो और अधिक विस्तृत रूप से
उप पंजिका जयपुर द्वारा 29-9-1975 को पंजीयन विक्रय-पत्र
में वर्णित है।सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-5-1976

मोहर :

प्रस्तुप्राप्ति दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 अप्रैल 1976

निर्देश सं० जी०-२/७५(२१)/१२३/राज०/सहा० आ०/अर्जन/३२८—यतः, मुझे, सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 23 है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीगंगानगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-७-१९७५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाधर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री किशोरी लाल पुत्र श्री गेदाराम, 23, गोल बाजार, श्रीगंगानगर (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रांति देवी पत्नी श्री मुल्कराज, निवासी 185-जी ब्लाक, श्रीगंगानगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 23, गोल बाजार, श्रीगंगानगर के उसी आधे भाग में आधा हिस्सा जो उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रमांक 2136 दिनांक 17-७-१९७५ पर पंजीबद्ध विक्रय-पत्र में और अधिक विस्तृत रूप से वर्णित है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 24-४-१९७६

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 अप्रैल 1976

निर्देश सं० जी०-2/75(20)/203-राज०/सहा० आ०/
अर्जन/329—यतः, मुझे सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
द्वासके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 23 है तथा जो श्रीगंगानगर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 17-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 2 ग 69के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किशोरी लाल पुत्र श्री गेंदाराम, 23, गोल बाजार,
श्री गंगानगर
(अन्तरक)

2. श्री मुल्कराज पुत्र श्री माहलाराम निवासी 185 जी०
ब्लाक, श्री गंगानगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त अस्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 23, गोल बाजार, श्रीगंगानगर के उत्तरी आधे
भाग में आधा हिस्सा जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा
क्रमांक 2134 दिनांक 17-9-1975 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र
में और अधिक वस्तृत रूप से वर्णित है।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 24-4-1976

मोहर :

प्र० प्र० ग्राइंड टी० एन० एस०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1976

निर्देश सं० 1560—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ('उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है, मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक ४ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुकरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथति :—

- श्री वलदेव चन्द भल्ला सपूत्र श्री बरकत राम, जालन्धर
(अन्तरक)
- श्रीमती मोहिनी कौर पत्नी श्री जगत सिंह, 109 न्यू
प्रेन मार्केट जालन्धर (अन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-
बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद समाप्त होती होत्र के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5891 सितम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर ।

तारीख : 5-5-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1976

निर्देश सं० 1561—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो करतारपुर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
को कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15
प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री साधू राम सपुत्र श्री गुरदित सिंह मार्कंट जी० एस०
साधू राम फर्नीचर बाजार करतारपुर (अन्तरक)

2. श्री राम प्रकाश डिपटी चीफ मैडीकल आफिसर गुरदास-
पुर (अन्तरित)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्विच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 5548 सितम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 5-5-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1976

निर्देश सं० 1562—यतः, मुझे, रवीन्द्र नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो नवांशहर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से दृश्यमान प्रतिफल के
15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

7-116 GJ/76

1. श्री दौलत राम सपुत्र श्री फेरु राम, धन कौर विधवा
बाबू राम, नवांशहर (अन्तरक)

2. डॉक्टर हरबन्स कौर सुपुत्री श्री हरी चन्द, रेलवे रोड,
नवांशहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-
बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का जो उक्त
अधिनियम, या अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3045 सितम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, जालन्धर

तरीख 5-5-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1976

निर्देश सं० 1563—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गुरम्मा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्हौर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) और
अन्तरिती (आन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री तारा सिंह सपुत्र श्री हजारा सिंह कमल इन्डस्ट्रीयल
कारपोरेशन जी० टी० रोड गुराया। (अन्तरक)
2. बसन्त सिंह सपुत्र श्री धर्म सिंह निवासी गुराया। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आधेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2686 सितम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्हौर में लिखा है :

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 5-5-1976

मोहर :

प्र० र० आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1976

निर्देश सं० 1564—ग्रतः, मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गुराया में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरवण सिंह सपुत्र श्री बेला सिंह निवासी गुराया
(अन्तरक)
2. श्री तारा सिंह सपुत्र श्री हजारा सिंह आफ कमल इन्डस्ट्रीयल
कारपोरेशन गुराया (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3354 नवम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर
तारीख : 5-5-1976
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 1559—यतः, मुझे, बीरेन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जैसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे वह विश्वास करने
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हरभजन सिंह सपुत्र श्री करतार सिंह—निवासी :
नकोदर (अन्तरक)
2. मैसर्ज काश्मीर कालेड स्टोरेज, नकोदर
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितवद्ध है)

* को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1456 सितम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 27-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 1558—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो फिल्सौर
में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्सौर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री वलिन्द्र सिंह तथा श्री मनमोहन सिंह सुपुत्र श्री
अजीत सिंह सुपुत्र श्री मलूक सिंह? निवासी—राम गढ़,
तहसील—फिल्सौर
(अन्तरक)

2. श्रीमती चरण कौर पत्नी श्री लखवीर सिंह सुपुत्र
श्री गुरदास सिंह निवासी : उपल्ल कलां—तहसील—जालन्धर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमिजैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 2844, सितम्बर 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 27-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 1557—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है और

जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सर्वजन सिंह सुपुत्र श्री ईन्द्र सिंह, निवासी: सेखी पिंड, तहसील: जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री विश्वन सिंह तथा श्री किणन सिंह सुपुत्र श्री लाभ सिंह, निवासी: बूट, तहसील: जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्ता सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलोब नं० 5701, सितम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 27-4-1976

मोहर:

प्रॅलूप श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 1556—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरदीप सिंह सुपुत्र श्री इन्द्र सिंह सुपुत्र श्री मेला सिंह,
निवासी : सेखी, तहसील : जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री बिशन सिंह तथा किशन सिंह सुपुत्र श्री लाभ सिंह,
निवासी : बूट, तहसील : जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए
जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5493, सितम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 27-4-1976

मोहर :

प्रस्तुत आर्द्ध ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 1555—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रेष्ठ: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रीतपाल सिंह सुपुत्र श्री ईन्द्र सिंह, निवासी : शेरपुर, तहसील : जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री विश्वन सिंह तथा किशन सिंह सुपुत्र श्री लाभ सिंह, निवासी : बटाला, तहसील : जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयांकरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में पारिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5492, सितम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 27-4-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1976

निर्देश सं० एफ० जेड० आर०/2/76-77—यतः, मुझे,
वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो ग्रेन मार्केट अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रव्यता :—

8—116GT/76

1. श्रीमती सारती देवी पत्नी श्री हुक्म चन्द सुपुत्र उदय राम वासी अबोहर। (अन्तरक)

2. श्री सुन्दर लाल सुपुत्र श्री रघुनाथ सहाए सुपुत्र श्री हरफूल सिंह, श्री बिशन सरूप सुपुत्र बनारसी दास सुपुत्र रघुनाथ सहाए, श्री सुरेश चन्द सुपुत्र श्रीम प्रकाश सुपुत्र रघुनाथ सहाए मार्फत नेत राम हरफूल सिंह, गली नं० 5, रोहतक मण्डी, रोहतक। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं. 2 में है तथा किराएदार, यदि हों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति ग्रेन मार्केट अबोहर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1245, सितम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में है।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 20-4-76

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 मार्च 1976

निर्देश सं० एम० जी० ए०/५/७६-७७:—यतः, मुझे,
वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मोगा मेहला सिंह में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भग्न सिंह सपुत्र श्री किशन सिंह सपुत्र श्री हरनाम
सिंह वासी, चौक शेखां, नजदीक डा० मोहन सिंह मोगा मेहला
(अन्तरक)

2. श्री दर्शन सिंह सपुत्र श्री गुरमीत सिंह सपुत्र श्री गरीब सिंह
वासी गांव बम्बीया भाई तहसील मोगा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5850, सितम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में है।

वी० आर० सगर
सक्षमप्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1976

निर्देश सं० एम० जी० ए०/६/७६-७७:—यतः, मुझे,
वी० आर० सगर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) 'जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मोगा मेहला सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के कोई उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भाग सिंह सपुत्र श्री किशन सिंह सपुत्र श्री हरनाम सिंह वासी चौक शेखां नजदीक डा० मोहन सिंह मोगा मेहला सिंह। (अन्तरक)

2. श्रीमती दलीप कौर पत्नी श्री भाग सिंह सपुत्र श्री किशन सिंह वासी मोगा मेहला सिंह। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5849, सितम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 20-4-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल, 1976

निदेश सं० एम० जी० ए०/८/७६-७७:—यतः मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मोगा मेहला सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफलके लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 369 ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ (1) के अधीन उपधारा निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भग्न सिंह सपुत्र श्री हरनाम सिंह बासी चौक शेखाँ, नजदीक डा० मोहन सिंह, मोगा मेहला सिंह। (अन्तरक)

2. श्री दर्शन सिंह सपुत्र श्री गुरमीत सिंह सपुत्र श्री बीर सिंह गांव बम्बीयां तहसील मोगा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हैं।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयांकरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5850 सितम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 20-4-76

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1976

निदेश सं० एम० जी० ए०/१९/७६-७७:—यतः मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मोगा मेहला सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक द्रुप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने, अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रक अधिनियम, 1907 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भाग सिंह सपुत्र श्री हरनाम सिंह वासी चौक शेखां, नजदीक डा० मोहन सिंह, मोगा मेहला सिंह। (अन्तरक)

2. श्रीमती दलीप कौर पत्नी श्री भाग सिंह सपुत्र श्री किशन सिंह वासी मोगा मेहला सिंह। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5849 सितम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-76

मोहर :

प्रलृप आई०टी०एन०एस० · · · · ·

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1976

निर्देश सं० फाजिल्का/12/76-77—यतः, मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उक्त के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 सम्पत्ति है तथा जो फाजिल्का में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया था प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई यक्सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कंवर लजिन्द्र सिंह बेदी सपुत्र बाबा हरीदत्त सिंह बेदी सपुत्र बाबा खेम सिंह बेदी, फाजिल्का। (अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ति देवी पत्नि श्री सोहन लाल श्री दविन्द्र कुमार सपुत्र श्री सोहन लाल बासी मुक्तसर, जिला फरीदकोट। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में स्वयं रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग शैलर बिल्डिंग फाजिल्का में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1682 सितम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिल्का में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-76

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० · · · · ·

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1976

निर्देश सं० फाजिल्का/13/76-77---यतः, मुझे, वी० आर०

सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 सम्पत्ति है तथा जो फाजिल्का में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922, (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कौवर लजिन्द्र सिंह बेदी सपुत्र बाबा हरीदत्त सिंह बेदी
सपुत्र बाबा खेम सिंह बेदी, फाजिल्का। (अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द्र सपुत्र श्री हंस राज सपुत्र श्री नागर मल,
लहूका तहसील फाजिल्का। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएक्षार, यदि हों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में स्वचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

1/4 भाग शैलर बिल्डिंग फाजिल्का में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 1680, सितम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फाजिल्का में।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-1976

मोहर :

प्रृष्ठा प्राई० टी एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० अमृतसर/24/76-77—यतः, मुझे, वी० आर०
सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 व
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 314 है तथा जो स्कीम नं० 62 शास्त्री
नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम;
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्रोम प्रकाश सपुत्र श्री जीवन लाल तथा मदन लाल
सपुत्र श्री सन्धी राम बासी लोहगढ़, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री मनोज कुमार सपुत्र श्री निक्का मल रानी का बाग,
अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20 के में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 314 स्कीम नं० 62 शास्त्री नगर, अमृतसर जैसा
कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1722, सितम्बर 1975 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 15-5-76

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० अमृतसर/25/76-77—यतः, मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो मैकलोड रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावन, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

9—116 GI/76

1. श्री मदन लाल पुत्र श्री किशन दास अग्रवाल वासी प्लाट नं० 212, सैकण्ड फ्लोर, बड़ाला, बम्बई-31 और श्री राम प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री किशन दास अग्रवाल मार्केट श्री मदन लाल।
(अन्तरक)

2. श्री राम सिंह पुत्र श्री हरी सिंह और स० करनेल सिंह पुत्र श्री राम सिंह वासी मैकलोड रोड, अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है और फिराएदार यदि कोई हो :—
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो :—
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसर

सम्पत्ति मैकलोड रोड स्थित अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1675, सितम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 15-5-76

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मई, 1976

निर्देश सं० अमृतसर/26/76-77:—यतः; मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो मैकोल्ड रोड़, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर
1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया था प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मदन लाल पुत्र श्री सिरी किशन दास अग्रवाल वासी
प्लाट नं० 212, सैकण्ड फ्लोर, बड़ाला बम्बई-31 और श्री राम
प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री सिरी किशन दास अग्रवाल मार्केट श्री मदन
लाल

(अन्तरक)

2. श्रीमती गोविन्द कौर पत्नी श्री राम सिंह और श्री अर्जें
सिंह पुत्र श्री राम सिंह, मैकोल्ड रोड़, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। यदि कोई

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मैकोल्ड रोड़ अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 1694 सितम्बर 1975 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर
में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 15-5-76।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

1. श्री नन्द लाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 11 फरवरी 1976

निर्वेश सं० 16-एन/अर्जन—यतः मुझे, बिश्वम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 व
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी संख्या चक्र नं० 150-I व II है तथा जो ग्राम पुरैना
तहसील बिस्वां जिला सीतापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सीतापुर बिस्वां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 सितम्बर 1975/5
सितम्बर 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुकरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269 व के उपधारा (i) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. श्री नन्द किशोर व अन्य (अन्तरक)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
जहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यगा है ।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 150-I व II जो कि ग्राम पुरैना-पर० व तह०
बिस्वा-जि० सीतापुर में स्थित है ।

बिश्वम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 11-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. बृज मोहन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन खेल, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 11 फरवरी 1976

निर्देश सं० 16-एन/अर्जन/बी—यतः मुझे, बिश्वम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 व
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये
से अधिक है।

और जिसकी संख्या 194-I व 11 है तथा जो ग्राम पुरैना तहसील
बिस्वां जिला सीतापुर में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
बिस्वां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 4 सितम्बर, 1975/5 सितम्बर, 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्त-
रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के आयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुकरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 व के उपधारा (i) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. श्री नन्द किशोर व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन के अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति/में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 194-I व II जो कि ग्राम पुरैना—पर० व
तह० बिस्वा—जि० सीतापुर में स्थित है।

बिश्वम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक : 11 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 फरवरी 1976

निर्देश सं० 16-एन/अर्जन/सी—यतः मुझे, बिशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दृसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या चक नं० 8-I व II है तथा जो ग्राम पुरैना—तह० बिस्थां जि० सीतापुर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिस्थां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 सितम्बर, 1975, 5 सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अमृत मोहन (अन्तरक)

2. श्री नव किशोर व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी बाद में समाप्त समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भें किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 8 I व जो कि ग्राम पुरैना—पर० व तह० बिस्थां—जि० सीतापुर में स्थित है ।

बिशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 11 फरवरी, 1976 ।

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 22 मार्च 1976

निर्देश सं० 62-ए/अर्जन—यतः मुझे, एफ० रहमान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 239/4 है तथा जो याहिया गंज, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 सितम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती कुदसिया अनीस अहमद व अन्य (अन्तरक)
2. श्री अबुल अजीम व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक किता मकान नं० 239/4 जो कि चौराहा याहिया गंज लखनऊ में स्थित है।

एफ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 22 मार्च 1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 फरवरी 1976

निर्देश सं० 61-बी/अर्जन—यतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 142 है तथा जो ग्राम भीरापुर-पीलीभीत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पीलीभीत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 सितम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रस्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रान्ती

(अन्तरक)

2. श्री बनवारी लाल व अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 142, जिसका क्षेत्रफल 8.06 डिं० है। जो कि ग्राम भीरापुर-पर० तह० व जिला-पीलीभीत में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 11-2-76

मोहर:

प्र० श्री शुशी राम व अन्य

(अन्तरक)

प्र० श्री वालक राम व अन्य

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 62-बी/अर्जन—यतः मुझे, एफ० रहमान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 187 और 188 है तथा जो ग्राम बहादुरपुर सराय जिला मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 सितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) के अनुसार सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) की उपधारा

(1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि का तत्पर्यन्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ता क्षरी के पास निखित भें किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 187 और 188 जिसका क्षेत्रफल 9.30 एकड़ है। जो कि ग्राम बहादुरपुर सराय जिला मुरादाबाद में स्थित है।

एफ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 19-4-1976

मोहर:

प्र० श्री रामेश्वर लाल जाटीय
प्र० श्री गनपति गुप्ता व अन्य(अन्तरक)
(प्रतिरिती)प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 फरवरी 1976

निर्देश सं० 30/जी/अर्जन—यतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो मो० जरायगेट-माल गोदाम रोड चत्तौरी जि० मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 सितम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

10—116GI/76

1. श्री रामेश्वर लाल जाटीय
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तोक्तरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता कारखाना भवन और मशीनरी इत्यादि—जो कि मो० जराय गेट—माल गोदाम रोड, चत्तौरी—जि० मुरादाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक: 6-2-1976

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 32-जी/अर्जन—यतः मुझे, एफ० रहमान
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो लोहार बाग खरावाद—सीतापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीतापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 सितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

1. श्री मदन मोहन सरन लाल (अन्तरक)

2. श्री गुरु प्रसाद शास्त्री व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाक्त, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

एफ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 15-4-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 17-एन/अर्जन—यतः मुझे, एफ० रहमान
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो लोहदी कलां जि० मीरजापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय मीरजापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 सितम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और आन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री लक्ष्मी दत्त व अन्य (अन्तरक)
(2) न्यू० काशमीर एण्ड ओरियन्टल ट्रान्सपोर्ट प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 प्लाट जो कि लोहदी कलां जिला मीरजापुर में स्थित है।

एफ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-4-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री राम चन्द्र जैन (अन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 मार्च 1976

निर्देश सं० 79-एम०/अर्जन—अतः मुझे, एफ० रहमान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संलग्नता — है है तथा जो कस्बा खलीलाबाद जि० बस्ती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खलीलाबाद (जि० बस्ती) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों को, उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान, जो कि कस्बा खलीलाबाद, जिला बस्ती में स्थित है।

एफ० रहमान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 5-3-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 4 फरवरी, 1976

निर्देश सं० 48-पी०/अर्जन—अतः मुझे, बिश्वम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका उचित
बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 87 है तथा जो दरभंगा कम्पाउन्ड इलाहाबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-9-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विस्तीर्ण धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कल्यान सिंह (अन्तरक)

2. सरदार परमात्मा सिंह व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होधी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किला मकान नं० 87 मय जमीन जिसका रकबा 5826
वर्ग फिट है, जो कि दरभंगा कम्पाउन्ड जिला इलाहाबाद में स्थित
है।

बिश्वम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 4-2-1976

मोहर :

पूरक आई टी सी एन एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 मार्च, 1976

निर्देश सं० 49-पी०/अर्जन—यतः मुझे, एफ० रहमान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

झीर जिसकी सं० है तथा जो मो० बजीर बाग, जिला बहराइच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बहराइच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-9-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम चन्द्र छिपी (अन्तरक)

2. श्री प्रताप चन्द्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान जो कि मोहल्ला बजीर बाग, जिला बहराइच में स्थित है।

एफ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 6-3-1976।

मोहर :

प्र० श्री राम चन्द्र छिपा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 मार्च, 1976

निर्देश सं० 50-पी०/अर्जन—यतः मुझे एफ० रहमान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम धिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो मो० वजीर बाग, जिला बहराइच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीशर्टा अधिकारी के कार्यालय, बहराइच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम चन्द्र छिपा

2. श्री प्रकाश चन्द्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दो मंजिला भवान, जो कि मोहल्ला वजीर बाग, जिला बहराइच में स्थित है।

एफ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ।

तारीख : 6-3-1976।

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 6 मार्च, 1976

निर्देश सं० 85-आर०/अर्जन—यतः मुझे एफ० रहमान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मो० बजीर बाग, जिला बहराइच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बहराइच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-9-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे या बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अधिनियम उक्त या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त; अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्तातः—

1. श्री रामचन्द्र छिपी (अन्तरक)
2. श्री राजमनी देवी जैन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान जो कि मोहल्ला बजीर बाग, जिला बहराइच में स्थित है।

एफ० रहमान
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 6-3-1976।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० प्र०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 फरवरी, 1976

निर्देश सं० 111-एस०/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 72 है तथा जो ग्राम विज्वार खुर्द जिला सीतापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय सीतापुर में रजिस्ट्रफारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-9-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11—116GI/76

1. श्री श्याम सुन्दर (अन्तरक)

2. शनित मेटेल इन्डस्ट्रीज (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, नं० 72, जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ 81 दिसम्बर है, जो कि ग्राम विज्वार खुर्द परगना खैराबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 10-2-1976।

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (2) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 फरवरी 1976

निर्देश सं० 112-एस०/अर्जन—यतः, मुझे, विश्वम्भर नाथ,
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 95 है, तथा जो ग्राम विजवार खुद्दे जिला
सीतापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सीतापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 12-9-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ अस्तियों
को, जिन्हें, भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्याम सुन्दर (अन्तरक)

2. सती बेकर फैक्ट्री (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राप्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 95, जिसका क्षेत्रफल एक एकड़, चाँतीस
डिसम्बल है, जो कि विजवार खुद्दे परगना खैराबाद जिला
सीतापुर में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 10-2-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----

1. सूरज प्रकाश डालकोटी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 फरवरी 1976

निर्देश सं० 115-एस०/अर्जन—यतः, मुझे, विषम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें दसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 19-109 है, तथा जो स्टेशन रोड,
हल्द्वानी में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हल्द्वानी में जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 12-9-1975 को
पूर्वक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या बसंत यन्त्रने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 19-109, जोकि स्टेशन रोड,
हल्द्वानी, जिला नैनीताल में स्थित है।

विषम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 18-2-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 मार्च 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य०-23-I-774 (292)I/-1/
75-76—यतः, मुझे, जे० पी० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी फायनल प्लाट नं० 46/1, टी० पी० एस० नं० 10,
सर्वे नं० 412+421 है, जो रखीयाल, अहमदाबाद में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
20-9-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लप्धारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. वर्क वैल प्रा० लि०, सुखराम नगर, के पीछे, रखीयाल,
अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. वर्क वैल इन्जीनियर्स, सुखराम नगर के पीछे, रखीयाल,
अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित अधिकारी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लिखित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2361
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 412+421, फायनल
प्लाट नं० 46/1 है तथा जो गुजरात हाऊसिंग कालोनी
के पास, सुखरामनगर, रखीयाल अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 10-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसक अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1976

निदेश सं० आर्ह० ए० सी०/एक्य०/II/1168/76-77—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2072-2073, वार्ड नं० 11 है तथा जो कटरा नाहर, कूचा चेलान, दरिया गंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त भम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नियामत उल्लाह, सुपुत्र श्री रहमत उल्लाह, निवासी 2072-2073 कटरा नाहर खान, कूचा चेलान, दरिया गंज, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद सेयद सुपुत्र श्री अब्दुल सत्तार, निवासी 2071 कटरा नाहर खान, कूचा चेलान, दरिया गंज, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेपः

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 104 वर्ग गज क्षेत्रफल के फाइब्रोल्ड प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 2072-2073, वार्ड नं० 11 है, कटरा नाहर खान, कूचा चेलान, दरिया गंज, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : गली

पश्चिम : गली

उत्तर : मस्जिद तथा मोहम्मद सेयद का मकान

दक्षिण : कूचा

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 7 मई, 1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफजलीं मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/11/1169/76-77/—

यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ई०-6 का 15 1/2 भाग है तथा जो राजीरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए,

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमर नंद शूर, सुपुत्र श्री बरकत राम शूर, मकान नं० 192, आदर्श नगर, जालन्धर सिटी (पंजाब)। (अन्तरक)
2. (1) श्रीमती अमृत कौर, पत्नी सरदार पाल मिह (2) एस० हरमंजित सिंह, सुपुत्र एस० पाल सिंह, निवासी जैड-13/ए, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वादों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका नं० 6 है, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली में 1104. 9 वर्ग गज क्षेत्रफल के फँहोल्ड प्लाट पर बना हुआ है, 31/100 व भाग का 1/2 अविभाजित भाग अर्थात् 15 1/2/100 भाग है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० ई०-7

पश्चिम : प्लाट नं० ई०-5

उत्तर : लॉन्च

दक्षिण : रोड।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 7 मई, 1976।

मोहर :

प्रासूप आई० ई० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, II, दिल्ली-1
4/14, आसफाबंदी मार्ग, नई दिल्ली।
नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1976

निदश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1170/76-77—
यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से
अधिक है।

और जिसकी सं० ई-6 का 6/100 भाग है तथा जो राजौरी गाड़न,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मित्तम्बर 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बनारसी दास शूर, सुपुत्र श्री बरकत राम शूर, निवासी
192, जादर्श नगर, जालन्धर सिटी, पंजाब। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती अमृत कौर पत्नी सरदार पाल सिंह
(2) श्री हरमंजीत सिंह, सुपुत्र एस० पाल सिंह, निवासी
जेड-13/ए, राजौरी गाड़न, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका नं० 6 ई है, राजौरी गाड़न नई
दिल्ली में 1104. 9 बर्ग गज क्षेत्रफल वे फाँहोल्ड प्लाट पर वनों
हुआ है, 12/100वें भाग का 1/2 अविभाजित भाग अर्थात्
6/100वां भाग है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० ई-7

पश्चिम : प्लाट नं० ई-5

उत्तर : लॉन

दक्षिण : सड़क

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 7 मई, 1976।

मोहर:

प्राप्त आई० ए० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1171/76-77—
यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके 'पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-6 का 13 1/2 भाग है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मनोहर लाल शूर, सुपुत्र थीं वशिष्ठ राम शूर, निवासी मकान नं० 192, आदर्शनगर, जालन्धर सिटी (पंजाब) (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती अमृत कौर, पत्नी एस० पाल सिंह,

(2) श्री हरमंजित सिंह, सुपुत्र सरदार पाल सिंह, निवासी जैड-13/ए, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास सिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका नं० 6 है, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में 1104. 9 वर्ग गज क्षेत्रफल के फ्रांहोल्ड प्लाट पर बना हुआ है, 27/100वें भाग का 1/2 अविभाजित भाग अर्थात् 13 1/2 /100वां भाग है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व [प्लाट नं० ६-७

पश्चिम [प्लाट नं० ६-५

उत्तर [लॉन

दक्षिण : सड़क

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 7 मई, 1976।

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1172/76-77—
यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है।

और जिसकी सं० ई-6 का 15/100 भाग है तथा जो राजीरी गार्डन
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12-116GI/76

1. (1) श्रीमती सत्यावती, पत्नी श्री चुनी लाल

(2) श्री बाल कृष्ण शूर, सुपुत्र श्री चुनी लाल शूर,
निवासी मकान नं० 251, इजलामाबाद, जालन्धर
सिटी (पंजाब) । (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती अमृत कौर, पत्नी श्री एस० पाल सिंह,

(2) श्री हरमंजीत सिंह, सुपुत्र एस० पाल सिंह,
निवासी जैट-13/ए, राजीरी गार्डन, नई
दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका नं० ई 6 है, राजीरी गार्डन, नई
दिल्ली में 1104.9 वर्ग गज क्षेत्रफल के फीहोल्ड प्लाट पर बना
हुआ है, 30/100 वें भाग का 1/2 अविभाजित भाग अर्थात् 15/
100वां भाग है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० ई-7

पश्चिम : प्लाट नं० ई-5

उत्तर : लॉन

दक्षिण : रोड

एस० एन० एस० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 7 मई 1976 ।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफाहली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई, 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1173/75-77—
यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 19-बी० का उत्तरी भाग है तथा जो कोठी नं०
23 वार्ड नं० 11, दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर
1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिरित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 22)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनु-
त्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपीतः—

1. श्री राम लूभाया, सुपुत्र श्री सालिग राम, निवासी 1871
गलो खिथाली राम, मोहल्ला इमली, बाजार सीता राम, दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री मुरलीधर, सुपुत्र श्री निहार चन्द निवासी 3354,
जतवारा स्ट्रीट, सुभाष मार्ग, दिल्लीगंज, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित [की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा];

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-ए में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 19-बी का उत्तरी हिस्सा जोकि कुल क्षेत्रफल
221.2 वर्ग गज का 121.2 वर्ग गज है, कोठी नं० 23, वार्ड
नं० 11, अंसारी रोड, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित
है:—

पूर्व : 20' चौड़ी सड़क
पश्चिम : अन्य जायदाद
उत्तर : 20' चौड़ी सड़क
दक्षिण : अन्य जायदाद

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 10 मई 1976।

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 अप्रैल 1976

निवेश सं० ए० सी० 11/ अ० रे० 5/कल०/76-77—
अतः मुझे, एस० एस० इनामदार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/526 है तथा जो गरियाहाट रोड, थाना—
टालीगंज कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 5-9-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त गत्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राहुल बसू। (अन्तरक)

2. श्री ज्योति प्रकाश भट्टाचार्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

खाली भूमि का क्षेत्रफल 5 क० 1 छ० 6 वर्ग फीट है जो
1/527 गरियाहाट रोड, कलकत्ता, थाना टालीगंज में स्थित है।

एस० एस० इनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5, कलकत्ता ।

तारीख : 22-4-1976 ।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 4 मई 1976

निवेश सं० एसी०-15/अर्जन रेंज-V/कैल०/76-77—
यतः मुझे, एस० एस० इनामदार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी दारों सं० 1618, 1619, 1626, 1627 है तथा जो मोक्षा माखला, डी० हुगली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-9-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुकुन्द राज अम्बीतलाल सयानी (अन्तरक)

2. श्री शीशीर कुमार गान्गुली, मैनेजिंग डायरेक्टर, मेटकोक (इण्डिया) प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

2 बीघा, 6 कट्टा, 2 छिं 28 स्क्वे० फी० जमीन एवं मकान दाग सं० 1618, 1619, 1626, 1627 मोक्षा माखला दि० हुगली स्थित एवं डी० सं० 5588 द्वारा रजिस्ट्रीकृत।

एस० एस० इनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-V, 54, रफी अहमद
किदवर्ई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 4-5-1976

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री ज्ञान चन्द्र पाटी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-व, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 7 मई 1976

निदेश सं० एसी०-16/अर्जन रेज-व/कैल०/76-77—
यतः मुझे, एस० एस० इनामदार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-घ, के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद साहा सारणी,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 23-9-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. मै० ग्रीन व्यू कोओपरेटिव हॉसिंग सोसायटी लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हू०।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा 14 कट्टा 7 छटांक 27 स्क्वे० फी० भूमि 119,
डा० मेघनाद साहा सारणी, कलकत्ता स्थित एवं हो० सं०
5537 ता० 23-9-1975 द्वारा रजिस्ट्रीकृत।

एस० एस० इनामदार
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-व, 54, रफीअहमद
किदवर्ड रोड कलकत्ता-16

तारीख : 7-5-1976

मोहर :

प्र० र० श्रीमती गुणमाला देवी पाटनी

प्र० र० श्रीमती गुणमाला देवी पाटनी

(अन्तरक)

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 7 मई 1976

निदेश सं० ए सी०-१७/अर्जन रेज-५/कैल०/७६-७७—यतः,
मुझे, एस० एस० इनामदारश्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद साहा
सारणी, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 23-9-1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखत
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती गुणमाला देवी पाटनी

2. मै० ग्रीनब्यू कोप्रोप्रेटी व्हौसीन्ग सोसायटी लिमिटेड

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमुसूची

1/3 हिस्सा 14 कट्टा, 7 लिटोक 27 स्क्वे० फी० भूमि,
119, डा० मेघनाद साहा सारणी, कलकत्ता स्थित एवं डी० सं०
5538 तारीख 23-9-1975 द्वारा रजिस्ट्रीकृत।

एस० एस० इनामदार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-५

54, रफीअहमद किदवर्झ रोड,

कलकत्ता-16

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-5-1976

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० दी० एन० एस०

1. श्री दीप चन्द्र पाटनी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-व, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 मई 1976

निवेदन सं० एसी०-१८/अर्जन रेज-व/कैल/७६-७७—
यतः, मुझे, एस० एस० इनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद साहा सारणी,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 23-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण
लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. मै० ग्रीनव्यु कोअौपरेटिव होसिन्ग सोसायटी लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
फार्मबाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

1/3 हिस्ता 14 कट्टा 7 छिटाक 27 स्थे० फी० भूमि,
119 डा० मेघनाद साहा सारणी, कलकत्ता स्थित एवं डी०
सं० 5539 तारीख 23-9-1975 द्वारा रजिस्ट्रीकृत ।

एस० एस० इनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-व
54, रफीअहमद किंदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 7-5-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 मई 1976

निवेदा सं० टि० आर०-152/सि०-164/कलकत्ता-1/
75-76—यतः, मुझे, सं० क० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 75 सि० (यूनिट नं० 1D) है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

10-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिहें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- स्त्री कनस्ट्रूक्शन को० (अन्तरक)
- श्रीमती पुष्प राणी आनन्द (अन्तरिती)
- युनाइटेड कार्मरिंगल बैंक लि० (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

75 सि० पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित दो तल्ला में फ्लैट नं० 1 डी।

सं० क० चक्रबर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1
54, रफीअहमद किवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 12-5-1976

मोहर :

प्रधान आर्द्ध० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 मई 1976

निवेदा सं० टी० आर०-153/ सि०-165/कलकत्ता-I/
75-76—यतः मुझे, स० क० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व्य
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 75 सि०, (यूनिट नं० 1 ई) है तथा जो पार्क
स्टीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावच्छ अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
5, गवर्नमेन्ट प्लेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 10-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वापत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतु :—

13—116GI/76

1. स्वी कन्स्ट्रूक्शन को० (अन्तरक)
2. श्रीमती सुमन आनन्द (अन्तरिती)
3. जामीन रेमिडिस् लि० (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

75 सि०, पार्क स्टीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का
दो सल्ला में फ्लैट नं० 1 ई०।

म० क० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1,
54, रफीशहमद किल्डर्हॉम, रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 12-5-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

1. रुबी कर्त्तव्यक्षण को०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 मई 1976

निदेश सं० टि० आर०-156/सि०-151/कलकत्ता/75-76—

यतः, मुझे, स० क० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 75 सि०, (यूनिट नं० 1 सि) है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नरमेन्ट प्लेस, नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. मिस सिमी आनन्द पण्डि सानो आनन्द represented by फदार एण्ड नेचोरल गार्डियन—अनिल कुमार आनन्द (अन्तरिती)

3. यूनाइटेड कर्मशियल लि०

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

75 सि० पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित दो तला में प्लैट नं० 1 सि ।

स० क० चक्रबर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I,
54, रफीअहमद किल्डवई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 12-5-1976

मोहर :

प्रह्ल आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 मई 1976

निदेश सं० टि-आर-154/सि-152/कल०I/75-76—यतः
मुझे, म० क० चक्रवर्ती,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 75 सि०, (यूनिट नं० 9डी) है तथा जो पार्क
स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इसे उपाबण्ड अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
5, गवर्नर्मेन्ट एलेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-9-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कसी करने या उससे वचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. रुबी कनस्ट्रक्शन को०

(अन्तरक)

2. श्री समीर कुमार सेन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित व्यक्ति के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

75 सि०, पार्क स्ट्रीट में अवस्थित दस तल्ला में प्लैट नं०
9 छी० ।

म० क० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I,
54, रकीअहमद किदवर्ह रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 12-5-1976

मोहर :

प्रख्या प्राई. टी. एन. एम.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 12 मई 1976

निदेश मं० टि० प्रा०-155/सि०-150/कलकत्ता-1/
75-76—यतः, मुझे मं० क० चक्रवर्ती
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वी धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० 75 मि० (यूनिट नं० 1 ए) है तथा
जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपांचल अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
5, गवर्नरमेन्ट प्लेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-9-1975
को पूर्ववित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्ववित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रन्थि के अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए,
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. रुबी कन्स्ट्रक्शन को०

(अन्तरक)

2. सूरज प्रकाश आनन्द

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

75 मि०, पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित मकान का
दो तल्ला में प्लैट नं० 1 ए।

स० क० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1
54, रफीअहमद किदवई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 12-5-1976

मोहर :

प्रस्तुप्रार्थी दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० ए० टि० आर०-156/सि०-161/कलकत्ता-1/
75-76—यतः, मुझे, स० क० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 50 (फ्लैट) है तथा जो चौरांगी रोड
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
गवर्नरमेन्ट ब्लेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-9-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रतिफल (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

श्रृः श्री उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. आल्पी फाईनान्स लि० (अन्तरक)
2. श्री मधुकान्त सरमा (अन्तरिती)
3. मितसु एण्ड को० (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

50 चौरांगी रोड कलकत्ता में अवस्थित 6448 वर्ग फिट
जमीन पर मकान का 1/8 हिस्सा।

स० क० चक्रबर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1,
54, रफीअहमद किदवई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 11-5-1976

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 मई 1976

निदेश सं० टि० आर०-157/सि०-160/कलकत्ता-I/
75-76—यतः, मुझे, स० क० चक्रबर्ती
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 50 (प्लैट) है तथा जो चौरांगी रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
5, गवर्नरमेन्ट प्लेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-9-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. आलपी फाईनान्स लिमिटेड (अन्तरक)
2. श्री बणी शंकर सरमा (अन्तरिती)
3. मितसु एण्ड को० (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

50 चौरांगी रोड, कलकत्ता में अवस्थित 6448 वर्ग फीट
जमीन पर मकान का 1/8 हिस्सा।

स० क० चक्रबर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1,
54, रफीअहमद किदवई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 12-5-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता
कलकत्ता-16, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० टि० आर०-158/सि०-162/कल-1/
75-76—यह: मुझे, स० क० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कीधारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 50 (फ्लैट) है तथा जो चौरंगी रोड
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेन्ट
प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 3-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आलपी फाईनान्स लिंग (अन्तरक)
2. रम्भ सरमा (अन्तरिती)
3. मितसु एण्ड को० (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

50 चौरंगी रोड कलकत्ता में अवस्थित, 6448 वर्ग फिट
जमीन पर मकान का 1/8 हिस्सा।

स० क० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1,
54, रफीशहमद किलबीद रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 11-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० टी० आर०-159/सि०-163/कल०-1/75-76—
यतः मुझे, स० क० चक्रबर्ती०आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,और जिसकी सं० 50 (फ्लैट) है, तथा जो चौरांगी रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपार्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेंट प्लेस, नार्थ
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 3-9-1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

1. आल्पी फार्नान्स लि०

(अन्तरक)

2. श्री रत्नाकर सरमा

(अन्तरिती)

3. मितसु एण्ड को०

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

50 चौरांगी रोड, कलकत्ता में अवस्थित, 6448 फिट
जमीन पर मकान का 1/8 हिस्सा।

स० क० चक्रबर्ती०,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, 54, रफीअहमद किलवई रोड,
कलकत्ता-16अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 11-5-76

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

1. आल्पी फाइनेंस लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. रमेश सरमा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

3. मितसु एण्ड को०

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16
कलकत्ता-16, दिनांक 11 मई 1976को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता है।निदेश सं० टी० आर०-160/सि०-153/कल०-I/75-76—
यतः, मुझे, स० क० चक्रबर्ती

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु
से अधिक है,(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को;
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;और जिसकी सं० 50 (फ्लैट) है तथा जो चौरांगी रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमेट
प्लैस, नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 3-9-75(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व,
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

अनुसूची

50 चौरांगी रोड, कलकत्ता में अवस्थित 6448 फिट जमीन
पर मकान का 1/8 भाग।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;स० क० चक्रबर्ती
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, 45 रफीअहमद किंदवार्ड रोड, कलकत्ता-16अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 11-5-76

मोहर:

प्र० रूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० टी० आर०-161/सि०-154/कल०-१/75-76—
यतः, मुझे, सं० क० अकबर्ती

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, वह विद्यासकरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 50 (फ्लैट) है तथा जो चौरांगी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नर्मेंट प्लैस, नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के ५०% प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण में लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

1. आल्पी फाइनान्स लि०

(अन्तरक)

2. श्री रमन सरमा

(अन्तरिती)

3. मित्रसु एण्ड कम्पनी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हू० ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

50 चौरांगी रोड, कलकत्ता में अवस्थित 6448 वर्ग फिट जमीन पर मकान का 1/8 हिस्सा ।

सं० क० अकबर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, 54, रफी अहमद किंदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख: 11-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० ए० ए० ए०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना-

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 11 मई 1976

निवेश सं० टी०आर० 162/सि-155/कल०-1/75-76—
यतः, मुझे, स० क० चक्रबर्ती,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० 50 (फैट) है सथा जो चौरांगी रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबृह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमेट प्लेस नार्थ,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 3-9-1975 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
के उक्त अन्तरण में लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रातः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता:—

1. आल्पी फाईनान्स लि०

(अन्तरक)

2. श्रीकान्त सरमा

(अन्तरिती)

3. मितसु एण्ड को०

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसीं व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखत में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धान

50 चौरांगी रोड, कलकत्ता में अधस्थित 6448 वर्ग फिट
जमीन पर मकान का 1/8 हिस्सा।स० क० चक्रबर्ती
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1,

54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 11-5-76

मोहर :

प्र० श्री आर० दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 11 मई 1976

निवेश सं० टी० आर० 163/सि-158/कल०-1/75-76—
पतः, मुझे, स० क० चक्रबर्ती,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० 50 (फ्लैट) है तथा जो चौरांगी रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमैट प्लेस, नार्थ
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 3-9-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई सिंगल की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. आल्पी फाइनेंस लि०

(अन्तरक)

2. श्री सुधाकर्त शर्मा

(अन्तरिती)

3. मिसू एण्ड को०

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

50 चौरांगी रोड, कलकत्ता में अवस्थित, 6448 वर्ग फिट
जमीन पर मकान का 1/8 हिस्सा।

स० क० चक्रबर्ती,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1,
54, रफी अहमद किंवद्वारा रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 11-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-१, कलकत्ता
 कलकत्ता-16, दिनांक 12 मई 1976

निदेश सं० टि० आर० 166/सि०-157/कल-१/75-76:—
 यतः, मुझे, स० क० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहा है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 50 (फ्लैट) तथा जो चौरांगी-रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गर्वनमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स आल्पी फाईनान्स लि०।

(अन्तरक)

2. (1) रोणा मजुमदार (2) रोमा मजुमदार (3) मानिक मजुमदार (4) पार्थसारथी मजुमदार।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

50 चौरांगी रोड कलकत्ता में अवस्थित मकान का न तला में फलेट।

स० क० चक्रवर्ती,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज-१
 ३४, रफीअहमद किदवाई रोड,
 कलकत्ता-16

तारीख : 12-5-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जनरेज्ज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, विनांक 12 मई 1976

निदेश सं० टि० आर०-178/सि०-177/कल-1/75-76—
यतः, मुझे, स० क० चक्रवर्ती,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन संधर्म, प्राधिकारी को, वह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 75 सि० (यूनिट नं० 3 बी) है तथा जो पार्क
स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
5 गवर्नरमेंट एलेस नार्थ, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-9-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करते
का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. रुबी कन्स्ट्रक्शन को०

(अन्तरक)

2. श्री दीपक आनन्द Represented फादर एन्ड
(अन्तरिती)को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्य-बाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो अध्याय में दिया गया ।

अनुसूची

75 सि० पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में प्रवस्थित, जमीन पर मकान
का चार तला में अवस्थित फ्लैट नं० 3 बी ।

स० क० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अंजन रेज-1
54, रफीशहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-5-76

मोहर ।

प्र० प्र० श्री शहीद आहमेद, शक्ति का आहमेद । (अन्तरक)

प्र० प्र० श्री सैयद आजमल होसेन । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 मई 1976

निदेश सं० टी० आर०-182/सी०-182/कल०-1/75-76--
यतः, मुझे, स० के० चक्रबर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक

और जिसकी सं० 28 है तथा जो इलियट रोड, कलकत्ता में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नर्मेट प्लेस (नाथ),
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 16-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः श्री उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

करीब 1 कट्टा 14 छटांक 7 स्को० फुट खाली जमीन जो 28,
इलियट रोड, कलकत्ता पर अवस्थित ।

स० क० चक्रबर्ती,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1,
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 15-5-76

मोहर :

प्रख्यात आईटी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 मई 1976

निदेश सं० टि० आर० 184/सि०-183/कल०-1/75-76 :—

यतः मुझे, स० क० चक्रवर्ती,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 242 है तथा जो विपिन विहारी गांगुली स्ट्रीट
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेंट
प्लेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 23-9-75

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कोरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिशिर कुमार सील

(अन्तरक)

2. (1) श्री अमल कुमार बासु (2) श्री विमल कुमार बासु
(3) श्री दिलीप कुमार बासु (4) श्री प्रदीप कुमार बासु
(5) श्री अरुण कुमार बासु । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

242, विपिन विहारी गांगुली स्ट्रीट में अवस्थित 2 कट्टा
14 छटांक 13 वर्ग फीट, जमीन ।

स० क० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1,
54, रफीशहमद किल्वाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 12-5-76

मोहर :

प्रधान आई० टि० एन० एस०.....

1. रुबी कन्स्ट्रक्शन को० (अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री देवी मेहोदा (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 मई 1976

निदेश सं० टि० आर०-180/सि० 179/कल०-I/75-76—

यतः, मुझे, स० क० चक्रबर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दृष्टके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 75 सि० (फ्लैट० नं० 3ए) है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—116 GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्वासेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

75 सि० पार्क स्ट्रीट, में अवस्थित फ्लैट नं० 3ए।

स० क० चक्रबर्ती,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेन्ज-I,
54, रफीअहमद किंदाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 12-5-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 29 मार्च 1976

निवेश सं० 328/एक्युरे-III/75-76/कल०—यतः, मुझे,
ल० क० बालसुब्रमनियन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और

जिसकी सं० 18/3 है तथा जो गरियाहाट रोड, कलकत्ता में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्टीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्टीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-9-
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति:—

1. मै० एम० एस० आगरवाला एण्ड सन्स प्रा० लि० 42
कालीकृष्ण टेगोर स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरक).

2. मै० समीरन कोशापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०
51 ए० कांकुलिया रोड, कलकत्ता-19। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आदेश:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा:;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 2 बीघा 11 कट्टा 7 छटाक 16 स्को० फुट जमीन जो
सं० 18/3 गरियाहाट, कलकत्ता पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार
आफ एसुरेसेस द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० 5404/1975 के
अनुसार है ।

ल० क० बालसुब्रमनियन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III
54, रफीअहमद किंदवाइ रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 29-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्रीमती साबित्री देवी, 86, फ्रीस्टोफर रोड, कलकत्ता-46
(अन्तरक)

2. मैसर्स चेन हाईंग टैनरी, 88, माधेस्वरतला रोड, कल०-46
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निदेश सं० 332/अ III/76-77/कल०:—अतः
मुझे, एल० के० बालासुब्रमण्यम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मौजा-पूर्व तपसिया में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्टी प्राधिकारी के कार्यालय, अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-9-
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सालीडांगा भूमि का क्षेत्रफल 5 बी० 7 क० 11 छ० है जो
मौजा-पूर्व तापसिया, थाना—यादबपुर, जिला-24 परगना में स्थित
है।

दलील सं० 7856 ता० 2-9-75, रजिस्ट्री कार्यालय, अलिपुर।

एल० के० बालासुब्रमण्यम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेंज-III, कलकत्ता
54, रफीग्रहमद किंवार्ड रोड,
कलकत्ता-16

भरत: अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 29-4-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० श्र० ई० 2/2042/3839:—यथा: मुझे, एम० जे० माथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है
और जिसकी सं० स० नं० 70 सी० टी० एस० सं० 649 प्लाट सं०
42, है, जो जुहू विलेज में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 11-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रतन सिंह रायसिंह कनाबार। (अन्तरक)
2. श्री बाबुलाल प्रेमचंद शाह और श्रीमती रमिलाबेन बाबुलाल
शाह। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बृहत्तर बम्बई में बम्बई नगर और बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन
जिला बांद्रा के रजिस्ट्रेशन उपजिले में जुहू-विलेपाले डेव्हलेपमेंट
स्कीम (इलान नाला की विक्षिण) में स्थित एवं अवस्थित लीज-होल्ड
भूमि या मैदान का बहु तमाम भाग अथवा खंड जो कि सर्वेक्षण सं०
70 का भाग है, तथा जिसका जुहू ग्राम का सी०टी००एस० सं० 649
है, तथा जो पैमाइश में 793. 33 वर्ग गज अर्थात् 663. 3 वर्गमीटर
या उसके बराबर है, नूतन लक्ष्मी को० आ० हा० सो० लि० फो०
एस्टेट की प्लाट सं० 42 है, जो इस प्रकार से घिरा हूँआ है कि पूर्व
में अथवा पूर्व की ओर 40 फुट चौड़ा भाग है, पश्चिम में प्लाट सं०
34 है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर प्लाट सं० 43 है और दक्षिण
में अथवा दक्षिण की ओर प्लाट सं० 41 है।

एम० जे० माथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 15 मई 1976

मोहर:

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०.....
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-ज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जून 1976

निर्देश सं० अ० इ० 1/1331-9/75—अतः मुझे
 छौं आर० अमिन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
 मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 244 मालाबार कंबाला
 हिल डिवीजन है, जो मानव मन्दिर रोड मालाबार हिल में
 स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन 16-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
 या कियज जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात्:—

- (1) 1. मैसर्स सुदरदास नरसुमल 2. सुन्दर दास नरसुमल
 3. हरीलाल सुन्दर दास 4. परसराम सुन्दरदास
 5. अमर लाल सुन्दर दास (अन्तरक)
- (2) 1. श्री धिरजलाल विरचन्द शहा 2. श्रीमती लक्ष्मीबाई
 विरचन्द शहा 3. भोगीलल विरचन्द शहा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले में मालाबार हिल और
 विल्डरनेस रोड जोकि अब मानव मन्दिर रोड के नाम से
 जाना जाता है कि पश्चिम की ओर स्थित फजलदारी लैड
 (भूमि) या ग्राउंड का वह तमाम भाग अथवा खंड और उस पर
 बनी मैसूरूजे, टेनामेंट्स, रिहायशी मकान बिल्डिंग और
 स्ट्रॉक्चर और क्रमशः दायित्व और पश्चिम की ओर उस पर
 बनी चार दीवारी बाउंड्री बाल्स सहित, जो कि पैमाइश में
 1157.82 (एक हजार एक सौ सत्तावन दशमलव बयासी)
 वर्गगज अर्थात् 968.0533 वर्गमीटर है और भूराजस्व के
 कलकटर की पुस्तकों में नयी सर्वेक्षण सं० 7188 खंड में
 के अधीन पंजीकृत है, लेकिन गलती से जिसका उल्लेख पिछले
 डाकमेंट्स में 7187 किया गया है और मालाबार और कंबाला
 हिल डिवीजन की केडास्ट्रल सर्वेक्षण सं० 244 है और
 जिसका निर्धारण म्युनिसिपल कर के अल्सेसर और कलकटर
 ने डी० बाड़ संख्या 3194 (4) के अधीन दिया है लेकिन जिसे पिछले डाकमेंट्स में गलती से 1394 (4) दिखाया
 गया है और इसे पहले स्ट्रीट सं० 1040 के अधीन दिखाया
 गया है लेकिन इसे अब स्ट्रीट सं० 1 के अधीन दिखाया गया
 है और इस प्रकार से धिरा हुआ है कि उत्तर में भूमिका
 वह भाग है जो यहाँ और उसके बाद में इससे नीचे लिखे
 स्केल्स 2 में वर्णित किया गया है दक्षिण में अथवा दक्षिण
 की ओर चार दीवारी का अधांश है, अन्य अधांश पहले
 मूलजी दामोदर से संबंधित थी किन्तु अब राजबी चावडेरी
 लीलाबती बाई साहिबा से संबंधित है, पश्चिम में अथवा
 दक्षिम की ओर बाउंड्री लाइन का अधांश है, अन्य अधांश
 रणछोडवास तिमुखनदास से संबंधित है और पूर्व में अथवा
 पूर्व की ओर ऊपर कहे गये विल्डरनेस रोड जो कि अब
 मानव मन्दिर से जाना जाता है।

द्वितीय अनुसूची

बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले में विल्डरनेस रोड जो कि
 अब मानव मन्दिर रोड के नाम से जाना जाता है, पर माला-
 बार हिल पर स्थित फजलदारी भूमि अथवा ग्राउंड का
 वह तमाम खाली भाग अथवा खंड जो कि अविभाजित बराबर
 शेयरों में है जो कि पैमाइश में 133.20 (एक सौ तीनीस
 दशमलव बीस) वर्गगज (अर्थात् 111.3685 वर्गमीटर)
 या उसके समकक्ष है, अर्थात् जिसका मालाबार और
 कंबाला हिल डिवीजन का केडास्ट्रल सर्वेक्षण सं० 1/244
 है, और जो इस प्रकार से धिरा हुआ है कि उत्तर में अथवा
 उत्तर की ओर उस जमीन का भाग अथवा खंड है जिसे यहाँ
 और इसके बाद में तीसरी अनुसूची में वर्णित किया गया है,
 दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर वह प्राप्ती है जिसे यहाँ
 और इससे ऊपर प्रथम अनुसूची में वर्णित किया गया है,
 पूर्व में अथवा पूर्व की ओर कथित विल्डरनेस रोड जो कि

अब मानव मंदिर रोड के नाम से जाना जाता है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर रणछोड़दास त्रिभुवनदास की प्राप्ती है, भूमि का यह भाग आम रास्ते के रूप में रखा जाना है और इस रास्ते का अधिकार रत्नप्रीती लीलाधर और रणछोड़दास त्रिभुवनदास के मध्य तारीख चार जूलाई, एक हजार आठ सौ अठानवे को हुए करार के मुताबिक होगा।

तीसरी अनुसूची

बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले में विल्डरनेस रोड पर जो कि अब मानव मन्दिर रोड के नाम से जाना जाता है, मालाबार और कंबाला हिल पर स्थित फजलदारी लैंड या ग्राउंड का वह तमाम भाग अथवा खंड और उस पर बनी दीवार सहित जो कि पैमाइश में 16 (सोलह) वर्गगज (प्रथम 13,3776 वर्गमीटर) या उसके समकक्ष है; और जिसका मालाबार और कंबाला हिल डिवीजन का कैडस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 1/164 है, और जो इस प्रकार से घिरा हुआ है कि उत्तर में अथवा उत्तर की ओर जमशेदजी अर्देशीर बाड़िया की प्राप्ती है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर जमीन का वह तमाम भाग है, जो कि यह और इससे ऊपर अनुसूची दो में वर्णित किया गया है, पूर्व में अथवा पूर्वकी ओर विल्डरनेस रोड है जिसे अब मानव मन्दिर रोड के नाम से जाना जाता है, और पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर बाउंड्री बाल है, जो कि रणछोड़दास त्रिभुवनदास से संबंधित है।

ब्हृ० आर० अमिन
सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 9 जून 1976 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेज-१ बम्बई ।

प्रलृप आई० टी० एन० एस०.....
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१ बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जून 1976

निर्देश सं० अ० ई० 1/1366-44/सितम्बर, 75—अतः,
मुझे, ब्हृ० आर० अमीन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० 44 सारदेव डिवीजन है, जो स्लीएटर
रोड में स्थित है (और इससे ऊपर अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्टी अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-9-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बाई मिथामाई, श्री पिरोजशां पेस्टनजी कावासजी
आफ की विधवा है। (अन्तरक)
2. श्री केयामाली महम्मदहुसेन पारडाबाला। (अन्तरिती)
3. टेनेंट्स (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिंग बरता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तमील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर एवं बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन उपजिला बम्बई
में फोटों के जिला बम्बई में स्लीएटर रोड (नोशीर बहुचा मार्ग) पर
स्थित एवं अवस्थित पहले फोरस जमीन अथवा मैदान (सरकार
के सभी प्रकार के फोरस भुगतान से मुक्त) और उस पर बनी मेस-
यूजेज, टेनेंट्स या रिहायशी मकान सहित वह तमाम भाग अथवा
खंड सहित जो कि कैडस्ट्रल सर्वेक्षण रजिस्ट्रर के मुताबिक पैमाइश
में 600 वर्गगज अर्थात् 501.67 वर्गमीटर के बराबर है और
वास्तविक पैमाइश में 610 वर्गगज अर्थात् 510 वर्गमीटर के बरा-
बर है तथा भूराजस्व के कलकटर के पास नई संख्या बी०/13946
और ए०/13946 और नई सर्वेक्षण सं० 1/7041 और 1ए०/7041
के अधीन रजिस्टर्ड हैं उसका तारदेव डिवीजन का कैडस्ट्रल सर्वे-
क्षण संख्या 44 है और इसका निर्धारण भ्युनिसिपल दर और कर के
प्रस्तेर और कलकटर ने 3701 (1ए०) और स्टॉट संख्याए० 42,
42ए० और 42ए० नोशीर बहुचा मार्ग के अधीन किया है और वह
इस प्रकार से घिरा हुआ है कि उत्तर में अथवा उत्तर की ओर पद्म-
बान कांतोलाल रायचूर की प्राप्ती है जिसका सं० एस० सं० 43 है,
दक्षिण सोराबजो गजदर की प्राप्ती है जिसका सं० एस० सं० 43 है,
दक्षिण सोराबजो गजदर की प्राप्ती है जिसका सं० एस० सं० 45 है और पूर्व में अथवा पूर्व की ओर एनोस्टर रोड है।

ब्हृ० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
तारीख : 7-6-76 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेज-१ बम्बई ।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 14th May 1976

No. P-1765/Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission's notification of even number dated 2nd April 1976, Shri K. N. Vohra, an officiating Section Officer of the office of the Director General of Posts and Telegraphs, New Delhi, has been allowed to continue to officiate as Research Officer, on deputation basis, in the office of the Union Public Service Commission for a further period of three months w.e.f. 1-4-76, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary

for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 15th May 1976

No. A.32014/1/76-Admn.III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 24-3-76, the President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-4-76 to 15-4-76 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(II).—The President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 17-4-76 to 1-6-76 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(III).—The President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 17-4-76 to 1-6-76 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(IV).—The President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 17-4-76 to 1-6-76 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(V).—In continuation of this office notification of even number dated 19-3-76, the President is pleased to appoint Shri S. D. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 23-4-76 to 23-5-76 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(VI).—In continuation of this office notification of even number dated 19-3-76, the President is pleased to appoint Shri S. P. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 2-5-76 to 31-5-76 or until further orders, whichever is earlier.

The 20th May 1976

No. A.32014/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 17-4-1976 to 1-6-1976 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMN. REFORMS)
ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 3rd May 1976

No. —Shri R. D. Gupta, Inspector of Income Tax, Kanpur is appointed to officiate as Enforcement Officer (on deputation) in the Jullundur sub-zonal office

of this Directorate, with effect from 6-4-76 and until further orders.

J. N. ARORA
Deputy Director

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th May 1976

No. T-3/71-AD-V.—Shri T. S. Rao, Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Madras relinquished charge of the office of Superintendent of Police, CBI/GOW/ Madras Branch on the afternoon of 30-4-76.

His services were placed back at the disposal of the State Government of Andhra Pradesh.

The 21st May 1976

No. A-20014/82/76-AD.L.—Consequent upon his promotion, Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri S. K. Pandey, SI, as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation Ahmedabad Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 12th April, 1976 until further orders.

The 22nd May 1976

No. A-19036/12/76-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri D. B. Patel, an Officer of Gujarat State as Deputy Supdt. of Police in CIA-II Branch of Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on deputation with effect from the forenoon of 10-4-76 until further orders.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E)
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 11th May 1976

No. E-38013(3)/7/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector R. Jankiraman to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bailadila Iron Ore Project, Deposit 5, Bailadila with effect from the afternoon of 12th April 1976, until further order and assumed the charge of the said post with effect from the same date.

The 20th May 1976

No. E-16013(2)/7/74-Ad.I.—On repatriation to his parent Cadre, Shri T. Kannan, IPS (Kerala-1962) relinquished the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Cochin Port Trust, Cochin, with effect from the forenoon of 12th April, 1976.

L. S. BISHT
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 19th May 1976

No. 25/4/74-RG(Ad.I).—Consequent on his reversion from the post of Senior Research Officer in the Department of Social Welfare, to which he had been appointed on deputation basis, the President is pleased to appoint Shri N. G. Naik as Officer on Special Duty (Scheduled Castes and Scheduled Tribes) in the office of the Registrar General, India with effect from the forenoon of 1st May 1976 until further orders, with his headquarters at Delhi.

R. B. CHARI
Registrar General, India &
ex-officio Joint Secretary

MINISTRY OF FINANCE
DEPTT. OF ECON. AFFAIRS
BANK NOTE PRESS :

Dewas, the 20th May 1976

F. No. BNP/C/6/76.—The undermentioned two permanent Inspector Controls of the Security Paper Mill, Hoshangabad and the India Security Press, Nasik Road respectively (at present on deputation as Dy. Control Officer in the Bank Note Press, Dewas) are permanently absorbed under transfer category of the recruitment rules and substantively appointed to the post of Deputy Control Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Bank Note Press, Dewas w.e.f. the forenoon of 3-4-1976, in the order of seniority as shown below :

1. Shri M. S. Deshpande.
2. Shri K. C. Hindaul.

F. No. BNP/C/24/76.—Shri C. C. Unnikrishnan, Section Officer in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs is appointed on deputation as Junior Administrative Officer, in the Bank Note Press, Dewas (MP) w.e.f. 2-5-76 (F.N.) to 24-4-79.

D. C. MUKHERJEE
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 26th May 1976

No. Admn.I/O.O.139.—The Accountant General, Central Revenues, has appointed the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers in the time scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 w.e.f. the dates shown against their names, until further orders.

Name and Date of promotion as Accts. Officers

1. Shri S. R. SETH—17-5-1976 (F.N.).
2. Shri K. K. Mehra—17-5-1976 (F.N.).

H. S. DUGGAL
Senior Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
MAHARASHTRA-I,

Bombay-400020, the 17th April 1976

No. Admn.I/AD/5(115-Vol.II)/2—Shri S. R. Venkatasubramanyam, Officiating Accounts Officer of this office is deemed to have retired from service with effect from 1-10-1975 under Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972 read with Ministry of Finance O.M. No. 44(1)-EV/71 dated 13-4-73, consequent on his permanent absorption in the Mazgaon Dock Ltd., Bombay from the same date.

2. The President of India has been pleased to sanction the permanent absorption of Shri S. R. Venkatasubramanyam in the Mazgaon Dock Ltd., Bombay with effect from 1-10-1975 as in public interest under Govt. of India, Ministry of Finance letter dated 23-3-76 on the terms and conditions laid down in the statement enclosed.

A. B. PALEKAR
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ANDHRA PRADESH-I

Hyderabad-500004, the 17th May 1976

No. EB.I/8-312/76-77/49.—Sri M. V. SHANMUGHAM Accounts Officer, Office of the A.G.A.P.II Hyderabad, has retired from Service w.e.f. 30th April 1976 (A.N.).

S. R. MUKHERJEE
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
GUJARAT

Ahmedabad, the 21st May 1976

No. Estt(A)/GO/2(177)/727.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri R. J. NAIK permanent members of the Subordinate Accounts Service; to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from 19-5-76 (F.N.) until further orders.

The 22nd May 1976

No. Estt(A)/GO/2(175)/734.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri C. K. VISHWANATHAN permanent members of the Subordinate Accounts Service; to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from 10-5-76 (F.N.) until further orders.

No. Estt.(A)/GO/2(176)/736.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri A. N. VAIDYANATHAN permanent members of the Subordinate Accounts Service; to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from 15-5-76 (F.N.) until further orders.

K. H. CHHAYA
Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi-110001, the 19th May 1976

No. 753/A-Admn/130/76.—Consequent on his permanent absorption in the Bharat Heavy Electricals Ltd., w.e.f. 13th April 1976 the lien of Shri S. Krishnaswamy, Sub. Audit Officer in this department has been terminated in terms of F.R. 14A(d) from the same date.

SMT. GIRIJA ESWARAN
Sr. Dy. Director of Audit. DS

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR
SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-700043, the 19th May 1976

No. Admn/33-2A/75/870.—Shri S. N. Mitra, a permanent member of the subordinate Railway Audit Service in the office of the Chief Auditor, South Eastern Railway, Calcutta now on foreign service with the Kendriya Vidyalaya Sangathan, New Delhi is granted "proforma promotion" under "next below Rule" to the grade of Audit Officer from 12-1-1976 (F.N.) until further orders.

No. Admn/33-2A/75/870.—Shri S. Venkataraman, a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service in the office of the Chief Auditor, South Eastern Railway has been promoted to officiate as Audit Officer in that office with effect from the forenoon of 13th April 1976 until further orders.

Shri K. Sivarajan, a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service in the office of the Chief Auditor, South Eastern Railway now on foreign service with the office of the West Bengal Essential Commodities Supply Corporation, Calcutta is granted "Proforma Promotion" under "next below Rule" to the grade of Audit Officer from 13th April 1976 until further orders.

K. N. MURTHI
Chief Auditor

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR
N. F. RAILWAY, MALIGAON

Gauhati-781011, the 27th April 1976

No. Admn/5-16/58/63/35A/5295.—Shri S. K. Bhattacharjee, a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service of this office has been appointed to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 4-2-1976 (A.N.) until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE
Deputy Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 18th May 1976

No. 40011 (2)/75/AN-A.—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation :—

Serial Number	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
1.	Shri M. V. Sitaraman (P/130)	Permanent Accounts Officer	31-10-76	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
2.	Shri S. Aravamudhan (P/158)	Permanent Accounts Officer	31-8-76	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut. (On deputation to NCC, M.P, Indore).
3.	Shri R. K. Sankaranarayanan (P/229)	Permanent Accounts Officer	31-10-76	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
4.	Shri G. K. Abhyankar (P/233)	Permanent Accounts Officer	31-8-76	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
5.	Shri G. Sundaresan (P/374)	Permanent Accounts Officer	31-10-76	Controller of Defence Account Southern Command, Poona.
6.	Shri P. Shakaran (P/424)	Permanent Accounts Officer	31-7-76	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut (on deputation to DG, BSF New Delhi).
7.	Shri D. D. Nayyar, (P/439)	Permanent Accounts Officer	31-10-76	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
8.	Shri V. S. Rajahansa, (P/627)	Permanent Accounts Officer	31-10-76	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
9.	Shri N. Subramanian (P/661)	Permanent Accounts Officer	31-8-76	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.
10.	Shri M. G. Ramavarma (O/76)	Officiating Accounts Officer	31-10-76	Controller of Defence Accounts (Navy) BOMBAY.
11.	Shri B. L. Bhatia (O/145)	Officiating Accounts Officer	31-10-76	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut
12.	Shri B. K. Angra (O/164)	Officiating Accounts Officer	30-9-76	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North Meerut.
13.	Shri N. Padmanabhan (O/231)	Officiating Accounts Officer	31-10-76	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.

Shri N. Subramanian, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave from 5-11-75 to 17-12-75 and half pay leave from 18-12-75 to 31-8-76 pending retirement.

The 19th May 1976

No. 18349/AN-I.—On attaining the age of 58 years, Shri V. K. Jagannathbachi, Assistant Controller of Defence Accounts (on deputation to Ministry of Defence, R & D Organisation, New Delhi), will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department with effect from 31-7-1976 (AN).

C. V. NAGENDRA
Deputy Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 17th May 1976

No. 35/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri S. Krishnaswamy, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman), retired from service with effect from 31st October, 1975 (AN).

No. 36/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri J. N. Malhotra, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman), retired from service with effect from 31st January, 1976 (AN).

No. 37/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri N. C. De, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 29th February, 1976 (AN).

16—116GI/76

The 19th May 1976

No. 38/76/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Ty. Deputy Manager/D.A.D.G. with effect from the dates shown against them, until further orders :—

1. Shri Maheshwar Nath KAUL, Labour Officer—30th Apl., 1975.
2. Shri Madhukar Hari NARURKAR, Labour Officer—11th Aug., 1975.
3. Shri Moloy GHOSH, Labour Officer—15th July, 1975.
4. Shri Udayavarma Vishwanatha MENON, Stores Officer—26th July, 1975.
5. Shri Tapan Kumar CHATTOPADHYAY—23rd Apl., 1975.
6. Shri Vishwanath Sudam HASTE, Asstt. Manager (on prob)—14th Apl., 1975.
7. Shri Karedulla Lazarus Mohan RAO, Labour Officer—20th May, 1975.
8. Shri Yummandisingu Venkata Subba RAO, Labour Officer—5th June, 1975.
9. Shri P. K. CHINNADORAI, Labour Officer—12th May, 1975.

The 20th May 1976

No. 39/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri N. Chandran, Offg. Deputy Manager (Permt. Storeholder) retired from service with effect from 29th February 1976 (A/N).

No. 40/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri D. N. Khetrapal, Offg. Asstt. Manager (Permit. Foreman/Tech.) retired from service with effect from 31st January, 1976 (A.N.).

The 24th May 1976

No. 41/76/G.—On expiry of extension of service granted for one year, Shri D. Santhanam, Permit. Dy. Manager, retired from service with effect from 31st January, 1976 (A.N.).

No. 42/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri B. C. V. Rao, Offg. Asstt. Manager (Sub. and perm. Foreman), retired from service with effect from 31st March, 1976 (A.N.).

No. 43/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri M. N. Bhandari, Offg. Asstt. Manager (Sub. and perm. Storeholder), retired from service with effect from 31st March, 1976 (A.N.).

M. P. R. PILLAI
Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 19th May 1976

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL.
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1135/76-Admn(G)/3068.—The President is pleased to appoint Shri R. Sadasivan, a permanent Grade III Officer of the ISS and Statistician (I.T.) in the Directorate of Inspection (Research, Statistics and Publication), New Delhi as Director of Statistics in this office with effect from the forenoon of 30-4-1976.

The 20th May 1976

No. 6/488/58-Admn(G)/3097.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Arora, Controller (Non-CSS) to officiate as Deputy Chief Controller of Imports & Exports in this office for the period from 15-1-1976 to 31-5-1976.

No. 6/1105/75-Admn(G)/3087.—The President is pleased to appoint Shri Rajinder Singh, an officer of officiating in Grade I of the CSS to officiate as Deputy Chief Controller of Imports & Exports in this office with effect from 1-3-1976, until further orders.

P. K. KAUL
Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 19th May 1976

No. EST-I-2(662).—The Textile Commission is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 29th March 1976 and until further orders Shri Ashok Kumar Chowdhury, as Assistant Director Gr. II (NT) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay

C. R. NEELAKANTAN
Deputy Director

DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Admn. Br. A-6)

New Delhi, the 14th May 1976

No. A-17011/15/71-A.6.—The President is pleased to appoint Shri A. J. Bajaj, Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I to officiate as Deputy Director of Inspection in the Engineering Branch of Grade II of the Service with effect from the forenoon of the 17th April, 1976.

Shri Bajaj relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the N.I. Circle New Delhi in the afternoon of the 8th April, 1976 and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle, Calcutta from the forenoon of the 17th April, 1976.

The 21st May 1976

No. A-17011(16)/71-A.6.—The President is pleased to appoint Shri T. S. Sandhu, Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Class I to officiate as Deputy Director of Inspection in the Engineering Branch of Grade II of the Service with effect from the 22nd April, 1976.

Shri Sandhu relinquished charge of the post of Inspecting officer (Engg.) and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) in the Bombay Inspection Circle, Bombay from the forenoon of the 22nd April, 1976.

The 22nd May 1976

No. A-6/247(306)/59/II.—Shri S. R. Chakravorty, permanent Physical Assistant and Officiating as Inspecting Officer in Engineering Branch of grade III of the Indian Inspection Service Group A in the Calcutta Inspection Circle of this Dte. General of Supplies and Disposals has been retired from Govt. service on 30-4-1976 (AN) under F.R. 56(j).

The 24th May 1976

No. A-6/247(328)/II.—Shri S. C. Karmarkar, permanent Exam. of Stores (Engg.) and Officiating Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the N.I. Circle of this Directorate General of Supplies and Disposals has been retired from Govt. services on 30-4-1976 (AN) under F.R. 56(j).

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 21st May 1976

No. A-1/1(654).—Shri M. T. Gidwani, permanent Junior Field Officer and officiating as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles) Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1976 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(952).—Shri B. Padman, permanent Superintendent (Supervisory Level II) and officiating as Assistant Director (Grade II) in the office of Director of Supplies & Disposals, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 30-4-1976 (A.N.) on attaining the age of superannuation (58 years).

The 22nd May 1976

No. A-1/1(968).—On the recommendations of the UPSC, the Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Alok Kumar Guha to officiate as Assistant Director (Grade II) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 1st May, 1976 and until further orders.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF STEEL)
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 18th May 1976

No. EI-12(94)/75.—Iron & Steel Controller appointed Shri S. B. Basu, SAS Accountant, on deputation from the office of the Sr. Dy. Accountant General, C.W. & M., Calcutta as Accounts Officer with effect from 2-12-1975.

No. EI-12(95)/96.—Iron & Steel Controller appointed Shri J. L. Deb, SAS Accountant, on deputation from the Office of the Sr. Dy. Accountant General, C.W. & M., Calcutta as

Accounts Officer, with effect from the forenoon of 2nd April, 1976.

A. C. CHATTOPADHYAY
Deputy Director (Administration)
for Iron & Steel Controller

(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 18th May 1976

No. 2181(BKM)/19B.—Shri B. K. Mukherjee received charge of the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India on the forenoon of 1st March, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited, until further orders.

The 25th May 1976

No. 40/59/C/19A.—Shri M. M. Das, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 31-3-1976.

V. K. S. VARADAN
Director General

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM

Calcutta-700016, the 3rd May 1976

No. 4-124/76/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, hereby appoints Shri Sadhan Sen Gupta to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) in this Survey, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 3rd April, 1976 and until further orders.

C. T. THOMAS
Senior Administrative Officer

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA
New Delhi-1, the 22nd May 1976

No. 11/2-5/75-A.1.—On the recommendation of the U.P.S.C., the Director of Archives, Government of India,

New Delhi, the 21st May 1976.

No. 2/5/76-SIII :—The Director General, All India Radio hereby promoted and appointed the following officers from Senior Engineering Assistants to the cadre of Assistant Engineer in All India Radio in the officiating capacity/*ad-hoc* at the Stations/offices of All India Radio as shown against their names with effect from the date mentioned against each :—

S.No.	Name	Appointed at	Date of Appointment	Remarks
1.	Shri O.P. Chugh	P. & D. Unit, DG AIR, New Delhi.	3-5-76(FN)	officiating
2.	Shri Puran Chandra Pandey	All India Radio, Indore.	29-4-76(FN)	ad hoc.
3.	Shri S.K. Uppal	All India Radio, Nagpur.	27-4-76(FN)	ad-hoc.

HARJIT SINGH
Deputy Director of Adminn.
for Director General

New Delhi-1, the 22nd May 1976

No. 2/4/68-SII.—Shri M. D. Dwivedi, Administrative Officer (*ad-hoc*), News Services Division, All India Radio, retired from service with effect from 31-3-1976 on attaining the age of superannuation.

2. Shri Dwivedi has been re-employed as Administrative Officer, News Services Division for a period of one year with effect from 1-4-1976.

M. L. TANDON
Deputy Director of Adminn.
for Director General

New Delhi, the 24th May 1976

No. 4(80)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri J. T. Jirdo as Programme Executive, All India Radio, Tawang in a temporary capacity with effect from the 4th March, 1976 and until further orders.

P. K. SINHA
Deputy Director of Administration
for Director General

hereby appoints Km. Shanta Iwnati, Senior Investigator (Hindi), Central Statistical Organisation, New Delhi, as Hindi Officer (Class II—Gazetted) in the National Archives of India, New Delhi in a temporary capacity w.e.f. the forenoon of the 6th May 1976, until further orders.

The 27th May 1976

No. F.20(B-3)11/61-A.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri S. R. Mitra, retired from Govt. service as Archivist (Genl.) in the National Archives of India on the afternoon of the 31st March 1976.

S. N. PRASAD
Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 14th May 1976

CORRIGENDUM

No. 2/5/76-SIII.—The following corrections may kindly be made in this Directorate Notification No. 2/5/76-SIII dated 3-5-76 :—

S. Nos. 5, 6 and 12, instead of F.N. it should be made as (A.N.)

B. BHADU,
Section Officer
for Director General

New Delhi-1, the 21st May 1976

No. 2/44/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri H. S. Battise, Senior Accountant, Central Sales Unit, All India Radio, Bombay to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Imphal with effect from 14-5-76 (F.N.) on purely *ad-hoc* basis.

I. S. PANDHI
Section Officer
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 12th May 1976

No. A-31014/3/75-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, Bombay hereby appoints Shri K. P. Sreedharan, Permanent, Projection Room Operator and Officiating Technical Officer (Films) to the post of Technical Officer (Films) in a substantive capacity with effect from 29th November, 1973.

The 24th May 1976

No. A-31014/1/75-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, Bombay, hereby appoints Shri M. M. Vaidya, Permanent Cameraman and Officiating Chief Cameraman to the post of Chief Cameraman in a substantive capacity with effect from the 1st July, 1970.

R. S. SHARMA
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 14th May 1976

No. 16-35/75-SI.—Shri B. R. Dewan relinquished the charge of the post of Deputy Assistant Director General (Medical Stores), Govt. Medical Store Depot, Gauhati on 20th April 1976 (Afternoon).

SANGAT SINGH
Deputy Director Administration (Stores)
for Director General of Health Services

New Delhi, the 17th May 1976

No. A.31013/1/76(JIP)-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri N. S. Parmar in a substantive capacity to the post of Lecturer in Pharmacology (Pharmacy) at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the 12th December 1975.

The 18th May 1976

No. 48-25/75-CHS.I.—On her transfer, Dr. (Smt.) V. Chella, an officer of G.D.O. Grade I of the C.H.S. relinquished charge of the post Medical Officer, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry on the afternoon of 15-4-1976 and assumed charge of the post Medical Officer, Central Govt. Health Scheme. w.e.f. the forenoon of 17-4-1976.

The 21st May 1976

No. 28-1/74-CHS.I.—Consequent upon his transfer, Dr. R. C. Saha, an officer of G.D.O. grade I of the CHS relinquished charge of the post of Deputy Port Health Officer in the Port Health Organisation, Bombay, on the afternoon of the 19th April, 1976, and assumed charge of the post of Deputy Port Health Officer in the Port Health Organisation, Marmagao, Goa, on the forenoon of the 27th April, 1976.

R. N. TEWARI
Deputy Director Admin. (CHS)

New Delhi, the 22nd May 1976

No. A 22013/1/76-Admn.-I.—The President is pleased to appoint Shri Hari Krishan, a permanent officer of the Assistant Grade of the C.S.S. to the post of Section Officer in the Directorate General of Health Services, with effect from the forenoon of 5th April, 1976, and until further orders.

The 24th May 1976

No. 15-5/75-Admn.-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B. B. Nag, Accounts Officer, Hospital for Mental Diseases, Ranchi as Administrative Officer in the same Hospital, with effect from the forenoon of the 1st April, 1976, on an *ad hoc* basis and until further orders.

2. On reversion to his parent office, Shri A. Vedachalam relinquished charge of the post of Administrative Officer, Hospital for Mental Diseases, Ranchi on the forenoon of the 1st April, 1976.

No. 1-20/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Mahavir Singh to the post of Assistant Professor of Psychology at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, with effect from the forenoon of the 23rd April, 1976 in a temporary capacity, and until further orders.

Dr. D. Banerjee relinquished charge of the post of Assistant Professor of Psychology at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, on the forenoon of 23rd April, 1976, on his reversion to the post of Assistant Research Officer (Psychologist) in the same Institute.

No. 19-14/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. R. Rajan, Assistant Biochemist, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, to the post of Reader in Biochemistry at the same Institute, with effect from the forenoon of the 24th April, 1976, on an *ad-hoc* basis and until further orders.

2. On his appointment as Reader in Biochemistry at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, Dr. R. Rajan relinquished charge of the post of Assistant Biochemist at the same Institute on the forenoon of the 24th April, 1976.

CORRIGENDUM

No. 10-8/74-Admn.I.—In this Directorate's Notification No. 10-8/74-Admn.I, dated the 8-3-1976, for the words "19th December, 1975" read "12th February, 1976".

The 26th May 1976

No. 12-1/74-Admn.I.—On attaining the age of superannuation Shri H. C. Sharma, a permanent Section Officer in the Directorate General of Health Services, retired from service with effect from the afternoon of 30th April, 1976.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)
DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi-1, the 20th May 1976

No. F.2-3/75-Estt.(I).—Shri O. P. Gupta will continue to officiate as Assistant Editor (Hindi), Class II (Gazetted) (Non-Ministerial), in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture), on *ad-hoc* basis, beyond the 31st March, 1976 until further orders.

N. K. DUTTA
Director of Administration

OFFICE OF THE CHIEF EXECUTIVE OFFICER
LOGGING TRAINING CENTRES PROJECT

Dehra Dun, the 25th May 1976

No. 6-160/76-LTCP.—Shri G. P. Pandey, an Officer of Uttar Pradesh Forest Department, who has been working on deputation as Logging Instructor in the Logging Training Centres Project, Dehra Dun has been relieved of his duties with effect from the afternoon of 18th May, 1976 and his services have been placed at the disposal of Royal Government of Bhutan with effect from the same date.

ROMESH CHANDRA
Chief Executive Officer

(DEPARTMENT OF IRRIGATION)
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER
FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farakka, the 20th May 1976

No. PF.II/225/5182(8).—Shri Madhusudan Saha, Overseer of the Farakka Barrage, Project, Ministry of Agriculture & Irrigation, (Department of Irrigation) has been appointed on promotion as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same organisation with effect from the forenoon of 10-5-1976 until further orders. Shri Saha will be on probation for a period of two years.

BRIG. D. R. KATHURIA
General Manager

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 3rd April 1976

No. RRC/PF/410/73-3752.—Consequent on his selection for appointment as a Section Officer in the Department of Atomic Energy, Bombay, Shri KRISHNAN VENKATA-KRISHNAN, a permanent Assistant of Department of Atomic Energy and an officiating Assistant Administrative Officer of this Centre relinquished charge of his post on the afternoon of February 18, 1976 at Kalpakkam.

The 12th May 1976

No. RRC-II-13(11)/76-5280.—Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints S/Shri RENGARAJAN GOVINDARAJAN and GOVINDA CHOONALINGAM, temporary Scientific Assistant 'C' and Draughtsman 'B' respectively of this Research Centre as Scientific Officer (SB) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Centre, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of May 1, 1976, until further orders.

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Maharashtra-401504, the 26th April 1976

No. TAPS/Adm/735-A.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, extends the *ad-hoc* appointment of Shri R. R. Bandooon as Assistant Personnel Officer for the period from April 7, 1976 to May 1, 1976.

The 13th May 1976

No. TAPS/Adm/1380.—On his posting by the Cadre Authority, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri A. D. Bhatia, a permanent Assistant Administrative Officer as Junior Administrative Officer in the Tarapur Atomic Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 10, 1976 until further orders.

No. TAPS/Adm/673-A(XIII).—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints S/Shri D. C. Tarafdar and R. S. Narayanan, temporary Scientific Asstt. (C) in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engr. 'SB' in the same Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1976.

K. V. SETHUMADHAVAN
Chief Administrative Officer

POWER PROJECT ENGINEERING DIVISION
(NARORA ATOMIC POWER PROJECT)

Bombay-5, the 3rd May 1976

No. NAPP/18(140)/76-Adm/2142.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri M. A. Rajan a Quasi Permanent Upper Division Clerk of Rajasthan Atomic Power Project and officiating Selection Grade Clerk in Narora Atomic Power Project as Asstt. Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 17, 1976 to June 5, 1976 afternoon in the leave vacancy of Shri P. Venugopalan, Assistant Personnel Officer. NAPP.

R. J. BHATIA
Administrative Officer

ATOMIC POWER AUTHORITY
(CENTRAL OFFICE)

Bombay-400039, the 18th May 1976

No. APA/Adm/16/5/73.—The Chairman-cum-Chief Executive, Atomic Power Authority hereby appoints Shri Koruthara Kochukuttan Keelukutty, an officiating Personal Assistant

as Private Secretary on *ad-hoc* basis with effect from May 10, 1976 to June 25, 1976 vice Shri V. V. Sabharwal granted leave.

R. VEERA RAGHAVAN
Administrative Officer

CIVIL ENGINEERING GROUP

Kalpakkam, the 12th May 1976

No. CEG/1(6)/76-Adm.—Chief Engineer (Civil), Department of Atomic Energy Projects, Kalpakkam appoints the following temporary Supervisors as Scientific Officer/Engineer 'SB' in the Civil Engineering Group, Kalpakkam in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1976 until further orders :

1. Shri T. M. Bhattathiril
2. Shri Barathan Mannari
3. Shri D. Ramamurthi
4. Shri R. Ramanujam
5. Shri A. Vanamall
6. Shri Y. Venkatasubramaniam.

V. S. VENKATESWARAN
Administrative & Accounts Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti, the 24th May 1976

No. RAPP/04621/76-Adm/S/170.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Shri C. Stephen Balasundaram, a permanent Junior Assistant, PWD, Tamilnadu, and officiating Selection Grade Clerk in the Madras Atomic Power Project, as Assistant Personnel Officer in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of 31st March, 1976 until further orders.

GOPAL SINGH
Administrative Officer (Estt.)

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 20th May 1976

No. E(1)07161.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Onkari Prasad, Prof. Asstt. H.Q. office of the D.G.O. New Delhi who was appointed to officiate as A.M. upto 31-3-76 *vide* this Department Notification No. E(1)07161 dated 11-3-76, to officiate as Asstt. Met. in an officiating capacity for a further period of THIRTY SEVEN days with effect from the forenoon of 1-4-76 to 7-5-76.

Shri Onkari Prasad Offg. Assistant Meteorologist remains, posted to the office of the Director General of Observatories, New Delhi.

The 21st May 1976

No. E(1)03727.—On attaining the age of superannuation, Shri A. K. Das, Assistant Meteorologist, office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi retired from Govt. service with effect from the afternoon of 30th April, 1976.

The 24th May 1976

No. E(1)05485.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. D. Kundra, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi who was appointed to officiate as Assistant Meteorologist upto 30-4-76 *vide* this department Notification No. E(1)05485 dated 2-4-76 to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a further period of thirty-one days with effect from the forenoon of 1-5-76 to 31-5-76.

Shri M. D. Kundra, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

G. R. GUPTA
Meteorologist
for Director General of Observatories

New Delhi-3, the 20th May 1976

No. E(I)04262.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. B. Roy, Professional Assistant, Meteorological Centre, GAUHATI under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Eighty Nine days with effect from the forenoon of 1-4-76 to 28-6-76.

Shri B. B. Roy, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to Meteorological Centre, Gauhati under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

The 26th May 1976

No. E(I)04318.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri H. R. Ganesan, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories, (Climatology & Geophysics), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 17-5-76 to 13-8-76.

Shri H. R. Ganesan, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona.

The 27th May 1976

No. E(I)04267.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. K. E. Raja, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 17-5-76 to 13-8-76.

Shri Raja, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona.

No. E(I)06680.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. C. Dubey, Professional Assistant, office of the Director, Agricultural Meteorology, Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 10-5-76 to 6-8-76.

Shri Dubey, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Agrimet, Poona.

No. E(I)05554.—Shri N. R. Sen Gupta, Officiating Assistant Meteorologist, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi expired on 16-4-76.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th May 1976

No. A.12025/1/75-Hindi.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Anil Kumar Dubey as Hindi Officer in the Civil Aviation Department w.e.f. 7th May, 1976 (F.N.) on *ad-hoc* basis and until further orders, and post him in the office of the Regional Director, Madras.

H. L. KOHLI
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 21st May 1976

No. A.32014/2/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri D. N. Biswas, Technical Assistant to the grade of Asstt. Technical Officer on a regular basis with effect from the 20th April, 1976 (F.N.) and until further orders and to post him in Aeronautical Communication Station, Calcutta.

No. A.32013/5/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Puri, Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Jodhpur to the grade of Senior Communication Officer on a regular basis with effect from the 15-4-1976 and until further orders, and to post him in the office of the Director General of Civil Aviation, R. K. Puram, New Delhi.

H. L. KOHLI
Dy. Director (Administration)

New Delhi, the 18th May 1976

No. A.32013/1/76-EA.—The President is pleased to appoint Shri V. S. Prabhala, Assistant Director of Equipment, to the post of Deputy Director of Equipment in the Civil Aviation Department, on *ad-hoc* basis with effect from the 2nd March, 1976 till resumption of duty of the post of Deputy Director (Equipment) by Shri S. Mukhopadhyay, who has been appointed to the post of Director of Equipment for a period of 20 weeks with effect from 2-3-76 or till Shri S. Venkateswamy, Director of Equipment, who has been deputed for training under U.N.D.P. Country Programme, resumes duty on expiry of deputation, whichever is earlier.

The 20th May 1976

No. A.32014/1/76-EA(1).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri N. Subramanian to the post of Assistant Electrical & Mechanical Officer (Group 'B' post) in the Civil Aviation Department, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on *ad-hoc* basis, for a period of six months, with effect from the 26th April, 1976 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, Shri Subramanian is posted at Delhi Airport, Palam.

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 21st May 1976

No. 16/192/70-Ests-I.—Consequent upon his appointment as Entomologist in the Directorate of Plant Protection Quarantine and Storage, Shri M. P. Misra was relieved of his duties as Research Officer at the Southern Forest Rangers College and Research Centre, Coimbatore on the afternoon of 23rd March, 1976.

The 25th May 1976

No. 16/173/69-Ests-I.—On his selection for appointment to the post of Industries Officer in the Pre-investment Survey of Forest Resources, Dehra Dun, Dr. Jeet Singh Negi has been relieved of his duties as Research Officer, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun on the afternoon of 28th April, 1976.

P. R. K. BHATNAGAR
Registrar
Forest Research Institute & Colleges

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 22nd May 1976

No. A-32012/1/70-Adm.V.—In pursuance of this Commission's Office Order No. A-32012/1/70-Adm V(vol. II), dated 30-12-75, Shri M. S. Joshi, Research Assistant took over charge of the office of the Assistant Research Officer (Chemistry), Western Gauging Division of the Central Discharge Circle, with effect from the forenoon of 10th May, 1976, from Shri M. P. Namboodri, who stands reverted as Research Assistant with effect from the same date and time *viz.* 10-5-76 (forenoon).

JASWANT SINGH
Under Secy.
for Chairman, C.W. Commission

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 25th May 1976

No. 27-AEE/S(4)/74-ECII.—The President is pleased to accept the resignation from service, tendered in December, 1975, by Shri A. K. Srivastava, a Temporary Assistant Executive Engineer (Elect.) attached to Electrical Sub-Divn., Bomdila, Arunachal Pradesh, with effect from 15-3-1976 (AN).

2. Shri Srivastava has no connection whatsoever with this Department from that date.

P. S. PARWANI
Dy. Director of Admn.
for Engineer-in-Chief

New Delhi, the 19th May 1976

No. 27-E/K(8)/69-ECII.—The President is pleased to accept the resignation from service tendered by Shri R. V. Kanekal, Surveyor of Works, attached to Suptdg. Surveyor of Works (ICM Highway Projects) Kathmandu (Nepal) with immediate effect.

2. Shri Kanekal has no connection whatsoever with this Department.

P. S. PARWANI
Dy. Director of Admn.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 26th May 1976

No. 6/2/76-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri S. S. Oberoi, Graduate Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Services with effect from the forenoon of 6-5-1976.

S. BISWAS
Under Secy.

**MINISTRY OF RAILWAYS
RESEARCH, DESIGNS AND STANDARDS ORGANISATION**

Lucknow-11, the April 1976

No. A/EP-500.—Shri G. S. Sethi, Assistant, was promoted as Section Officer/Civil, Research, Designs and Standards Organisation, Lucknow from 9-2-76 to 25-3-76.

R. M. SAMBAMOORTHI
Director General

**SOUTH EASTERN RAILWAY
GENERAL MANAGER'S OFFICE
Calcutta-700043, the 17th May 1976**

No. P/G/14D/2/Conf/Pt.II.—The following officiating Class-II Officers of the Accounts Department are confirmed as Assistant Accounts Officer (Class-II) in that Department of this Railway from the date noted against each :—

Sl. No.	Name	Date of con- firmation
1.	Shri S. P. Bose	10-8-1973
2.	Shri B. Rama Rao	1-2-1975

P. K. MUKHERJEE
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

**(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
(COMPANY LAW BOARD)**

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. The Engineering & Industrial Corporation Private Limited*

Ahmedabad, the 5th May 1976

No. 955/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. The Engineering & Industrial Corporation Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Lok-Yojna Financiers Private Limited*

Ahmedabad, the 5th May 1976

No. 1688/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Lok-Yojna Financiers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Kisan Rubber Industries Private Limited*

Ahmedabad, the 5th May 1976

No. 1792/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kisan Rubber Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Kharidia Private Limited*

Ahmedabad, the 20th May 1976

No. 267/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kharidia Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Praja Bandhu Private Limited*

Ahmedabad, the 20th May 1976

No. 1960/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Praja Bandhu Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA
Registrar of Companies
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Janata Motor Service Corporation Private Limited*

Bombay-400002, the 19th May 1976

No. 10798/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Janata Motor Service Corporation Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

Bombay-400002, the 21st May 1976

No. 5688/560(4).—Whereas M/s. Avdhut Maharashtra Sugarcane Industries Limited, having its registered office at Juni Peth Pandharpur is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and that the statement of accounts for the period from 25-2-69 onwards (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 560 of the Companies Act, 1956, (1 of 1956) notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of M/s. Avdhut Maharashtra Sugarcane Industries Limited will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

(Sd/-) ILLEGIBLE
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Khubchand and Sons Private Limited*

Shillong-1, the 2nd March 1976

No. 1051/560/5792.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of Khubchand and Sons Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. P. VASHISHTHA
Registrar of Companies
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,
Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong

Notice under Section 560(4) of Companies Act, 1956
in the matter of Arunima Pictures (P) Limited (In Lqn.)

Calcutta-700001, the 19 March 1976

No. L/23202/D-1107.—Whereas under section 560 (4) of the Companies Act, 1956, I have reasonable cause to believe that the affairs of the Company are fully wound up and the returns required to be made by the liquidator have not been made for a period of six (6) consecutive months.

I, therefore, hereby notify that at the expiration of three (3) months from the date of this notice, the name of the Company will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the Company will be dissolved.

N. N. MAULIK
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 29th April 1976

INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 28.—Shri V. B. Saxena, Income-tax Officer (Class II) C-Ward, Bareilly died on 15-4-1976.

S. K. LALL
Commissioner of Income-tax
Lucknow I, Lucknow

New Delhi, the 1st May 1976

No. JUR/DLI-II/7676/2485.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all previous orders/notifications on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officer mentioned in column 2 of the Schedule herein below shall perform their functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes or persons, income or classes of cases which have been assigned or may hereafter be assigned u/s. 127 of the said Act to any other Income-tax Officer :

Sl. No.	Designation of the I.T.O.	JURISDICTION
1.	Income-tax Officer, Law- yers' Circle-I, New Delhi	(a) All persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Income-tax Officer, Lawyers' Circle, Delhi, whose name commences with letters 'A' to 'K' (both inclusive) of the alphabet. (b) All persons being partners of firms falling in items (a) above.
2.	Income-tax Officer, Lawyers' Circle-II, New Delhi.	(a) All persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Income-tax Officer, Lawyers' Circle, New Delhi, whose name commences with letters 'J' to 'Z' (both-inclusive) of the alphabet. (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.

This notification shall take effect from 1-5-76

JAGDISH CHAND
Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi.

(INCOME-TAX)

New Delhi, the 31st March 1976

No. 9/303/76-DOMS/1037.—On his selection for appointment by transfer on deputation, Shri T. D. Chawla, Assistant Programmer, Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, assumed the charge of the office of the Programmer in the Directorate of Organisation & Management Services (Income-tax), New Delhi on the afternoon of 31st March, 1976.

H. D. BAHL
Director of Organisation & Management Services (I.T.)

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 14th May 1976

No. F.48-Ad(AT)/76.—Shri K. B. Srivastava, Senior Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad-hoc* basis in a temporary capacity for a period of six months from 15-11-1975 afternoon to 15-5-1976 afternoon *vide* this office notification No. F.48-Ad(AT)/75. P.II dated 14-11-1975, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad-hoc* basis from 16-5-1976 to 15-11-1976 (afternoon) or till the post is filled up on regular appointment of a nominee of the U.P.S.C. whichever is earlier.

The above appointment is *ad-hoc* and will not bestow on Shri K. B. Srivastava a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad-hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

The 19th May 1976

No. F.48-Ad(AT)/1976.—Shri G. S. Shetye, Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench, Bangalore on regular basis (against promotion quota) with effect from 10-5-1976 (Forenoon) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 until further orders.

Shri G. S. Shetye will be on probation for two years with effect from 10-5-1976 (F.N.).

The 22nd May 1976

No. F.48-Ad(AT)/1976.—On attaining the age of superannuation, Shri S. Jayaraman, Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad-hoc* basis retired from Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1976.

HARNAM SHANKAR
President

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

Ahmedabad, the 21st May 1976

CORRIGENDUM

No. PR.288/Acq.II/76-77/585.—In the notice U/s.269D (1) of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), bearing No. 288/Acq. 23-552/19-7/75-76 dated 5th March, 1976 published in the Gazette of India, Part III-Section 1, dated 17th April 1976, at page No. 3298, the name of the transferor at Sr. No. 5 be read as Hasmukhbhai Chandulal *instead of* Hasmukhbhai Chandulal.

P. N. MITTAL
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Ahmedabad

FORM ITNS

(1) (i) Shri Birpal Singh,
(ii) Shri Amarpal Singh,
(iii) Shri Haripal Singh,
Residents of Machhiwara, } : sons of Shri
District Ludhiana. } Jagpal Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Girdhari Lal, S/o Shri Chandi Ram R/o Khud Mohalla, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 19th April 1976

Ref. No. LDH/C/1702/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/6th share in land measuring 163 kanal and 4 marla, situated at village Kaka, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in land measuring 163 kanal and 4 marla situated at Village Kaka, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6944 of January, 1976 of the Registering Officer, Ludhiana.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
17—116GI/76

Date : 19 April 1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (i) Shri Girpal Singh,
(ii) Shri Amar Pal Singh,
(iii) Shri Hari Pal Singh,
Residents of Machhiwara,
District Ludhiana.

sons of Shri
Jagpal Singh,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dewan Krishan Lal, S/o Shri Amir Chand, R/o
Village Meharban, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 19th April 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. LDH/C/1699/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/6th share in land measuring 163 kanal and 4 marla, situated at village Kaka, Tehsil Ludhiana, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/6th share in land measuring 163 kanal and 4 marla situated at Village Kaka, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6941 of January, 1976 of the Registering Officer, Ludhiana.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 19 April 1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 19th April 1976

Ref. No. LDH/C/1699/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/6th share in land measuring 163 kanal and 4 marla, situated at village Kaka, Tehsil Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ludhiana in January, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (i) Shri Birpal Singh,
(ii) Shri Amarpal Singh,
(iii) Shri Haripal Singh,
Residents of Machhiwara, } sons of Shri
District Ludhiana. } Jagpal Singh,

(Transferor)

(2) Smt. Paramjit Kaur, W/o Shri Harbhajan Singh, Advocate, R/o 149-L, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in land measuring 163 kanal and 4 marla situated at Village Kaka, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6942 of January, 1976 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 19 April 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) (i) Shri Birpal Singh,
 (ii) Shri Amarpal Singh,
 (iii) Shri Haripal Singh,
 Residents of Machhiwara, } sons of Shri
 District Ludhiana. } Jagpal Singh,

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh, Advocate, s/o Shri Sher
 Singh, R/o 149-L, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
 CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 19th April 1976

Ref. No. LDH/C/1701/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/6th share in land measuring 163 kanal and 4 marla, situated at village Kaka, Tehsil Ludhiana.
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in land measuring 163 kanal and 4 marla situated at Village Kaka, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6943 of January, 1976 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19 April 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) (i) Shri Birpal Singh,
(ii) Shri Amarpal Singh, } sons of Shri Jagpal Singh,
(iii) Shri Haripal Singh, } Residents of Machhiwara,
District Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Bimla Kumari, W/o Shri Lekh Raj, R/o
Village Meharban, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 19th April 1976

Ref. No. LDH/C/1703/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/6th share in land measuring 163 kanal and 4 marla, situated at village Kaka, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

1/6th share in land measuring 163 kanal and 4 marla situated at Village Kaka, Tehsil Ludhiana.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6945 of January, 1976 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 19 April 1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (i) Shri Birpal Singh,
(ii) Shri Amarpal Singh, } sons of Shri Jagpal Singh,
(iii) Shri Haripal Singh,
Residents of Machhiwara,
District Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Jarnail Singh, S/o Shri Balbir Singh, R/o
Village Meharban, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 19th April 1976

Ref. No. LDH/C/1704/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/6th share in land measuring 163 kanal and 4 marla, situated at village Kaka, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Ludhiana in January, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/6th share in land measuring 163 kanal and 4 marla situated at Village Kaka, Tehsil Ludhiana.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6946 of January, 1976 of the Registering Officer, Ludhiana.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 19 April 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Motia Kumari, W/o Shri Sant Ram, R/o 7-A, Market No. 1, Township, Faridabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 19th April 1976

Ref. No. BGR/1252/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Front portion of House No. 1-F/94, N.I.T. situated at Faridabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in September, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) M/s. Vijay Auto and Metal Industries, 1-E/1, NIT, Faridabad, through Shri Gulbahar Bhatia, S/o Shri Krishan Lal Bhatia, Prop.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion of House No. 1-F/94, N.I.T. Faridabad. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 2514 of September, 1975 of the Registering Officer, Ballabgarh.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 19 April 1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Satwant Kaur, wd/o Shri Arjan Singh, House No. 1043, Sector 8-C, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

(2) (i) Shri Gurbax Singh, S/o Shri Hazara Singh,

(ii) Smt. Balwant Kaur, W/o Shri Gurbax Singh, Residents of House No. 3025, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Chandigarh, the 19th April 1976

Ref. No. CHD/977/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 3025, Sector 27-D, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No. 3025, Sector 27-D, Chandigarh.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19 April 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s New Hindustan Oil Mills Ltd; Panipat, through
Shri J. D. Khosla, Director of the Company, 16/9,
West Patel Nagar, New Delhi-8.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 19th April 1976

Ref. No. PNP/(DLT)/1508/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot No. 0/3, Industrial Area, situated at Panipat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

18—116GI/76

(2) M/s Jai Bharat Spinners, 0/3, Industrial Area, Panipat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 0/3, Industrial Area, Panipat.—measuring 4.379 acres.

East :—Plot No. T/1.

West :—Plot No. 0/2 and 0/8

North :—Road.

South : Road

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1036 of November, 1975 of the Registering Officer, Delhi.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 19 April 1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chand Narain Raina, s/o Kanwar Narain Raina, House No. 22, Sector 11-A, Chandigarh.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 23rd March 1976

Ref. No. CHD/975/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 145, Sector 9-B, situated at Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Naginder Singh, (HUF), through his wife Smt. Jasmer Kaur, R/o Village and P.O. Dharamkot, Tehsil Zira District Ferozepur, c/o Shri Balbir Singh, s/o Shri Harnam Singh, 564, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 145, Sector 9-B, Chandigarh,

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 23-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA : 411004.

Poona-411004, the 19th April 1976

Ref. No. C.A./5/Haveli-II/September '75/280/76-77.—
 Whereas, J. H. S. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing K.P. No. 428, C.T.S. No 1076, situated at Shivajinagar, Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II, Poona on 12-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Chimanlal Hargovandas Shah, 29, Nagesh peth, Poona 11.
 2. M/s Shah Bhayani Builders, 18/365, Mira Colony, Shankar sheth Road, Poona-9. (Transferor)

(2) Shri Sheetalkunj Co. operative Housing Society Ltd., 17/25, Gokhale Road, Poona 16. (Transferee)

(3) Sheetalkunj Co. op. Housing Society Ltd., 17/25, Gokhale Road, Poona 16. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold. All those pieces and parcel of lands and buildings thereon bearing sub plot No. 17, 25, and part of 1 of the final plot No. 428 of the Town Planning Scheme No. 1 Poona bearing C.T.S. 1076 situated at Bhamburda, Shivajinagar, Poona.

Total area : 1332 $\frac{1}{2}$ sq. ft. building built in 1973/74. 3 storeyed building comprising 3 flats of 743.50 sq. ft. and 12 flats of 714 sq. ft. Built up area 4450.62 sq. ft. (Property as mentioned in the Regd. deed No. 2082 of September, 75 of the Registering Authority, Haveli-II, Poona).

H. S. AULAKH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income Tax, Acquisition Range Poona.

Date : 19-4-76

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Asudamal, 2. Lakhumal, 3. Phattumal, all residents of H. No. 88/467, Nala Road, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mohd. Yusuf, 2. Mohd. Jamal Yaqoob R/o 90/237, Iftikharabad, Kanpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1976

Ref. No. 373/Acq/Kanpur/75-76/2593.—Whereas, I, F. J. BAHADUR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 29-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property No. 90/237, Iftikharabad, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 75,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 10th May, 1976

Ref No. 922/Acq/M.Nagar/75-76/457.—Whereas I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 20-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Kunj Behari S/o Keshavdas R/o Jansath, Present—Meerut Road, Muzaffarnagar, Real Brother and Attorney Shri Bankey Behari S/o Keshav Das, R/o Jansath, Present—Meerut Road, Muzaffarnagar. (Transferor)

(2) Dr. Mahendra Kumar Bansal of Lala Laxmi Chand, R/o 25, Civil Line, Muzaffarnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of open plot of land (half portion) measuring 511 1/3 sq. yds. situated at Civil Lines, Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 20,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10th May, 1976.
Seal.

FORM ITNS

(1) Shri Kunj Behari son of Shri Keshav Das, Resident of Jansath Present—Meerut Road, Muzaffarnagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shanti Bansal wife of Shri Mahendra Kumar Bansal, Resident of 25, Civil Lines, Muzaffarnagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 10th May 1976

Ref. No. 923/Acq/M.Nagar/75-76/458.—Whereas, I, VIJAY BHAGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 20-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of open plot of land (half portion) measuring 511 1/3 sq. yds. situated at Civil Lines, Muzaffarnagar transferred for an apparent consideration of Rs. 20,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 10th May, 1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Rajnish Kumar Arora S/o Om Parkash Arora, R/o 122/50, Kabari Market, Kanpur. 2. Aatamjeet Singh S/o S. Nanak Singh, R/o Barba Road, Gomati No. 5, Kanpur. 3. Sachi Bhushan Ghosh S/o Avinash Chandra Ghosh, R/o J. K. Colony, Jajmau, Kanpur.
(Transferor)

(2) Shri Aziz Javad (Minor) son of Shri Samsh Javed, R/o Jajmau, Kanpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1976

Ref. No. 365/Acq/Kanpur/75-76/134.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 20-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of open land, measuring 13 Biswa, bearing No. 265A, including pucca well & Kothari Situated at Vajeedpur, Jajmau, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 13,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Rajnish Kumar Arora S/o Om Prakash R/o 122/50, Kabari Market, Kanpur, 2. Aatamjeet Singh S/o Nanak Singh R/o Bamba Road, Gumati No. 5, Kanpur, 3. Sachi Bhushan Ghosh S/o Avinash Chandra Ghosh, R/o J. K. Colony, Jammu, Kanpur.
(Transferor)

(2) 1. Shri Saied Javed (Minor) son of Shams Javed R/o Jajmau, Kanpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Kanpur, the 14th April 1976

Ref. No. 366/Acq/Kanpur/75-76/135.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 20-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of open land, measuring 12 Biswa, bearing No. 265-A, situated at Village Wajidpur, Jajmau, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 12,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-4-1976

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th April 1976

Ref. No. 367/Acq/Kanpur/75-76/136.—Whereas, I, **VIJAY BHARGAVA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 20-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

19—116GI/76

(1) Shri Rajnish Kumar Arora S/o Om Prakash, R/o 122/50, Kabari Market, Kanpur, 2. Aatamjeet Singh S/o S. Nanak Singh, R/o Bamba Road, Kanpur, 3. Sachi Bhushan Ghosh S/o Avinash Chandra Ghosh, R/o J. K. Colony, Kanpur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Hamid Javed (Minor) son of Shri Shams Javed R/o Jajmau, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of part of open land measuring 13 Biswa comprised in plot No. 265-A, and 265-S, situated at Village Wajidpur, Jajmau, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 13,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

KANPUR

Kanpur, the 14th April 1976

Ref. No. 368/Acq/Kanpur/75-76/137.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 20-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajnish Kumar Arora S/o Om Parkash, R/o 122/50, Kabari Market, Kanpur. 2. Aatamjeet Singh S/o S. Nanak Singh, R/o Bamba Road, Kanpur. 3. Sachi Bhushan Ghosh S/o Avinash Chandra, R/o J.K. Colony, Jajmau, Kanpur.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Nuzhat Ara W/o Shri Samsh Javed, R/o Wajidpur, Jajmau, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of part of open land measuring 10 Biswa bearing plot No. 265-B, situated at Village Wajidpur, Jajmau, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 10,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kunj Behari son of Keshav Das, R/o Jansath, Distt. Muzaffarnagar, Present Res. Meerut Road, Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 7th April 1976

Ref. No. 924/Acq/M.NAGAR/75-76/49.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 22-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Jagdish Chand Tyagi son of Shri Ramanand Tyagi, R/o Vill. Kharkhoda, Pargana-Salava, Hapur, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/2 portion of plot measuring 625 sq. yds. situated at Civil Lines (Circular Road), Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 22,500/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7th April, 1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 7th April 1976

Ref. No. 925/Acq/M.Nagar/75-76/50.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Muzaffarnagar on 22-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kunj Behari S/o Keshav Das R/o Jansath, Mukhtaraam Majaj Minjanib Shri Bankey Behari son of Keshav Das, Resident of Jansath, Present Res. Meerut Road, Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chandra Tyagi S/o Shri Ramanand Tyagi, R/o Vill. Kharkhoda, Pargana-Salava, Hapur, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealing of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Immovable property consisting of 1/2 portion of plot measuring 625 sq. yds. situated at Civil Lines (Circular Road), Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 22,500/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-4-76

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shardul Bikram Shah S/o Lt. Col. His Highness Maharaja Sir Narendra Shah of Tehri.
(Transferor)

(2) Shri Thakar Badam Singh S/o Late Th. Prithvee Singh, 2. Sri Digvijay Singh, and 3. Sri Gajendra Singh, both sons of Sri Thakar Badam Singh, R/o Niranjanpur Tea Estate, Dehradun.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 8th April 1976

Ref. No. 905-A/Acq/Dehradun/75-76/52.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 3-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Immovable property consisting of land measuring 3½ Bighas situated at Balbir Avenue Road, Mauza Dharampur, Mahal Raja Ranbir Singh and Kr. Tegh Bahadur Singh, Pargana Pachhwa, Distt. Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following person, namely :—

Date : 8-4-76

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Sri Ganesh Prasad Jhadiyal, Prabhari Adhikari, Sangarh, Dehradun, 2. Shri N. S. Ansari, Collector, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 8th April 1976

Ref. No. 907-A/Acq/Dehradun/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 11-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of house No. 57, Rapur Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,19,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 8-4-76

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 7th April 1976

Ref. No. 884-A/Acq/Ghaziabad/75-76/55.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 2-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri M/s. Dalmia Agencies (P) Ltd. 4, Sindia House, New Delhi, Through Sri Jai Dayal Dalmia S/o Hajimal Dalmia, 4 Sindia House, New Delhi, Managing Director.

(Transferor)

(2) Messers Mohan Meakin Breweries Limited, Mohan Nagar, Ghaziabad, Through Shri Jamna Shanker Bhatnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of land measuring 11 Bigha 9 Biswa and 13 Biswansi (34,734.56 sq. yds.), situated at Village Prahaladgarhi, Pargana Loni, Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 2,90,880/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-4-76

Seal :

FORM ITNS

(1) V. Venkata Laxmi
W/o Somasundaram,
Bhimavaram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. P. Sitamahalaxmi, W/o Appalaraju
2. Kosuri Laxmi Kantamma, W/o Sitaramaraju,
Ankoderu.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
KAKINADA

Kakinada, the 7th February 1976

Ref. No. Acq.File. No. 308/J. No. 1(156)/WG/75-76.—
Whereas, I, B. V. SUBBARAO,
being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 221/8 situated at Illapudi village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bhimavaram on 30-9-75
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'Said Act',
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

The schedule property as per document No. 1882/75 of
the S.R.O., Bhimavaram during the fortnight ended on
30-9-1975.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBARAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said
Act', I hereby initiate proceedings to the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following
persons, namely:—

Date : 7-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
KAKINADA

Kakinada, the 20th April 1976

Ref. No. Acq.File No. 333 M.E. No. 295/76.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Kuchimanchi Agraaharam, Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on 15-9-75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

20—116GI/76

(1) Smt. Ganti Seshagiramma, 2. G. Laxmanarao, 3. Suryaprakash, 4. Srinivas, 5. Ganti Ramalingam, S/o. Ramalingam 6. Narayananakamal, 7. Baya Prabhakar, 8. Nagesh, 9. Ganti Laxmi. (Transferor)

(2) Shri Siram Suryanarayana Murthy, S/o Narayana Murthy, Amalapuram. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document no. 3270/75 of the SRO, Amalapuram registered during the fortnight ended on 15-9-75.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 20-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Messrs. Gopaldas and Sons, Alwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Messrs. Western India States Motors Pvt. Limited, Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 12th May 1976

Ref. No. A-7/75(18)101/Raj/IAC(Acq.)330.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 3257.6 Sq. Yds.

situated at Alwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Alwar on 24-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIO& :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3257.6 Sq. Yds, situated at the junction of the road leading from Alwar to Delhi about 2 miles from the town, more fully described in the conveyance deed registered on 24-10-75 by the Sub-Registrar, Alwar.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

C. S. JAIN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ladusingh S/o Ramnath, resident of village Lelawas, Tehsil Jodhpur Distt. Jodhpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 12th May 1976

Ref. No. J-17/75(18)/4/Raj./IAC(Acq.)/331.—Whereas,
I, C. S. JAIN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Land 54000 Sq. ft. situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Jodhpur on 27-9-75
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(2) 1. Shri Mangal Singh S/o Shri Bhaktawarsingh 2.
Shri Bhiramsingh, 3. Shri Chiman Singh Sons of Shri
Mangal Singh Resident of Bagar Mohalla, Maha-
mandir, Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

54,000 Sq. feet land in Mahamandir areas of Jodhpur City,
more fully described in the conveyance deed registered on
27-9-75 by Sub-Registrar, Jodhpur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(1 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957);

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 15th May 1976

Ref. No. J-3/75(18)/243/Raj/JAC(Acq.)/332.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 4074 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 29-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramsaroop Maheshwari s/o Sh. Krishanlal Maheshwarsaboo R/o near Sikar House, outside Chand Pole Gate, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Ram Kishore Khandelwal S/o Shri Moolchand Mahajan Khandelwal R/o Rasta Shaunkian, Kishan Pole Bazar, Choukri Topkhana Desh, Jaipur.
(Transferee)

(3) Shri Bhagwan Sahai S/o Shri Motilal Vaish Khandelwal R/o Jhotwara, Jaipur.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4074 Facing north in Chand Pole Bazar, Chowkri Topkhana Desh, Jaipur more fully described in the conveyance deed registered on 29-9-1975 by sub-Registrar Jaipur (Rajasthan).

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kishorilal S/o Shri Gaindaram 23, Gole
Bazar, Sriganganagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Shanti Devi W/o Shri Mulakraj resident of
185 G Block, Sriganganagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

JAIPUR

Jaipur, the 24th April 1976

Ref. No. G-2/75(21)/123/Raj./IAC(Acq.)/328.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

shop No. 23 situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 17-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

1 share out of 4 northern portion of shop No. 23 Gole Bazar Sriganganagar, more fully described in conveyance deed registered at No. 2136 on 17-9-175 by Sub-registrar, Sriganganagar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 24-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kishorilal S/o Gaidaram, 23 Gole Bazar,
Sriganganagar.
(Transferor)

(2) Shri Mulakraj S/o Shri Mahelaram, Resident of
185 G Block, Sriganganagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 24th April 1976

Ref. No. G-2/75(20)/203/Raj.IAC(Acq.)/329.—Whereas,
I, C. S. JAIN,
being the Competent Authority, under Section 269B of the
Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 23 situated at Sriganganagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Sriganganagar on 17-9-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share out of 4 northern portion of shop No. 23 Gole Bazar
Sriganganagar, more fully described in conveyance deed regis-
tered at No. 2134 on 17-9-1975 by Sub-Registrar, Sriganga-
nagar.

(a) facilitating the reduction or evasion of the lia-
bility of the transferor to pay tax under the

said Act in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
Money or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Date : 24.4.1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1976

Ref. No. AP-1560.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at ..

Jullundur on September 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Baldev Chand Bhalla s/o Shri Barkat Ram, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Mohinder Kaur w/o Shri Jagat Singh, 109, New Grain Market, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any body interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Deed No. 5891/September 1975, of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1976

Ref. No. AP-1561.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Sadhu Ram s/o Shri Gurdit Singh c/o Shri G. S. Sadhu Ram Furniture Bazar, Kartarpur.
(Transferor)

(2) Dr. Ram Parkash son of Deputy Chief Medical Officer, Gurdaspur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2.
(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Portion of shop as mentioned in the Registration Deed No. 5548/September 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 5-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Daulat Ram s/o Shri Pheru Ram, Dhan Kaur widow of Shri Babu Ram, Nawanshahr.
(Transferor)

(2) Dr. Harbans Kaur d/o Shri Hari Chand, Railway Road, Nawanshahr.
(Transferee)

(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 1562.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. As per schedule situated at Nawanshahr, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahr on 19, September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 3045/September 1975 of Registering Authority, Nawanshahr,

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

21—116GI/76

Date : 5-5-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1976

Ref. No. AP 1563.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Goraya, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Beant Singh s/o Shri Dharam Singh, Goraya. (Transferor)
- (2) Shri Tara Singh s/o Shri Hazara Singh, Kamal Industrial Corporation, G. T. Road, Goraya. (Transferee)
- (3) At S. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land as mentioned in the Registration Deed No. 2686/ September 1975 of Registering Authority Phillaur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sarwan Singh s/o Shri Bela Singh R/o Goraya.
(Transferor)(2) Shri Tara Singh s/o Shri Hazara Singh of Kamal Industrial Corporation, G.T. Road, Goraya.
(Transferee)(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property)(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1976

Ref. No. AP-1564.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Goraya, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur on November 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 3354/ November 1975 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harbhajan Singh s/o Shri Kartar Singh, Nakodar.

(Transferor)

(2) M/s Kashmir Cold Storage, Nakodar

(Transferee)

(3) At S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd May 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP-1559.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Nakodar, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 1456/ September 1975 of Sub-Registrar, Nakodar

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Balvinder Singh and Manmohan Singh s/o Shri Ajit Singh, ss/o of Shri Malook Singh, R/o V Ramgarh, Teh. Phillaur.
(Transferor)

(2) Shrimati Charan Kaur w/o Shri Lakhbir Singh s/o Shri Gurdas Singh R/o Uppal Khalsa Tehsil, Phillaur.
(Transferee)

(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 27th April 1976

Ref. No. AP-1558.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at V. Ramgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in September 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 2844/ September 1975 of S. R. Phillaur

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 27-4-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 27th April 1976

Ref. No. AP.1557.—Whereas, J. Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at V. Badala, Tehsil Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in September 1975, for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Swarn Singh s/o Shri Inder Singh R/o Seikhei Pind, Tehsil Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Bishan Singh and Shri Kishan Singh ss/o Shri Labh Singh, R/o V. Boot, Tehsil Jullundur.
(Transferee)

(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 5701, September 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 27-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 27th April 1976

Ref. No. AP-1556.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at V. Badala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Hardip Singh &/o Shri Inder Singh &/o Shri Mela Singh R/o Seikhei, Tehsil Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Bishan Singh and Shri Kishan Singh ss/o of Shri Labh Singh, R/o Boot, Jullundur.
(Transferee)
- (3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 5493/ September 1975 of S. R. Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Date : 27-4-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 27th April 1976

Ref. No. AP-1555.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Badala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Prithpal Singh s/o Shri Inder Singh R/o Sherpur, Tehsil Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Bishan Singh and Kishan Singh ss/o Shri Labh Singh R/o Badala. (Transferee)
- (3) At S. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land as mentioned in the Registration Deed No. 5492/ September 1975 of Sub-Registrar, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 27-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Sarti Devi w/o Shri Hukam Chand s/o Udhe Ram r/o Abohar, Tehsil Fazilka.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1976

Ref. No. FZR/2/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property situated at Grain Market, Abohar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

22—116 GI/76

(2) Shri Sunder Lal s/o Shri Raghu Nath Sahai s/o Shri Harphool Singh Shri Bishan Sarup s/o Banarsi Dass s/o Raghu Nath Sahai Shri Suresh Chand s/o Om Parkash s/o Shri Raghu Nath Sahai c/o Net Ram Harphool Singh Gali No. 5, Rohtak Mandi, Rohtak.
(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property in Grain Market, Abohar as mentioned in the Registered Deed No. 1245 of September 1975 of the Registering Authority, Abohar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 20.4.1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1976

Ref. No. MGA/5/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Moga Mehla Singh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moga in September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhag Singh s/o Shri Kishan Singh s/o Shri Harnam Singh r/o Chowk Sheikhan Near Dr. Mohan Singh Moga Mehla Singh.
(Transferor)
- (2) Shri Darshan Singh s/o Shri Gurmit Singh s/o Shri Garib Singh r/o V. Bambian Bhai, Tehsil Moga.
(Transferor)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5850 of September 1975 of the Registering Authority, Moga.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 20-4-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1976

Ref. No. MGA/6/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Moga Mehla Singh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhag Singh s/o Shri Kishan Singh s/o Shri Harnam Singh r/o Chowk Sheikhan Near Dr. Mohan Singh, Moga Mehla Singh.

(Transferor)

(2) Shrimati Dalip Kaur w/o Shri Bhag Singh s/o Shri Kishan Singh r/o Moga Mehla Singh.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5849 of September 1975 of the Registering Authority, Moga.

V. R. SAGAR
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 20-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1976

Ref. No. MGA/8/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Moga Mehla Singh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such of apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhag Singh s/o Shri Harnam Singh r/o Chowk Sheikhan, near Dr. Mohan Singh, Moga Mehla Singh.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh s/o Shri Gurmit Singh s/o Shri Vir Singh V. Bambian Tehsil Moga.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5850 of September 1975 of the Registering Authority, Moga.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 20-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhag Singh s/o Shri Harnam Singh r/o Chowk Sheikhan, Near Dr. Mohan Singh, Moga Mehla Singh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1976

Ref. No. MGA/9/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Moga Mehla Singh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shrimati Dalip Kaur w/o Shri Bhag Singh s/o Shri Kishan Singh, r/o Moga Mehla Singh.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5849 of September 1975 of the Registering Authority, Moga.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kanwar Lajinder Singh Bedi s/o Bawa Hardit Singh Bedi s/o Bawa Khcm Singh Bedi of Fazilka. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1976

Ref. No. FZK/12/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4th property situated at Fazilka, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka in September 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shrimati Shanti Devi w/o Shri Sohan Lal Shri Davinder Kumar s/o Shri Sohan Lal r/o Muktsar District Faridkot. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

4th share of sheller building at Fazilka as mentioned in the registered deed No. 1682 of September 1975 of the registering authority, Fazilka.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kanwar Lajinder Singh Bedi s/o Bawa Hardit Singh Bedi s/o Bawa Kham Singh Bedi of Fazilka. (Transferor)

(2) Shri Subhash Chander s/o Shri Hans Ram s/o Shri Nagar Mal of Ladhuka Tehsil Fazilka. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1976

Ref. No. FZK/13/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4th property situated at Fazilka, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka in September 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said moneys or other assets which have not been or date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

4th share of sheller building at Fazilka as mentioned in the registered deed No. 1680 of September 1975 of the Registering Authority, Fazilka.

V. R. SAGAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1976

Seal:

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th May 1976

Ref. No. ASR/24/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 314 situated at Scheme No. 62 Shastri Nagar, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Amritsar in September 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Om Parkash s/o Shri Jiwan Lal & L. Madan Lal s/o Shri Sandhi Ram r/o Lohgarh, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Manoj Kumar s/o Shri Nikka Mal, Rani ka Bagh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 314, Scheme No. 62, Shastri Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1722 of September 1975 of the Registering Authority Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15-5-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th May 1976

Ref. No. ASR/25/76-77.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Maclod Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—
23—116 GI/76

(1) Shri Madan Lal s/o Shri Siri Kishan Dass Aggarwal r/o Plot No. 212, Second Floor, Wadala, Bombay-31 and Shri Ram Parkash Aggarwal s/o Shri Siri Kishan Dass Aggarwal through Shri Madan Lal. (Transferor)

(2) Shri Ram Singh s/o Shri Hari Singh and S. Karnail Singh s/o Shri Ram Singh r/o Maclod Road, Amritsar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Maclod Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 1675 of September 1975 of the registering authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15-5-1976

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th May 1976

Ref. No. ASR/26 76-77.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at Maclod Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Amritsar in September 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Lal s/o Shri Siri Kishan Dass Aggarwal r/o Plot No. 212, Second Floor, Wadala Bombay-31 and Shri Ram Parkash Aggarwal s/o Shri Siri Kishan Dass Aggarwal through Shri Madan Lal.

(Transferor)

(2) Shrimati Gobind Kaur w/o Shri Ram Singh and Shri Ajaib Singh s/o Shri Ram Singh, Maclod Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEQUE

Property situated at Maclod Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 1694 of September 1975 of the registering authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri NAND LAL

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri NAND KISHORE AND OTHERS

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOWObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

Lucknow, the 11th February 1976

Ref. No. 16/A-N/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Chak No. 150-I and II situated at Vill. Puraina Teh. Biswan Distt. Sitapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at BISWAN on 4-9-75—5-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 150-I and II situated in Vill. Puraina Paragna & Tehsil Biswan Distt. Sitapur.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Brij Mohan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nand Kishore and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 16/B/N/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Chak No. 194-I and II situated at Village Puraina Teh. Biswan Distt. Sitapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Biswan on 4.9.75-5.9.75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 194-I and II situated in Village Puraina Paragna and Tehsil Biswan Distt. Sitapur.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amrit Mohan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nand Kishore and others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th February 1976

Ref. No. 16/C/N/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Chak No. 8-I and II situated at Village Puraina Teh. Biswan Distt. Sitapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Biswan on 4.9.1975-5.9.75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 8-I and II situated in Vill. Puraina Pargana and Tehsil Biswan Distt. Sitapur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 11-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kudsia Anis Ahmad & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abdul Azim & others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 22nd March 1976

Ref. No. 62-A/ACQUISITION.—Whereas, I, F. RAHMAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 239/4 situated at Yahiya Ganj Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 26th Sept. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property bearing No. 239/4 situated in Chauraha Yahiya Ganj Lucknow.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

F. RAHMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22.3.1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prano

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Banwari Lal and others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 11th February 1976

Ref. No. 61-B/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 142, situated at Village Meer-pur, Pilibhit (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pilibhit on 26.9.1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing No. 142, measuring 8.06 Decimal, situated in Village Meer-pur, Pargana, Tehsil, and Distt. Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 11.2.1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Khushi Ram and others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balak Ram and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
SSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 19th April 1976

Ref. No. 62-B/Acquisition.—Whereas, I, F. RAHMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

187 and 188 situated at Village Bahadur Pur Sarai District Moradabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sambhal on 8-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 187 and 188 measuring 9.30 acres situated in village Bahadur-pur Sarai Distt. Moradabad.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

F. RAHMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rameshwar Lal Jatia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ganpati Gupta and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th February 1976

Ref. No. 30-G/Acquisition.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.— situated at Moh. Jarai Gate, Malgodam Road, Chandausi Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8.9.1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—
24—116 GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building, and machinery etc. situated in Moh. Jarai Gate Malgodam Road Chandausi, Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 6.2.1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Madan Mohan Saran Lal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Guru Prasad Shastri & others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1976

Ref. No. 32-G/Acquisition.—Whereas, I, F. RAHMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Lohar Bagh Khaira-bad District Sitapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sitapur on 17-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

A house property situated in Lohar Bagh Pargana Khaira-bad District Sitapur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

F. RAHMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 15.4.1976

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Luxmi Dutt & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s New Kashmir & Oriental Transport Pvt. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1976

Ref. No. 17-N/Acquisition.—Whereas, I, F. RAHMAN being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Lohadi Kalan District Mirzapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mirzapur for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the said Act, in respect of any income arising from (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 Plot of land situated in Lohadi Kalan District Mirzapur.

F. RAHMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Chandra Jain

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 5th March 1976

Ref. No. 79-M/Acquisition.—Whereas, I, F. RAHMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Kasba Khalilabad Distt. Basti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khalilabad on 20-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property situated in Kasba Khalilabad Distt. Basti.

F. RAHMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kalyan Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sardar Parmatma Singh & Others (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th February 1976

Ref. No. 48-P/Acquisition.—Whereas, I, **BISHAMBHAR NATH** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 87, situated at Darbhanga Compound, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 15.9.1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 87 alongwith land measuring 5826 sqr. fts. situated in Darbhanga Compound Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 4th Feb. 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Chander Chhipi

(Transferor)

(2) Shri Pratap Chandra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 6th March 1976

Ref. No. 49-P/Acquisition.—Whereas, I, F. RAHMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. —— situated at Mohalla Wazir Bagh District Bahraich (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bahraich on 27-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house situated in Mohalla Wazir Bagh District Bahraich.

F. RAHMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 6-3-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Ram Chander Chhipi

(Transferor)

(2) Shri Prakash Chandra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 6th March 1976

Ref. No. 50-P/Acquisition.—Whereas, I, F. RAHMAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.— situated at Mohalla Wazir Bagh, District Bahraich (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bahraich on 27-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house situated in Mohalla Wazir Bagh District Bahraich,

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

F. RAHMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

Date : 6-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Chander Chhipi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajmani Devi Jain

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Lucknow, the 6th March 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 85-R/Acquisition.—Whereas, I, F. RAHMAN being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mohalla Wazir Bagh District Bahraich (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bahraich on 27-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house situated in Mohalla Wazir Bagh District Bahraich.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

F. RAHMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shyam Sunder

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shakti Metal Industries

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1976

Ref. No. 111-S/Acquisition.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

72, situated at Village Bijwar Khurd-Sitapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sitapur on 12-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

25—116GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing No. 72, measuring Two acres eighty one Decimal, situated in Village Bijwar Khurd, Paraganah Khaira-bad, Distt. Sitapur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 10-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shyam Sunder

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February, 1976

Ref. No. 112-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No. 95, situated at Village Bijwar Khurd Sitapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sitapur on 12-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(2) Sati Bucket Factory

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing No. 95, measuring one acres thirty four Decimals, situated in village Bijwar Khurd, Parahana Khairabad Distt. Sitapur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date : 10-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Suraj Prakash Dalakoti

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Syed Mohd. Ajaz Hussain

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Lucknow, the 18th February 1976

No. 115-S/Acq.—Whereas I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19-109 situated at Station Road, Haldwani (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 12-9-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 18-2-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Workwell Pvt. Ltd., Behind Sukhram Nagar,
Rakhial, Ahmedabad-21.

(2) Workwell Engineers, Behind Sukhram Nagar,
Rakhial, Ahmedabad-21. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 10th March 1976

Ref. No. Acq-23-I-774(292)/1-1-75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. Plot No. 46/1, T.P.S. No. 10, Survey No. 412 to 421 situated at Rakhial, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 20th September 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2361 sq. yards bearing Final Plot No. 46/1, Survey No. 412+421 and situated near Gujarat Housing Colony, Sukhram Nagar, Rakhial, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Niyamut Ullah s/o Sh. Rehmat Ullah r/o 2072-2073 Katra Nahar Khan, Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 7th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1168/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 2072-2073, Ward No. XI situated at Katra Nahar Khan,
Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi in September 1975,
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

(2) Shri Mohd. Sayid s/o Abdul Sattar r/o 2071,
Katra Nahar Khan, Kucha Chelan, Darya Ganj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied house constructed on a free-hold plot of
land measuring 14 sq. yds. situated at No. 2072-2073 ward
No. XI, situated in Katra Nahar Khan, Kucha Chelan,
Delhi and bounded as under :—

North : Masjid and House of Mohd. Sayid.
South : Kucha
East : Gali
West : Gali

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 7th May 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amar Nath Shoor s/o Sh. Barkat Ram Shoor
r/o H. No. 192, Adarsh Nagar, Jullundur City
(Punjab).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 7th May 1976

Ref. No. IAC/9cq.II/1169/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 $\frac{1}{2}$ share in E-6 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Amrit Kaur w/o Sardar Pal Singh 2. S. Harmajit Singh s/o S. Pal Singh r/o Z-13/A Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided share of 31/100th share i.e. 15 $\frac{1}{2}$ /100th share in a single storied building, built on a free-hold plot of land bearing Plot No. 6 in Block E measuring 1104.9 sq. yds situated in the colony known as Rajouri Garden, New Delhi & bounded as under :—

North : Lawn
South : Road
West : Plot No. E-5
East : Plot No. E-7

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 7th May 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Banarsi Dass Shoor s/o Shri Barkat Ram Shoor
r/o 192, Adarsh Nagar, Jullundur City (Pb.)
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1976)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 7th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1170/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/100 share in E-6 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

(2) Smt. Amrit Kaur w/o Sardar Pal Singh, 2, Sh. Harmanjit Singh s/o S. Pal Singh, r/o Z-13/A, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one half share of 12/100th share i.e. 6/100th share in a single storied building built on free-hold plot of land bearing No. 6 in Block E measuring 1104.9 sq. yds situated in the colony known as Rajouri Garden, New Delhi and bounded as under :—

North : Lawn
South : Road
East : Plot No. E-7
West : Plot No. E-5

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 7th May 1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Manohar Lal Shoor s/o Shri Barkat Ram Shoor, r/o H. No. 192 Adarsh Nagar, Jullundur City (Pb.) (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 7th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1171/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13½ share of E-6 situated at Rajouri Garden, New Delhi land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September 1975.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Amrit Kaur w/o S. Pal Singh, 2, Sh. Har-Manjit Singh s/o Sardar Pal Singh, r/o Z-13/A, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one half share of 27/100th share i.e. 13½/100th share in single storeyed building built on a free-hold plot of land No. 6 in Block E measuring 1104.9 sq. yds situated in the colony known as Rajouri Garden, New Delhi & bounded as under :—

North : Lawn
South : Road
East : Plot No. E-7
West : Plot No. E-5

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 7th May 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Satyawati w/o Sh. Chunilal, 2. Sh. Bal Krishan Shoor s/o Sh. Chunilal Shoor residents of House No. 251, Jullundur City (Pb.)
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Amrit Kaur w/o S. Pal Singh, 2. Sh. Harmanjit Singh s/o Sardar Pal Singh, r/o Z-13/A, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 7th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1172/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15/100th share in E-6 situated at Rajouri Garden, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one half share of 30/100th share i.e. 15/100th share in a single storied building on a free-hold plot of land bearing Plot No. 6 in Block E measuring 1104.9 sq. yds situated in the colony known as Rajouri Garden, New Delhi & bounded as under :—

North : Lawn
South : Road
East : Plot No. E-7
West : Plot No. E-5

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 7th May 1976
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

26—116GI/76

FORM ITNS

(1) Shri Ram Lubhaya s/o Shri Salig Ram r/o 1871
Gali Khiali Ram Mohalla Jmli, Bazar Sita Ram,
Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 10th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1173/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Northern portion of 19-B situated at Kothi No. 23, Ward No. II, Darya Ganj, Ansari Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in September 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(2) Shri Murli Dhar s/o Shri Nihar Chand r/o 3354, Jatwara Street, Subhash Marg, Darya Ganj, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern portion of plot of land No. 19-B situated in Kothi No. 23 Ward-II Ansari Road, Darya Ganj, Delhi measuring 121.2 sq. yds out of total plot admeasuring 221.2 sq. yds and bounded as under :—

North : By 20' wide road
South : Others property
East : By 20' wide road
West : Others property

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 10th May 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rahul Basu.

(Transferor)

(2) Shri Jyoti Prakash Bhattacharjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

Calcutta, the 22nd April 1976

Ref. No. AC-11/Acq. R-V/Cal/76-77.—Whereas I, S. S. INAMDAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/527, situated at Gariahat Road, P.S. Tollygunge, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 5-9-75

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922 or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 5 cotahs 1 Ch. 6 sft. being the premises No. 1/527, Gariahat Road, P.S. Tollygunge, Calcutta.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 22-4-1976.

Seal:

FORM ITNS —

(1) Shri Mukundraj Amritlal Sayani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

Calcutta, the 4th May 1976

Ref. No. AC-15/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. "Jalajal", situated at Mouza Makhla, Dist.-Hooghly Calcutta on 25-9-75

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-9-1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(2) Shri Sisir Kumar Ganguly as Managing Director of Melcoke (India) Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 bighas 6 cotiabs 2 chittaks 28 sft. together with building, structures etc. thereon being the property known as "Jalajal" situated on Dag No. 1618, 1619, 1626 and 1627 in Mouza Makhla, Uttarpura, Dist-Hooghly, more particularly as per deed No. 5588 dated 25-9-1975.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 4-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gyanchand Patni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

Calcutta, the 7th May 1976

Ref. No. AC-16/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) M/s Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of piece or parcel of land containing an area of 14 cottahs 7 chittaks 27 sft. being premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, P.S. Tollygunge, Calcutta more particularly as per deed No. 5537 dated 23-9-1975.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 7-5-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Gunamala Devi Patni.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Green View Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

Calcutta, the 7th May 1976

Ref. No. AC-17/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 23-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of piece or parcel of land measuring an area of 14 cottahs 7 chittaks 27 sft. being premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, P.S. Tollygunge, Calcutta more particularly as per deed No. 5538 dated 23-9-1975.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 7-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Deep Chand Patni,

(Transferor)

(2) M/s Green View Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

Calcutta, the 7th May 1976

Ref. No. AC-18/Acq.R.V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. 119, situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of piece or parcel of land measuring an area of 14 cottahs 7 chittaks 27 sft. being premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, P.S. Tollygunge, Calcutta more particularly as per deed No. 5539 dated 23-9-1975.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 7-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1976

Ref. No. TR-152/C-164/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C (Unit No. 1D), situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 10-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shrimati Puspa Rani Anand. (Transferee)

(3) United Commercial Bank Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1-D on 1st floor at 75C Park Street, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Inspecting Assistant Commissioner of
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 12-5-76,
Seal :

FORM ITNS

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Suman Anand.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) German Remedies Ltd. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1976

Ref. No. TR.153/C-165/CAI.-1/75-76. Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C (Unit No. 1E), situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 10-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1E on 1st floor at 75C Park Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—116GI/76

Date : 12-5-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1976

Ref. No. TR-156/C-151/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C (Unit No. 1C) situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 12-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(2) Miss Simi Anand & Shano Anand, represented by father and natural guardian Anil Kumar Anand.

(Transferee)

(3) United Commercial Bank Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1C on 1st floor at 75C Park St., Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 12-5-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Samir Kumar Sen.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1976

Ref. No. TR-154/C-152/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C (Unit No. 9D), situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 10-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9D on 9th floor at 75C Park St., Calcutta.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-5-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suraj Prakash Anand.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1976

Ref. No. TR-155/C-150/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C(Unit No. 1A), situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 10-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1A at premises No. 75C, Park Street, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-5-76.
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Aelpe Finance Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th May 1976

Ref. No. A|TR-156|C-161|Cal-1|75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50 (Flat), situated at Chowringhee Rd., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 3-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof or by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Madhukant Sharma.

(Transferee)

(3) Mitsu & Company. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of a flat on an area of 6448 sq. ft. at 50 Chowringhee Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 11-5-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Aelpe Finance Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Beni Shankar Sharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME TAX,
 ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1976

Ref. No. TR-157/C-160/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50 (Flat), situated at C howringhee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 3-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

*(3) Mitsu & Company. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of a flat on an area of 6448 sq. ft. at 50 Chowringhee Road, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-tax Acquisition Range-I,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 12-5-76.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Aelpc Finance Limited.

(Transferor)

(2) Shri Ravi Sharma

(Transferee)

(3) Mitsu & Company. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
I.A.C., ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th May 1976

Ref. No. TR-158/C-162/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50 (Flat), situated at Chowringhee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 3-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/8th share of a flat on an area of 6448 sq. ft. at premises No. 50, Chowringhee Road, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-5-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Aelpe Finance Limited,

(Transferor)

(2) Shri Ratnakar Sharma

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
I.A.C., ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th May 1976

Ref. No. TR-159/C-163/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50 (Flat), situated at Chowringhee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 3-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of a flat on an area of 6448 sq. ft. at premises No. 50, Chowringhee Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 11-5-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Aelpe Finance Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ranjan Sharma

(Transferee)

(3) Mitsu & Company. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
I.A.C., ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th May 1976

Ref. No. TR-160/C-153/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 50 (Flat), situated at Chowringhee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 3-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of a flat on an area of 6448 sq. ft. at premises No. 50, Chowringhee Road, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

28—116GI/76

Date : 11-5-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Aelpe Finance Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
I.A.C., ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th May 1976

Ref. No. TR-161/C-154/Cal-1/75-76.—Wherens, I. S. K. CHAKRAVARTY,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50 (Flat), situated at Chowinghee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt Place North, Calcutta on 3-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Raman Sharma

(Transferee)

(3) Mitsu & Company. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of a flat on an area of 6448 sq. ft. at premises No. 50, Chowinghee Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-tax Acquisition Range-I,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 11-5-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Aelpe Finance Limited,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
I.A.C., ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th May 1976

Ref No. TR-162/C-155/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50 (Flat), situated at Chowringhee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 3-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Shri Srikant Sharma

(Transferee)

(3) Mitsu & Company. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of a flat on an area of 6448 sq. ft. at premises No. 50, Chowringhee Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 11-5-76.

Seal :

FORM I.T.N.S. —————

(1) Aelpe Finance Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
I.A.C., ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th May 1976

Ref. No. TR-163/C-158/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50 (Flat), situated at Chowringhee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 3-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Sudhakant Sharma

(Transferee)

(3) Mitsu & Company. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of a flat on an area of 6448 sq. ft. at premises No. 50, Chowringhee Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 11-5-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Aelpe Finance Ltd.

(Transferor)

(2) 1. Rina Majumder.
2. Roma Majumder.
3. Manika Majumder and
4. Parthasarathi Majumder.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY

I.A.C., ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1976

Ref. No. TR-166/C-157/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50 (Flat) situated at Chowringhee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 5-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 8th floor at 50, Chowringhee Road, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 12-5-1976

Seal:

FORM ITNS

(1) Ruby Construction Company,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
I.A.C., ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1976

Ref. No. TR-178/C-177/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 75C (Unit No. 3B), situated at Park St., Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Government Place North, Calcutta, on 19-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3B on 3rd floor at 75C Park St., Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Saheed Ahmed, 2. Shri Shafiq Ahmed.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Syed Ajmal Hossain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
I.A.C., ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1976

Ref. No. TR-182/C-182/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 28, situated at Elliot Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Government Place North, Calcutta on 16-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land more or less one Cottah 14 Chittack 7 Sq. ft. at premises No. 28, Elliot Road, Calcutta-16.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date: 12-5-1976
Seal:

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Sisir Kumar Seal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
I.A.C., ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1976

Ref. No. TR-184/C-183/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 242 situated at Bepin Behari Ganguly St., Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Government Place North, Calcutta on 23-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1975);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) 1. Shri Amal Kumar Basu.
2. Shri Bimal Kumar Basu.
3. Shri Dilip Kumar Basu.
4. Pradip Kumar Basu, and
5. Arun Kumar Basu.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring two cottahs 14 chittacks and 13 sq. ft. with kancha structures at 242 Bepin Behari Ganguly St., Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 12-5-1976
Seal ;

FORM ITNS

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
I.A.C., ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1976

Ref. No. TR-180/C-179/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C (Flat No. 3A), situated at Park St., Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Government Place North, Calcutta on 22-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—116G1/76

(2) Shrimati Savitri Devi Mehrotra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3A, at premises No. 75C, Park St., Calcutta,

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date . 12-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s M. S. Agarwala & Sons Pvt. Ltd. 42 Kali Krishna Tagore St., Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Samiran Co-operative Housing Society Ltd.
51A, Kankulia Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 29th March 1976

Ref. No. 328/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18/3, situated at Gariahat Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 2 bighas 11 cottahs 7 chittacks and 16 sq. ft. at No. 18/3, Gariahat Road, Calcutta registered under deed No. 5404 of 1975 dated 15th September, 1975, before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 29-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Sabitri Devi 86, Christopher Road, Calcutta-46.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 29th April 1976

Ref. No. 332/Acq.R-III/76-77/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza-Purba Topsia, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 2-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Chen Hing Tannery 88, Matheswartolla Road, Calcutta-46.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of Sali danga and marshy land measuring 5 bighas 7 cottahs 11 chittacks under Mouza-Purba Topsia, P. S. Jadavpur, Dist. 24-Parganas registered under deed No. 7856 of 1975 before Dist. Registrar, Alipore.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Date : 29-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ratansinh Raisinh Kanabari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
AYURVED HOSPITAL BUILDING
5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD, STATION
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 15th May 1976

Ref. No. ARII/2042/3839/75-76.—Whereas, I, M. J. Mathan,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 70 C.T.S. No. 649 Plot No. 42 situated at Juhu Village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-9-1975,

of the said Act for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Babul Premchand Shah and Shrimati Ramiben Babul Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of lease-hold land or ground situate lying and being at Juhu Vile Parle Development Scheme (South of Irla Nala) in Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban in Greater Bombay and in the Registration Sub-District of Bandra being part of Survey No. 70 bearing C.T.S. No. 649 of Juhu Village admeasuring 793.33 sq. yds. equivalent to 663.3 sq. meters or thereabout and bearing plot No. 42 in the Estate of the Nutan Laxmi Co-operative Housing Society Limited and bounded as follows, that is to say on or towards the East by 40 feet road or towards the West by Plot No. 34, on or towards the North by Plot No. 43 and on or about the South by Plot No. 41.

M. J. MATHAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 15-5-1976

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
SMT. K. G. M. P. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002.

Bombay-400002, the 9th June 1976

No. ARI/1331-9 /Sept.75.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 244 of Malabar & Cumballa situated at Manav Mandir Road, Malabar Hill (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 16-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) M/s. Sunderdas Narsoomal.
- (2) Sunderdas Narsoomal.
- (3) Harilal Sunderdas.
- (4) Parasram Sunderdas.
- (5) Amaral Sunderdas.

(Transferor)

- (2) (1) Dhirajal Virchand Shah.
- (2) Mrs. Laxmibai Virchand Shah.
- (3) Bhogilal Virchand Shah.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE FIRST SCHEDULE

ALL that piece or parcel of Fazandari land or ground together with messuages, tenements, dwelling houses, buildings and structures standing thereon together with moiety of the boundary walls to the South and West thereof respectively situate to the West side of Wilderness Road, now known as Manav Mandir Road, Malabar Hill in the Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 1157.82 (One thousand one hundred and fifty seven point eighty two) Sq. yds. (i.e. 968.0533 square metres and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under New Survey No. 7188 in part but wrongly stated 7187 in the previous documents and Cadastral Survey No. 244 of the Malabar and Cumballa Hill Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Taxes under D Ward No. 3194 (4) but in the previous documents wrongly stated 1394(4) and formerly under Street No. 1040 but now under Street No. 1 and bounded on or towards the North by the piece of land hereinafter described in the Second Schedule hereunder written on or towards the South by a moiety of the boundary wall the other moiety formerly belonging to Mulji Damodar but now to Rajshri Chavdeji Lilavantibai Saheba on or towards the West by a moiety of the boundary wall the other moiety belonging to Ranchhoddas Tribhuvandas and on or towards the East by the said Wilderness Road now known as Manav Mandir Road.

THE SECOND SCHEDULE

ALL that undivided equal share in the piece or parcel of vacant Fazandari land or ground situate at Malabar Hill Wilderness Road now known as Manav Mandir Road in the Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 133.20 (One hundred and thirty three point twenty) Sq. Yds. (i.e. 11.3685 square metres) or thereabouts and bearing Cadastral Survey No. 1/244 of Malabar and Cumballa Hill Division and bounded on or towards the North by the piece or parcel of land hereinafter described in the Third Schedule on or towards the South by the property hereinabove described in the First Schedule on or towards the East by the said Wilderness Road now known as Manav Mandir Road and on or towards the West by the property of Ranchhoddas Tribhuvandas which said piece of land is to be kept as a common passage and is subject to the right of way created by an Agreement dated 4th day of July one thousand eight hundred and ninety eight made between Ruttanscy Liladhar and Ranchhoddas Tribhuvandas.

THE THIRD SCHEDULE

All that piece or parcel of Fazandari land or ground with a wall built thereon at Malabar and Cumballa Hill, Wilderness Road now known as Manav Mandir Road in the Registration Sub-District of Bombay admeasuring 16 (sixteen) Sq. yds. (i.e. 13.3776 Square Metres) or thereabouts and bearing Cadastral Survey No. 1/164 of the Malabar and Cumballa Hill Division and bounded on or towards the North by the property of Jamsetji Ardeshir Wadia on or towards the South by the piece of land hereinabove described in the Second Schedule on or towards the East by Wilderness Road now known as Manav Mandir Road and on or towards the West by the boundary wall belonging to Ranchhoddas Tribhuvandas.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 9-6-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Bai Mithamai widow of Pirojshaw Pestonji Cowasji Shroff.
(Transferor)

(2) Shri Kayamali Mahomedhussein Pardawala.
(Transferee)

(3) Tenants.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
SMT. K. G. D. M. P. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.,
V. FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 7th June 1976

Ref. No.AR-I/1366-44/Sept.75.—Whereas, I, V R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 44 of Tardco Division situated at Sleater Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of former Foras land or ground (redeemed from payment of all Foras to Government) together with the messuage, tenement or dwelling house standing thereon situate lying and being at Sleater Road (Naushir Bharucha Marg) without the Fort of Bombay in the Registration Sub District of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement according to Cadastral Survey Register 600 sq. yards equivalent to 501.67 sq. metres and according to actual measurement 610 sq. yds. equivalent to 510 sq. metres and registered by the Collector of Land Revenue under New No. B/13946 and A/13946 and New Survey No. 1/7041 and 1A/7041 bearing Cadastral Survey No. 44 of Tardco Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates & Taxes under 'D' Ward Nos. 3701(1), 3701(1A) and 3701(1AA) and Street Nos. 42, 42A and 42AA, Naushir Bharucha Marg and bounded as follows: that is to say, on or towards the North by the property of Padamaben Kantilal Raichure bearing C.S. No. 43 on or towards the South and West by the property of the Nassarwanji Sorabji Gazdar bearing C.S. No. 45 and on or towards the East by Sleater Road.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

Date : 7-6-1976
Seal .